वर्ष 24, अंक 229, पृष्ठ 08, मूल्यः 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 27 फरवरी 2026 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को द्रुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

'आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं- पीएम

इजरायल आना गर्व की बात

इजरायल

इजरायल दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने साफ शब्दों में कहा कि आतंकवाद को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं किया जा सकता. उन्होंने कहा कि भारत और इजरायल कंधे से कंधा मिलाकर आतंकवाद और उसके समर्थकों का विरोध करते रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे. इजरायल की धरती से दिए इस बयान को पाकिस्तान के लिए कड़ा संदेश माना जा रहा है.

आतंकवाद को स्वीकार नहीं किया जा सकता

पीएम मोदी ने कहा कि आतंकवाद का दुनिया में कोई स्थान नहीं है. उन्होंने दोहराया कि भारत और इजरायल मिलकर आतंकवाद के खिलाफ मजबूती से खड़े रहेंगे. उन्होंने यह भी कहा कि पश्चिम एशिया में शांति और स्थिरता से भारत के सीधे हित जुड़े हैं, इसलिए भारत शुरू से ही संवाद और शांतिपूर्ण समाधान की वकालत करता रहा है. प्रधानमंत्री ने कहा कि गाजा पीस प्लान से शांति की दिशा में रास्ता बना है. उन्होंने क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर इजरायली नेतृत्व के साथ विस्तार से चर्चा की.

इजरायल आना गर्व की बात

पीएम मोदी ने अपने और भारतीय प्रतिनिधिमंडल के गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू का धन्यवाद किया. उन्होंने कहा कि 9 साल पहले उन्हें इजरायल की यात्रा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य मिला था और एक बार फिर यहां आना गर्व और भावनात्मक अनुभव है. इजरायली संसद द्वारा मिले सम्मान के लिए भी उन्होंने आभार जताया.

संबंधों को मिला ह्यस्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपह्न का दर्जा

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-इजरायल संबंध गहरे विश्वास, लोकतांत्रिक मूल्यों और मानवीय संवेदनाओं पर आधारित हैं. दोनों देशों ने अपनी साझेदारी को ह्यस्पेशल स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिपह्न का दर्जा देने का फैसला किया है.

व्यापार, टेक्नोलॉजी और रक्षा में सहयोग

पीएम मोदी ने बताया कि आपसी निवेश बढ़ाने के लिए पिछले साल इळअ समझौता हुआ और जल्द ही ऋळअ को अंतिम रूप दिया जाएगा. टेक्नोलॉजी को साझेदारी का केंद्र बताते हुए उन्होंने कहा कि इजरायल में वढक के इस्तेमाल को लेकर समझौता हुआ है. रक्षा क्षेत्र में दशकों पुराने सहयोग को और मजबूत किया जाएगा. दोनों देश ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी और जॉइंट प्रोडक्शन में आगे बढ़ेंगे.

कृषि और इनोवेशन पर फोकस

इजरायल के सहयोग से भारत में स्थापित ह्यसेंटर ऑफ एक्सीलेंसह्न की संख्या 100 तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है. ह्यविलेज ऑफ एक्सीलेंसह्न पर भी काम हो रहा ह। ै, जिससे इजरायली तकनीक भारत के गांवों तक पहुंचे और किसानों को फायदा हो।

'मानवता कभी संघर्ष की शिकार नहीं होनी चाहिए'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इजरायल यात्रा का आज (26 फरवरी) को दूसरा दिन है. पीएम मोदी ने यरुशलम में इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने दौरान गाजा पीस प्लान को लेकर बड़ा बयान दिया है. पीएम मोदी ने कहा कि मानवता को कभी भी संघर्ष का शिकार नहीं होना चाहिए.

पीएम मोदी ने गाजा की स्थिति को लेकर कहा, 'गाजा पीस प्लान को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंजूरी दी है. इसके जरिए शांति का रास्ता खुला है. उन्होंने कहा,भारत इस पहल का समर्थन करता है. भविष्य में भी सभ देशों के साथ सहयोग और बातचीत जारी रखेगा.'

इससे पहले बुधवार (25 फरवरी) को इजरायल की संसद क्नेसेट में भी प्रधानमंत्री ने गाजा पीस प्लान के समर्थन की बात कही थी. उन्होंने इजरायली संसद में अपने संबोधन के दौरान कहा, 'गाजा पीस इनिशिएटिव को संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मंजूरी दी थी. यह शांति का रास्ता दिखाता है. भारत ने इस पहल का समर्थन किया है. हमारा मानना ??है कि यह सभी लोगों के लिए शांति का वादा है, जिसमें फिलिस्तीन मुद्दे को सुलझाना भी शामिल है. हमारी सभी कोशिशें समझदारी, हिम्मत और इंसानियत से चलें. शांति का रास्ता हमेशा आसान नहीं होता, लेकिन भारत इस इलाके में बातचीत, शांति और स्थिरता के लिए आपके और दुनिया के साथ है.'

'आतंकवाद के खिलाफ जारी रखेंगे लड़ाई'

इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में आतंकवाद को लेकर रुख स्पष्ट करते हुए कहा, आतंकवाद के खिलाफ भारत और इजरायल का रुख एक जैसा है. उन्होंने साफ किया कि दुनिया में आतंकवाद के लिए कोई जगह नहीं है. इसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता है.

प्रधानमंत्री ने आगे कहा, हम आतंकवाद और इसका समर्थन करने वालों के खिलाफ लड़ाई जारी रखेंगे।

चांदनी चौक में अंडरग्राउंड होंगे तार, 17 हजार करोड़ के पावर इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान का ऐलान

दिल्ली

राजधानी दिल्ली में बिजली व्यवस्था को विश्वस्तरीय, सुरक्षित और निर्बाध बनाने के लिए सरकार ने कई बड़ी परियोजनाओं का ऐलान किया है. दिल्ली में तेजी से बढ़ती बिजली की मांग को देखते हुए आने वाले तीन सालों के लिए 17 हजार करोड़ रुपये का 'पावर इंफ्रास्ट्रक्चर प्लान' तैयार किया गया है. इस महायोजना के तहत ऐतिहासिक बाजार चांदनी चौक को तारों के जंजाल से मुक्त करने से लेकर नई 'बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली' स्थापित करने जैसे बड़े कदम उठाए जा रहे हैं.

इस योजना की सबसे बड़ी और बहुप्रतीक्षित घोषणा चांदनी चौक की 26 सड़कों को लेकर है. यहां करीब 52.5 किलोमीटर लंबे ओवरहेड तारों के नेटवर्क को अब जमीन के नीचे (अंडरग्राउंड) किया जाएगा. इस प्रोजेक्ट पर लगभग 160 करोड़ रुपये खर्च होंगे. चांदनी चौक देश के सबसे पुराने और भीड़भाड़ वाले बाजारों में से एक है, जहां संकरी गलियों में लटकते तारों से हमेशा आग और शॉर्ट-सर्किट का भारी खतरा बना रहता है।

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की भेंट

नई दिल्ली/भोपाल/ग्वालियर। केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज नई दिल्ली स्थित रेल भवन में केन्द्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैश्नव के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मध्य प्रदेश के ग्वालियर, गुना और चंबल अंचल सहित देश के विभिन्न हिस्सों से इन क्षेत्रों की सीधी रेल कनेक्टिविटी और पूर्वोत्तर में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने संबंधी विविध परियोजनाओं पर विस्तार से चर्चा की।

48 घंटे के अंदर फ्लाइट टिकट किया कैंसिल तो नहीं लगेगा चार्ज

नई दिल्ली

देश में रोजाना हजारों लोग फ्लाइट से सफर करते हैं और एयर ट्रैवल अब मिडिल क्लास के लिए भी सामान्य ऑप्शन बन चुका है. लेकिन टिकट कैंसिल या बदलाव के समय लगने वाले भारी चार्ज अक्सर यात्रियों का बजट बिगाड़ देते थे. कई बार प्लान अचानक बदलता है और 24 से 48 घंटे के भीतर टिकट कैंसिल करनी पड़ती है.

ऐसे में पेनाल्टी देना मजबूरी बन जाता था. अब एविएशन रेगुलेटर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय यानी ऊॠउअ ने नियमों में बदलाव कर यात्रियों को बड़ी राहत दी है. नए प्रावधानों के तहत 48 घंटे के भीतर टिकट कैंसिल करने पर कोई चार्ज नहीं लिया जाएगा. इसके साथ ही नाम में गलती सुधारने की सुविधा भी आसान कर दी गई है. जान लीजिए नए नियम.

48 घंटे में बिना पेनाल्टी कैंसिलेशन

नए नियमों के मुताबिक एयरलाइंस को 48 घंटे का लुक-इन ऑप्शन देना होगा. इस दौरान यात्री अपनी बुकिंग कैंसिल या चेंज कर सकते हैं और उन पर कोई कैंसिलेशन पेनाल्टी लागू नहीं होगी. अगर किराए में कुछ अंतर है तो सिर्फ वही देना होगा. हालांकि यह सुविधा तभी मिलेगी जब यात्रा की तारीख घरेलू उड़ान के लिए बुकिंग से सात दिन बाद और अंतरराष्ट्रीय उड़ान के लिए 15 दिन बाद की हो।

यूपी विधानसभा चुनाव से पहले 'भगवा गढ़' में सपा को मिलेगी ताकत!

बीजेपी को लगेगा झटका?

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 के लिए सियासी बिसात बिछनी शुरू हो गई है. बीते निकाय चुनाव में समाजवादी पार्टी का साथ छोड़ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) में शामिल होने वाले पूर्व मंत्री हेमराज वर्मा ने हाल ही में सपा चीफ अखिलेश यादव से मुलाकात की है.

हेमराज वर्मा की अखिलेश यादव से मुलाकात से यह संकेत मिल रहे हैं कि पूर्व मंत्री का अब बीजेपी से मोह भंग हो गया है और वह 'घर वापसी' का मूड बना रहे हैं. सूत्रों की मानें तो हेमराज वर्मा पीलीभीत की सदर विधानसभा सीट से सपा के टिकट पर दावेदारी का ऐलान भी कर सकते हैं.

ढाई साल पहले अखिलेश यादव का छोड़ा था साथ

हेमराज वर्मा ने साल 2023 के निकाय चुनाव में हेमराज वर्मा ने अखिलेश यादव की सपा छोड़ दी थी और बीजेपी जॉइन कर ली थी. अब पूर्व मंत्री के इस कदम से पीलीभीत में सियासी पारा हाई हो गया है. हेमराज वर्मा काफी समय से शांत दिख रहे थे. अब अखिलेश यादव से उनकी मुलाकात ने बीजेपी के सियासी गलियारों में भी हलचल मचा दी है।

होली पर घर जाने वालों के लिए चलेंगी 1244 रेल

नई दिल्ली

यदि आप होली पर घर जाने की तैयारी कर रहे हैं तो आपके लिए खुशखबरी है। भारतीय रेलवे ने त्योहार के दौरान बढ़ती भीड़ को देखते हुए बड़ी संख्या में होली स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला किया है, ताकि यात्रियों को कन्फर्म सीट और आरामदायक सफर मिल सके। वहीं अगर आप कोई स्टार्टअप चला रहे हैं और रेलवे के साथ मिलकर नई तकनीक पर काम करना चाहते हैं, तो आपके लिए भी अवसर खुल गया है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति की घोषणा की है, जिसके तहत नवाचार और तकनीकी समाधान सीधे रेलवे से जोड़े जाएंगे। देखा जाये तो भारतीय रेल अब तेज बदलाव के दौर से गुजर रही है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने नई रेल टेक नीति और रेलवे क्लेम्स ट्रिब्यूनल की डिजिटल व्यवस्था की शुरूआत कर सुधारों को नई दिशा दे दी है। यह कदम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफॉर्म्स विजन के तहत उठाया गया है। नई रेल टेक नीति का मकसद रेलवे में नई तकनीक और नए विचारों को बढ़ावा देना है। अब स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षण संस्थान सीधे रेलवे के लिए अपने सुझाव दे सकेंगे। इसके लिए रेल टेक पोर्टल शुरू किया गया है, जहां एक ही चरण में प्रस्ताव जमा किए जा सकेंगे। प्रोटोटाइप बनाने और परीक्षण के लिए मिलने वाला अनुदान पहले से दोगुना कर दिया गया है, जबकि स्केल अप के लिए अनुदान तीन गुना से अधिक बढ़ाया गया है।

हम संबंधों को सदैव मन से निभाते हैं

उत्तर प्रदेश

उत्तर प्रदेश में 2027 विधानसभा चुनाव से पहले सियासत तेज हो गई है. कांशीराम जयंती को समाजवादी पार्टी ने इस साल ह्यढऊअ दिवसह्न के रूप में मनाने का ऐलान किया है. इस फैसले पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने पलटवार करते हुए इसे ह्यविशुद्ध राजनीतिक नाटकबाजीह्न करार दिया है. अब सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मायावती के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि 'हम अपने संबंधों को हमेशा मन से निभाते हैं.'

समाजवादी पार्टी ने घोषणा की है कि इस साल बहुजन नायक कांशीराम की जयंती को 'PDA दिवसह्न के रूप में मनाया जाएगा. पार्टी हर जिले में कार्यक्रम कर पीडीए वर्ग (पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक) को एकजुट करने की रणनीति बना रही है. सपा का कहना है कि यह पहल सामाजिक न्याय की राजनीति को मजबूत करने के लिए है. पीडीए दिवस एक नयी शुरूआत है जो सांकेतिक रूप से पीडीए समाज के उन सभी महान व्यक्तियों को समर्पित है, जिन्होंने समाज के हर पीड़ित, दुखी, अपमानित के मान-सम्मान, उत्थान और बराबरी के लिए कभी भी, किसी भी वर्चस्ववादी का साथ नहीं दिया। बसपा प्रमुख मायावती ने सपा के फैसले पर तीखी प्रतिक्रिया दी. उन्होंने कहा कि सपा का चाल, चरित्र और चेहरा हमेशा दलितों, पिछड़ों और बहुजन समाज के खिलाफ रहा है. उन्होंने 1993 के सपा-बसपा गठबंधन और 2 जून 1995 के लखनऊ गेस्ट हाउस कांड का जिक्र करते हुए सपा पर दलित विरोधी रवैये का आरोप लगाया।

जयपुर की वायु गुणवत्ता के लिए 344 करोड़ का फंड

जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर की वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए 15वें वित्त आयोग से अब तक 344.70 करोड़ रुपये मिले हैं। राज्य सरकार ने बृहस्पतिवार को विधानसभा में यह जानकारी दी। इसके अनुसार केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 15वें वित्त आयोग के माध्यम से जयपुर नगर निगम को वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है तथा वायु गुणवत्ता सुधार हेतु जयपुर को अब तक 344.70 करोड़ रुपये की सहायता मिली है। पर्यावरण राज्य मंत्री संजय शर्मा ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों, ई-वाहनों को बढ़ावा देने तथा हरित विकास कार्यों से जयपुर की वायु गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। प्रश्नकाल में उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ई-वाहन को बढ़ावा देने के लिए पूरी तरह प्रयासरत हैं, फलस्वरूप देश धीरे-धीरे पेट्रो ईंधन आधारित वाहनों से ई-वाहनों की दिशा में अग्रसर हो रहा है ।

हरिद्वार में धर्म पूछकर रेहड़ी वाले को धमकाने वाला गिरफ्तार

माहौल बिगाड़ने पर पुलिस हुई सख्त

हरिद्वार

धर्मनगरी हरिद्वार के कनखल क्षेत्र में एक मुस्लिम रेड़ी संचालक से धर्म पूछकर उसे धमकाने और वीडियो वायरल करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है. बुधवार (25 फरवरी) को सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से प्रसारित हुआ. जिसमें चंचल भारद्वाज नाम का व्यक्ति खुद को हिंदूवादी कार्यकर्ता बताते हुए एक रेड़ी वाले से उसका धर्म पूछता नजर आया. वीडियो में आरोपी यह कहते हुए दिखाई दिया कि कनखल क्षेत्र 'मुस्लिम प्रतिबंधित क्षेत्र' है और उसे यहां दोबारा न आने की चेतावनी दी. इतना ही नहीं, उसने इस पूरी घटना का वीडियो स्वयं बनाकर सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया, जिसके बाद मामला तूल पकड़ गया. वीडियो वायरल होते ही स्थानीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनने लगी और लोगों में आक्रोश फैल गया. पुलिस ने मामले को संज्ञान में लेते हुए आरोपी की तलाश शुरू कर दी.

पुलिस ने कार्रवाई कर आरोपी को किया गिरफ्तार

मामले की गंभीरता को देखते हुए हरिद्वार पुलिस तत्काल हरकत में आई।

राजनीतिक जंग का है पुराना इतिहास

असम

असम की राजनीति इस समय सीधे टकराव के मोड में खड़ी है। 2026 के विधानसभा चुनाव से पहले मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने जब यह कहा कि पाकिस्तान का भारत में कोई एसेट नहीं होना चाहिए और कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई को सीधे पाकिस्तान से जुड़ा बताया, तो यह महज बयानबाजी नहीं थी। यह एक सोची समझी राजनीतिक चाल थी, जिसमें राष्ट्रवाद का तीखा तड़का लगाकर विपक्ष को कटघरे में खड़ा करने की कोशिश की गई। चुनावी मौसम में किया गया यह वार साफ संकेत देता है कि आने वाले महीनों में असम की सियासत बेहद आक्रामक और व्यक्तिगत होने वाली है।

सवाल यह है कि क्या यह हमला केवल चुनावी रणनीति है या पुराने हिसाब चुकता करने की कोशिश। असम की सियासत समझने वाले जानते हैं कि यह टकराव आज का नहीं है। इसकी जड़ें उस दौर में हैं जब सरमा कांग्रेस में थे और स्वर्गीय तरुण गोगोई के नेतृत्व वाली सरकार में ताकतवर मंत्री माने जाते थे। बाद में नेतृत्व को लेकर उठा विवाद, कथित उपेक्षा और हाई कमान की राजनीति ने उन्हें पार्टी से बाहर का रास्ता दिखाया। 2015 में उनका भाजपा में जाना और उसके बाद 2016 में सत्ता परिवर्तन ने असम की राजनीति का नक्शा बदल दिया। तब से यह संघर्ष वैचारिक कम, व्यक्तिगत अधिक हो गया।

अब सरमा ने 2013 की उस पाकिस्तान यात्रा को मुद्दा बनाकर आग में घी डाला है, जिसमें गौरव गोगोई अपनी पत्नी के साथ वहां गए थे। लाहौर, इस्लामाबाद और कराची की यात्रा को लेकर जो सवाल उठाए गए, वह सीधे राष्ट्रद्रोह जैसे गंभीर आरोपों तक पहुंच गए। मुख्यमंत्री का कहना है कि लोकसभा में रक्षा, परमाणु संयंत्र और कश्मीर से जुड़े प्रश्न उस यात्रा से जुड़े हो सकते हैं। उन्होंने विशेष जांच दल की रिपोर्ट केंद्र को सौंप दी और केंद्रीय एजेंसियों से जांच की मांग की।

यहां दो बातें साफ दिखती हैं। पहली यह कि राष्ट्र सुरक्षा का सवाल जितना गंभीर होता है, उसका राजनीतिक इस्तेमाल उतना ही खतरनाक।

दूसरी यह कि यदि आरोप इतने ठोस हैं तो जांच और ज्यादा पारदर्शी होनी चाहिए थी। वहीं गौरव गोगोई ने आरोपों को निराधार और हास्यास्पद बताया है। उन्होंने पलटवार करते हुए मुख्यमंत्री के परिवार की कथित जमीन संपत्ति पर सवाल उठाए और कहा कि सत्ता में आने पर वह जमीन गरीबों में बांट दी जायेगी। इस तरह मुद्दा राष्ट्रीय सुरक्षा से हटकर संपत्ति और परिवार तक पहुंच गया।

कन्या सम्मान समारोह से आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक सराहनीय पहल : सीमा द्विवेदी सांसद

अखंड भारत संदेश

जंघई। चंपापुर, खेमपट्टी गांव के हनुमान मंदिर प्रांगण में वरिष्ठ समाजसेवी भाजपा नेता अरुण दुबे द्वारा गुरुवार को सुंदर कांड एवं कन्या सम्मान समारोह सैकड़ों लोगों को सिलाई मशीन एवं साइकिल वितरण किया गया। मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि क्षेत्र में कन्याओं को प्रोत्साहित करने और उनके आत्मनिर्भर भविष्य की दिशा में एक सराहनीय पहल के तहत कन्या सम्मान समारोह का आयोजन अरुण दुबे द्वारा सराहनीय आयोजन किया गया है जो कि बहुत ही सुंदर एवं सकारात्मक पहल है। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एसडीएम हंडिया रावेंद्र सिंह, एसएचओ सरायममरेज अतुल मिश्र, भाजपा नेता अजय शुक्ला, कांग्रेस नेता संजय तिवारी, ब्लाक प्रमुख प्रतापपुर शैलेश यादव, समाजसेवी गरुण पांडेय, पूर्व प्रमुख मनोज पांडेय द्वारा विभिन्न समाज की कन्याओं को सिलाई मशीन, साइकिल वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि बालिकाओं की शिक्षा और स्वावलंबन ही सशक्त समाज की नींव है साइकिल मिलने से छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में सुविधा होगी, वहीं सिलाई मशीन से महिलाएं एवं किशोरियां स्वरोजगार के माध्यम से आर्थिक रूप से मजबूत बन सकेंगी। समारोह के दौरान उपस्थित अतिथियों ने बालिकाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें नियमित शिक्षा, कौशल विकास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश दिया। कार्यक्रम में अभिभावकों एवं स्थानीय नागरिकों की भी बड़ी संख्या में सहभागिता रही, जिससे आयोजन का उत्साह और गरिमा बढ़ी।

आयोजकों ने बताया कि भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से कन्याओं को आगे बढ़ाने के प्रयास जारी रहेंगे। कार्यक्रम संयोजक अरविंद दुबे, मनोज दुबे, आकाश दुबे एवं संचालक गिरीश तिवारी द्वारा लाभार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कार्यक्रम का सफल समापन किया गया इस अवसर सैकड़ों विशिष्ट अतिथि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

न्यूज झरोखा

वि. इं. कालेज एवं यूनिक पब्लिक स्कूल का वार्षिक उत्सव कल

सहसों। कसेरुआ कला स्थित विकास इंटर कॉलेज एवं यूनिक पब्लिक स्कूल का संयुक्त वार्षिक उत्सव और पुरस्कार वितरण समारोह कल 28 फरवरी शनिवार को सहसों स्थित भोला गार्डेन में आयोजित होगा। जिसमें मुख्य अतिथि अपर शिक्षा निदेशक बेसिक कामता राम पाल एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रोफेसर विश्वनाथ व खंड विकास अधिकारी सहसों रामवीर सिंह रहेंगे। उक्त जानकारी विद्यालय के प्रबंधक डॉ. जगन्नाथ पाल ने दिया है।

शुक्ला के आकस्मिक निधन पर भाजपा कार्यकर्ताओं में गहरा शोक

नैनी। नैनी भारतीय जनता पार्टी के सेक्टर संयोजक रहे अशोक शुक्ला के आकस्मिक निधन पर क्षेत्र में गहरा शोक व्याप्त है। उनके निधन पर कार्यकताओं एवं पदाधिकारियों ने दो मिनट मौन रखकर ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उन्हें अपने श्रीचरणों में स्थान देने की प्रार्थना की। वही पूर्व कनिष्ठ ब्लॉक प्रमुख संजय श्रीवास्तव ने बताया कि अशोक शुक्ला लगभग 35 वर्षों से भारतीय जनता पार्टी की मजबूती के लिए निरंतर कार्यरत थे। वे सरल स्वभाव के व्यक्ति थे और कार्यकताओं से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए पार्टी को विजय दिलाने के लिए समर्पित भाव से प्रयास करते रहे। उन्होंने संगठन को संभालने और विस्तार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बताया गया कि वे सेक्टर प्रभारी सोमेश्वर नाथ मंडल के अंतर्गत आने वाले देवरख क्षेत्र में सक्रिय सहयोगी के रूप में कार्य कर रहे थे। उनके आकस्मिक निधन से पार्टी को अपूरणीय क्षति पहुंचीहै। शोक व्यक्त करने वालों में पार्षद मयंक यादव, पार्षद रणविजय सिंह डब्बू, पूर्व जिला अध्यक्ष नर्सिंग, मंडल अध्यक्ष नैनी किसान मोर्चा नीरज शर्मा, पंडित दामोदर प्रसाद तिवारी, महेश कुमार वर्मा, सोमेश्वर नाथ मंडल के महामंत्री राम जी श्रीवास्तव, बाबूजी यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त की।

नैनी सेंट्रल जेल के पास ट्रक की चपेट में दर्दनाक छात्र की मौत

नैनी। नैनी सेंट्रल जेल के सामने बुधवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में प्रतियोगी छात्र की मौत हो गई। जबकि उसके मामा गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची नैनी पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायल को नजदीकी निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मूल रूप से मेजा क्षेत्र के ऊंचडीह गांव निवासी 26 वर्षीय अमन शुक्ला पुत्र अखिलेश शुक्ला प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे थे। बुधवार को वह एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए नैनी स्थित संगम विहार कॉलोनी में अपने मामा के घर आए थे। बताया जाता है कि रात में अमन शुक्ला अपने मामा राजेश त्रिपाठी के साथ बाइक से नैनी क्षेत्र में एक निमंत्रण कार्यक्रम में गए थे। देर रात जब दोनों वापस कॉलोनी लौट रहे थे और सेंट्रल जेल के सामने से मुड़ रहे थे तभी तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही दोनों सड़क पर गिर पड़े। हादसे के दौरान राजेश त्रिपाठी सड़क के दूसरी ओर जा गिरे जबकि अमन शुक्ला को ट्रक कुचलते हुए आगे बढ़ गया। घटना के बाद चालक कुछ दूरी पर ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही नैनी पुलिस मौके पर पहुंची और घायल राजेश त्रिपाठी को तत्काल नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं अमन शुक्ला के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश में जुटी है।

सर्वोदय विद्यालय में मनाया गया आशीर्वचन समारोह

अखंड भारत संदेश

जसरा। समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय द्वारा आशीर्वचन कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य मत्स्येंद्र नाथ त्रिपाठी ने कक्षा 12 के छात्रों को संबोधित करते हुए आशीर्वचन के रूप में छात्रों के उत्तम स्वास्थ्य, उज्जवल भविष्य की मंगल कामनाएं की। उन्होंने कहा की आवासीय विद्यालय में शिक्षा ग्रहण करना गर्व की बात है, क्योंकि यहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार पर विशेष ध्यान दिया जाता है। समारोह में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया। कक्षा 12 के छात्र अस्मित, आजाद पटेल तथा अखिलेश कुमार पाल ने विद्यालय में बिताए गए विगत 7 साल के अपने अनुभव को साझा करते हुए बताया कि हम लोगों को विद्यालय मे एक अच्छा माहौल प्राप्त था। पढ़ने के साथ-साथ खेल योग व अन्य क्रियाकलापों से बहुत लगाव था। प्रधानाचार्य जी और सभी गुरुजन का बहुत प्यार, स्नेह प्राप्त रहा। इसके लिए आप सभी का बारंबार नमन, वंदन,आभार प्रकट करते हैं। इस समारोह का आयोजन कक्षा 9 व 11 के छात्रों आदिल,आर्यन, कृष्णकांत, श्रेयांश पाल, आकाश यादवआदि के द्वारा किया गया। इसअवसर पर जीतलाल, नागेंद्र यादव, संतोष मिश्र, शिवराज सिंह, नीरज मिश्र,,जय सिंह व अन्य शिक्षक स्टाफ उपस्थित रहा।

सड़क पर घरों का गंदा पानी जमा होने से राहगीर परेशान

अखंड भारत संदेश

मांडा। विकास खण्ड मुख्यालय अन्तर्गत ग्राम पंचायत सोनबरसा और धनावल को जोड़ने वाली सड़क पर घरों का गंदा पानी बहाया जा रहा है। इससे सड़क पर काई जम गई है, जिससे राहगीरों को आवाजाही में भारी परेशानी हो रही है और वे फिसलकर घायल हो रहे हैं।

यह सड़क तिखुरी गांव से होकर गुजरती है, जहां कुछ निवासियों द्वारा अपने घरों का पानी सड़क पर छोड़ा जा रहा है। यह सड़क पीडब्ल्यूडी विभाग के अंतर्गत आती है और इस पर दिन-रात लोगों का आना-जाना लगा रहता है। गंदे पानी के कारण सड़क पर फिसलन बढ़ गई है, जिससे कई लोग गिरकर चोटिल हो चुके हैं। कुछ के पैर टूटे हैं तो कुछ के हाथ।

यह मार्ग कई ग्राम पंचायतों को जोड़ता है और आगे चलकर मिजार्पुर जिले तक जाता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग इस रास्ते का उपयोग करते हैं। स्थानीय निवासियों ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर शासन-प्रशासन से कई बार शिकायत कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई है।

गांव के निवासी प्यारेलाल ने बताया कि वह एक बार इसी सड़क पर गिर गए थे, जिससे उनके पैर में आज भी दर्द रहता है। एक अन्य निवासी लालू ने इस प्रकार की लापरवाही को समाज के लिए घातक बताया।

इस संबंध में पीडब्ल्यूडी विभाग के अरुण यादव से बात की गई। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही पानी के बहाव को बंद कराकर सड़क को दुरुस्त कराया जाएगा। गांव के छोटेलाल, दिनेश प्रसाद, राम प्रसाद, लाल, जुगनू, झालर, जयशंकर यादव, रामलाल यादव सहित कई क्षेत्रवासियों ने इस समस्या के शीघ्र समाधान की मांग की है।

शिव-पार्वती विवाह प्रसंग सुनकर भावविभोर हुए जंघई निवासी

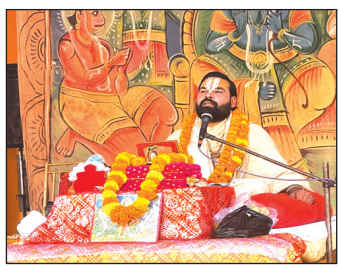

जंघई। श्री राम जानकी मंदिर कुटी जंघई मंदिर के महंथ चंद्रमादास महराज के सानिध्य में चल रही संगीतमयी श्री शिव महापुराण कथा में पांचवें दिन शिव विवाह प्रसंग का वर्णन किया गया। कथा व्यास स्वामी शीतला प्रसाद श्रीधाम वृंदावन ने श्रद्धालुओं को शिव विवाह की कथा का रसपान कराया, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय हो उठा। महाराज ने बताया कि भगवान शिव और माता पार्वती का विवाह त्याग, तपस्या, समर्पण और संतुलन का प्रतीक है। उन्होंने जोर दिया कि सच्चा दांपत्य जीवन केवल भौतिक सुखों पर आधारित नहीं होता, बल्कि आपसी समझ, श्रद्धा और धर्म के मार्ग पर चलता है, आगे कहा कि शिव का जीवन वैराग्य और पार्वती का जीवन गृहस्थी का प्रतीक है। इन दोनों का मिलन समाज को संतुलन का महत्वपूर्ण संदेश देता है। शिव विवाह की कथा सुनकर श्रद्धालुओं ने हर-हर महादेव और जय माता पार्वती के जयकारों से पूरे परिसर को गुंजायमान कर दिया संगीतमय प्रस्तुतियों ने कथा को और भी आकर्षक बना दिया। भजनों और संगीतमय झांकियों के माध्यम से शिव-पार्वती विवाह का सजीव चित्रण किया गया, जिसे देखकर श्रद्धालु भावविभोर हो उठे कई भक्त भक्ति में झूमते नजर आए। क्षेत्र की सुख-समृद्धि और जन कल्याण की कामना करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज में सद्भाव, संस्कार और आध्यात्मिक चेतना का विकास करते हैं। इस अवसर पर आचार्य गण मोनू मिश्रा, संतोष मिश्रा, आशीष मिश्रा, शत्रुघ्न मिश्रा, शिवानंद तिवारी एवं शिव कुमार जायसवाल, राजेश मिश्रा, आयुष जायसवाल, सूरज मिश्र, किशन पाठक, शैलेश पाठक आदि लोग मौजूद रहे।

नैनी में विवाहिता महिला ने फंदे से लटक कर खुदकुशी कर ली

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी गुरुवार को काजीपुर मोहल्ले में सविता पत्नी शिव दर्शन पटेल ने अपने डेढ़ साल के मासूम बेटे के सामने मकान के ऊपरी तल पर कमरे में साड़ी का फंदा बनाकर गले में डालकर खुदकुशी कर ली। घटना के वक्त कमरे में डेढ़ साल बेटा जमीन पर रोता रहा और वह फंदे से लटक गई। बच्चे के रोने की आवाज सुनकर घर के अन्य सदस्य ऊपर पहुंचे तो कमरे का दरवाजा खुला देखा। इसके बाद सूचना युवती के पति को दी। सूचना पर पति पहुंचा और फिर पुलिस के साथ फोरेंसिक टीम भी पहुंच गई। मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने पहुंचकर जांच पड़ताल की। घरवालों के सामने लिखापढ़ी कर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल घटना की जांच पड़ताल की जा रही है। वही घटना के दौरान लोगो की भीड़ लगी रही।

दो बाइक सवार युवकों की आमने-सामने टक्कर में एक की मौत

अखंड भारत संदेश

नैनी। नैनी क्षेत्र में बुधवार देर रात छिवकी स्टेशन के समीप दुबराजपुर ओवरब्रिज पर दो बाइक सवार युवकों की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद ओवरब्रिज पर अफरा-तफरी मच गई और काफी संख्या में लोग एकत्र हो गए। राहगीरों ने तत्काल पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को उपचार के लिए स्वरूप रानी नेहरू चिकित्सालय भेजा गया। अस्पताल में इलाज के दौरान एक युवक की मौत हो गई जबकि दूसरे घायल का उपचार जारी है। मृतक की पहचान 24 वर्षीय मधुकर मिश्रा पुत्र द्वारिका प्रसाद मिश्रा निवासी तेंदुआवन के रूप में हुई है। दूसरे घायल युवक की पहचान समाचार लिखे जाने तक नहीं हो सकी थी। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

दिव्यांग छात्रों का हुआ स्वास्थ्य परीक्षण

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। गुरुवार को राजकीय समेकित विशेष (दिव्यांग) माध्यामिक विद्यालय गेदुराही मेजा प्रयागराज में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मेजा के चिकित्सकों द्वारा समस्त छात्रों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। मूक बधिर दिव्यांग शनि कुमार, रेशमा बानो, सुमित , रितेश इत्यादि के साथ ही 79 छात्रों को रिबॉक के तहत स्वास्थ्य परीक्षण किया गया, कुछ छात्रों को निशुल्क वायरल बुखार, सर्दी, खांसी मलहम, आयरन, आदि दवाएं प्रदान की गई। और कुछ छात्रों को सीएचसी मेजा दिखाने हेतु संदर्भित किया गया। इस अवसर पर सीएचसी मेजा के चिकित्सक डॉक्टर सिद्दीकी, डॉक्टर आयशा फातिमा, (एएनएम) कविता प्रजापति इत्यादि द्वारा स्वास्थ्य परीक्षण किया गया।

ग्राम निधि खातों का संचालन नहीं कर सकेंगे प्रधान, डीएम ने लगाई रोक

मांडा। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ने वित्तीय अनियमितताओं के आरोपों को गंभीरता से लेते हुए विकास खंड मांडा मुख्यालय के अंतर्गत ग्राम पंचायत बेरी में ग्राम निधि खातों के संचालन पर तत्काल प्रभाव से रोक लगा दी है। जिलाधिकारी ने आदेश जारी कर स्पष्ट किया है कि अब प्रधान ग्राम निधि के खातों का संचालन नहीं कर सकेंगे। यह कार्रवाई बेरी ग्राम पंचायत के तलवन प्रसाद, उमेश पाल सहित अन्य ग्रामीणों द्वारा 28 अगस्त 2025 को शपथ पत्र के माध्यम से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर की गई है। शिकायत में ग्राम प्रधान और तत्कालीन सचिव खेमराज पर ग्राम निधि से संबंधित वित्तीय अनियमितताओं के आरोप लगाए गए थे। प्रकरण की जांच जिला सहायक निबंधक (सहकारिता) से कराई गई। जांच अधिकारियों ने 3 दिसंबर 2025 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत की, जिसमें प्रथम दृष्टया वित्तीय अनियमितता पाए जाने की पुष्टि हुई। आरोपों के संबंध में संतोषजनक जवाब न मिलने पर जिलाधिकारी ने यह सख्त कदम उठाया।

जिलाधिकारी ने अपने आदेश में कहा है कि जब तक आरोपी प्रधान के विरुद्ध प्रकरण का अंतिम निस्तारण नहीं हो जाता, तब तक ग्राम निधि के खातों का संचालन ग्राम पंचायत द्वारा गठित तीन सदस्यीय कमेटी करेगी। प्रशासन की इस कार्रवाई से ग्राम पंचायत स्तर पर हड़कंप की स्थिति है, वहीं ग्रामीणों में पारदर्शिता की उम्मीद जगी है।

शूआट्स वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का भव्य और उत्साहपूर्ण शुभारंभ

प्रयागराज। सैम हिगिनबॉटम यूनिवर्सिटी ऑफ एग्रीकल्चर, टेक्नोलॉजी एंड साइंसेज में आज वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता 2026 का शानदार आगाज हुआ। खेल भावना और शारीरिक उत्कृष्टता का जश्न मनाने के लिए पूरा परिसर ऊर्जा और उत्साह से भर गया।

कार्यक्रम की शुरूआत विश्वविद्यालय के पादरी रेव्ह. लाल चुंग गांगटे द्वारा प्रार्थना के साथ हुई, जिसके बाद विश्वविद्यालय के कोएयर ने सुमधुर गॉस्पेल गीत प्रस्तुत किया। एडिशनल रजिस्ट्रार एवं एथलेटिक कमेटी के चेयरमैन प्रो. (डॉ.) सी. जे. वैसली ने अतिथियों का स्वागत बुके और स्मृति चिन्ह भेंट कर किया। उन्होंने अपने संबोधन में शूआट्स के खेलों के गौरवशाली इतिहास को साझा किया।

जनरल कैप्टन रतन सोनी के नेतृत्व में सभी चारों हाउसों के छात्र-छात्राओं ने भव्य मार्च पास्ट किया और मुख्य अतिथि माननीय कुलपति प्रो. (डॉ.) राजेंद्र बी. लाल तथा विशिष्ट अतिथि श्री अभिन श्याम गुप्ता एवं श्री प्रमोद तिवारी,श्री राजेंद्र बेदी,श्री, एमएच चौधरी को 'गार्ड ऑफ ऑनर' दिया।

कुलपति महोदय ने प्रतियोगिता के प्रारंभ की घोषणा की और मशाल जनरल कैप्टन को सौंपी, जिन्होंने बालक एवं बालिका कप्तानों के साथ मिलकर खेल ज्योति प्रज्वलित की। जनरल कैप्टन ने विश्वविद्यालय के सम्मान और खेलों के गौरव के लिए सभी खिलाड़ियों को शपथ दिलाई। शांति और खुशी के प्रतीक के रूप में मुख्य अतिथि ने गुब्बारे और कबूतर आसमान में छोड़े।

अभिन श्याम गुप्ता (विशिष्ट अतिथि): इनको प्रतीक चिन्ह प्रतिकुलपति, एकेडमिक द्वारा देकर सम्मानित किया गया।उन्होंने स्वास्थ्य और आहार के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ₹एक चैंपियन की यात्रा ट्रैक के साथ-साथ रसोई से भी शुरू होती है। संतुलित आहार वह ईंधन है जो प्रतिभा को प्रदर्शन में बदल देता है।₹

प्रमोद तिवारी (विशिष्ट अतिथि): इनका स्वागत श्री राकेश साहू ने पुष्प गुच्छ देकर किया। इन्होंने अनुशासन और विवेकानंद वा पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीआई अब्दुल कलाम के विजन को साझा किया। उन्होंने कलाम साहब के शब्दों को दोहराया ₹सपने वह नहीं होते जो हम सोते हुए देखते हैं, बल्कि सपने वह होते हैं जिनकी वजह से हमें नींद नहीं आती। प्रो. (डॉ.) राजेंद्र बी. लाल (मुख्य अतिथि)उन्होंने स्वास्थ्य, फिटनेस और जीवन के उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए कहाः

ईश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप और समानता में एक विशेष उद्देश्य के साथ रचा है। हम साधारण लोग नहीं हैं, बल्कि असाधारण रचनाएं हैं। अनुशासन और फिटनेस के माध्यम से स्वयं को खोजें और अपने भीतर की प्रतिभा को पहचानें।

शूआट्स की तायक्वांडो टीम ने अपने अद्भुत प्रदर्शन और कौशल से उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर शारीरिक शिक्षा विभाग के हेड वा एथलेटिक कमेटी के सचिव श्री आशीष मैसी ने एथलेटिक्स कमेटी के चेयरमैन प्रोफेसर सी जॉन वेस्ले को पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। यह स्पोर्ट्स मीट 2025 ,26 तथा 27 फरवरी तक चलेगा। इस अवसर पर प्रति-कुलपति (अकादमिक) प्रो. (डॉ.) जोनाथन लाल, प्रति-कुलपति (प्रशासन) प्रो. (डॉ.) बिस्वरूप मेहरा, प्रति-कुलपति (ढटऊ) प्रो. (डॉ.) रितु प्रकाश दुबे, रजिस्ट्रार प्रो. (डॉ.) रानू प्रसाद सहित समस्त निदेशक, डीन, विभागाध्यक्ष, शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षक और भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

सोरांव तहसील के दो लेखपालों को एंटी करप्शन टीम ने दबोचा

अखंड भारत संदेश

सोरांव। गुरुवार को सोरांव तहसील के दो लेखपालों को एक लाख रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। महिला और पुरुष लेखपाल ने बकायदा एक कमरे का ऑफिस बना रखा था और जमीन संबंधित विवादों को वहां निपटाते थे।

आख्या लगाने और मकान निर्माण कार्य को न रुकवाने के एवज में दोनों ने एक लाख रुपये की डिमांड की थी। एंटी करप्शन टीम ने प्लान बनाकर ट्रैपिंग की और एक लाख रुपये घूस लेते हुए दोनों को रंगे हाथ दबोच लिया। गिरफ्तार दोनों लेखपालों को शिवकुटी थाने लाकर आगे की कानूनी कार्रवाई की गई। गिरफ्तार किए गए लेखपालों की पहचान राजशेखर (मलाक हरहर) और जूही मिश्रा (महरूडीह) के रूप में हुई है। टीम ने शिकायत मिलने के बाद जाल बिछाकर उन्हें पकड़ा। पूरा मामला नवाबगंज के आनापुर के रहने वाले अभयराज यादव पुत्र शंकरलाल यादव ने एंटी करप्शन में शिकायत करके अपने प्रार्थना पत्र में कहा कि राजशेखर लेखपाल उसकी पुश्तैनी जमीन पर आख्या लगाने और निर्माण कार्य न रोकने के एवज में एक लाख रुपये मांगे जा रहे हैं।

अभयराज की शिकायत पर गुरुवार को एंटी करप्शन टीम की 14 सदस्यीय टीम ने ट्रैपिंग की। इंस्पेक्टर अलाउद्दीन अंसारी के नेतृत्व में शिवपुर मलाका लखनऊ रोड प्रयागराज के पास से लेखपाल राजशेखर सिंह को गिरफ्तार कर लिया

उसके साथ ही जूही मिश्रा पुत्री स्वामीनाथ मिश्र निवासी लक्ष्मणपुर थाना टांडा जनपद अम्बेडकर नगर को पकड़ा गया। जूही का हाल पता न्यायनगर थाना धूमनगंज है।

दोनों के कब्जे से रिश्वत के एक लाख रुपये ट्रैपिंग टीम ने बरामद किए।

जूही लेखपाल अपने साथी लेखपाल राजशेखर के साथ मिलकर रिश्वतखोरी कर रही थीं। दोनों ने आफिस बनाकर घूंस लेने का काम शुरू किया था।

दोनों लेखपाल 2024-25 बैच के हैं और सोरांव तहसील में उनकी यह पहली पोस्टिंग थी। राजशेखर फतेहपुर जनपद के निवासी हैं, जबकि जूही मिश्रा सुल्तानपुर की रहने वाली हैं। लंबे समय से उनके खिलाफ भ्रष्टाचार की शिकायतें मिल रही थीं।

बगहा सिरसा स्थित एमएल पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज का वार्षिकोत्सव समारोह कल

मेजा। मेजा के बगहा सिरसा स्थित सर्वाधिक लोकप्रिय स्कूल एमएल पब्लिक स्कूल एंड कॉलेज में 28 फरवरी को वार्षिकोत्सव समारोह 2026 का भव्य आयोजन किया गया है जिसके लिए काफी जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। उक्त आशय की जानकारी स्कूल के चेयरमैन एवं शिक्षा के पुरोधा दुर्गा प्रसाद गुप्ता ने देते हुए बताया कि समारोह के दौरान स्कूल एंड कॉलेज के छात्र छात्राओं द्वारा उत्कृष्ट एवं सराहनीय रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम और देश भक्ति पर आधारित गीतों पर लोकनृत्य भी प्रस्तुत किया जाएगा। श्री गुप्ता ने बताया कि यह समारोह 28 फरवरी शनिवार को सुबह 10 बजे शुभारंभ होगा। उन्होंने कहा कि समारोह को रोचक और भव्य बनाने के लिए कालेज परिसर में जोर शोर से तैयारियां की जा रही हैं। इस मौके पर श्री गुप्ता ने क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों एवं अभिभावकों को उक्त निर्धारित समय पर पहुंचने और कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील किया है।

पीडीए की कार्रवाई : लेसुनापुर में दो बीघा अवैध प्लाटिंग ध्वस्त, एफआईआर की तैयारी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज विकास प्राधिकरण (पीडीए) ने गुरुवार को अवैध प्लाटिंग और निर्माण के खिलाफ अभियान चलाते हुए जोन-06 के उपजोन-6ए क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की। जोनल अधिकारी के नेतृत्व में प्रवर्तन टीम ने लेसुनापुर स्थित गोहरी रोड पर जय मां शीतला जलपान गृह के सामने, कानपुर-वाराणसी हाईवे के पास की जा रही अवैध प्लाटिंग को ध्वस्त कर दिया।प्राधिकरण के अनुसार सदाशिव व अन्य द्वारा करीब दो बीघा भूमि पर बिना स्वीकृति प्लाटिंग की जा रही थी। इसे बुलडोजर की मदद से हटवा दिया गया। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि अवैध प्लाटिंग करने वालों के खिलाफ प्रथम सूचना रिपोर्ट (एफआईआर) भी दर्ज कराई जाएगी। कार्रवाई के दौरान जोनल अधिकारी के साथ अवर अभियंता, सुपरवाइजर, पीडीए की प्रवर्तन टीम तथा थाना सोरांव पुलिस बल मौजूद रहा। पीडीए अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि बिना मानचित्र स्वीकृति के किसी भी प्रकार का निर्माण या प्लाटिंग करने पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

न्यूज झरोखा

थाना उतराव में पीस कमेटी की हुई बैठक

उतराव। बृहस्पतिवार को थाना उतराव में थाना प्रभारी प्रीतम कुमार तिवारी पीस कमेटी की बैठक की। बताया जाता है की आगामी त्यौहार होली और रमजान को सौहार्दपूर्ण ढ़ग से सम्पन्न कराने की लिए थाना अध्यक्ष प्रीतम कुमार तिवारी क्षेत्र के समाजसेवी व ग्राम प्रधान वीडीसी के साथ पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गयी। पीस कमेटी बैठक में थाना अध्यक्ष ने आये हुऐ सभी संभ्रांत लोगो से अपील करते हुऐ कहा की आप सब लोग एक दूसरे के त्यौहार का आदर सम्मान करे और हसीं खुशी से त्यौहार मनाये। त्यौहार में किसी प्रकार का उपद्रव न करे जो त्यौहार मनाना न चाहे उसके साथ जबरजस्ती न करे।किसी प्रकार का अफवाह न फैलाये नशा मुक्त त्यौहार मनाये अश्लील गाना न बजाए। होली और रमजान एकता और भाई चारे का सन्देश देता है। हम सब को एक दूसरे के धर्म और त्यौहार का सम्मान करना चाहिए। सभी लोग हसीं खुशी से त्यौहार मनाये। कोई किसी भी प्रकार से गलत टिप्पणी न करे और गलत आफवाह न फैलाये। एक दूसरे का सहयोग करे मिलजुल कर त्यौहार शान्तिपूर्वक ढंग से त्यौहार मनाये। पीस कमेटी बैठक में प्रधान फलराज भारतीया, प्रधान प्रतिनिधि मनोज पटेल, जंगबहादुर,इफ़्तेखार अहमद, प्रेम चंद, सरफराज, पंकज मिश्रा, रिजवान अहमद, नान गुरु,इदरीश भाई,पवन सिंह पूर्व बीडीसी,आदि प्रधान व समाजसेवी उपस्थित रहे।

नागरिक पीजी कॉलेज जंघई रोजगार मेले में 40 को मिला नियुक्ति पत्र

जंघई। एसआईएस ग्रुप द्वारा नागरिक पीजी कॉलेज जंघई में दो दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन गुरुवार, शुक्रवार को किया गया। प्रथम दिवस 40 अभ्यर्थियों को अहर्ता पूरी करने पर नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जिसमें सुरक्षा जवान, सुरक्षा सुपरवाईजर एवं जीटीओ आफिसर पद पर 40 लोगों को नियुक्ति पत्र सौंपा गया। रोजगार मेले का आयोजन एसआईएस सिक्योरिटी कंपनी के द्वारा विभिन्न पदों पर शारीरिक दक्षता परीक्षा पास अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। यह आयोजन महाविद्यालय के संरक्षक प्रबंधक पंडित परशुराम त्रिपाठी के निर्देशन एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ नीरज के नेतृत्व में संयोजक डॉ आनंद श्रीवास्तव में हुआ। 27 फरवरी को भी भर्ती किया जाएगा। इस समिति में डॉ अमित पांडेय, डॉ सुनील कुमार, डॉ आयुषी मौर्य, डॉ रामप्रसाद यादव, डॉ नीरज सहित महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी उपस्थित रहे। चयनित लोगों को स्थायी नौकरी, वार्षिक वेतन वृद्धि, समय-समय पर पदोन्नति, बोनस, सरकारी पेंशन, ग्रेच्यूटी, भविष्य निधि एवं पेंशन की सुविधा, ग्रेच्यूटी एवं बोनस की सुविधा, मेडिक्लेम स्वयं एवं परिवार के लिए, बीमा योजना, रियायती दर पर गैस एवं आवास की सुविधा एवं दो बच्चों की पढ़ाई रियायती दर दी जाएगी।

दिव्यांग को मिला सीएम आवास जगी उम्मीद की नई किरण, जताया आभार

करछना। गरीबों को हितकारी सरकारी योजनाएं जरुरतमंदों को मिलने से खुशी का ठिकाना नहीं रहा ऐसे ही एक ऐसे दिव्यांग को मिला तो जीवन में उसे अपार खुशी जाहिर कर सरकार व मशीनरी को आभार व्यक्त किया है।विकास खंड करछना अंतर्गत ग्राम पंचायत जगौती में दोनों आंख से दिव्यांग मौजी लाल पुत्र रामरतन जो दिव्यांगता का दंश झेल रहा था और सरकार द्वारा चलाई जा रही आवास योजना अंतर्गत प्रधान द्वारा अथक प्रयास से उसे सीएम आवास स्वीकृति मिल गई और उसके खाते में किस्त निर्गत होने पर अपना आशियाना तैयार करने में लग गया उसे अब उम्मीद जगी की सरकार एवं ग्राम प्रधान के बदौलत अब सर ढकने ठिकाना नसीब हो गया उसने आवास निर्माण के दौरान खुशी जाहिर करते हुए सरकार का आभार प्रकट करते हुए खुशी जाहिर करते हुए आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद जताया है।

अपरिहार्य कारणों से 27 फरवरी को मेजा ब्लाक के बीडीसी और प्रधानों की बैठक हुई स्थगित

मेजा। ब्लॉक कैंपस मेजा के सभागार में 27 फरवरी को ब्लाक प्रमुख मेजा श्रीमती गायत्री मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित होने वाली क्षेत्र पंचायत सदस्यों,ग्राम प्रधानों और गणमान्य लोगों की बैठक अपरिहार्य कारणों से स्थगित कर दी गई है। उक्त आशय की जानकारी खंड विकास अधिकारी मेजा अमित कुमार सिंह द्वारा जारी आदेश के क्रम में ब्लाक प्रमुख मेजा के कारखास मयंक शुक्ला ने दी। उन्होंने बताया कि बैठक के बाबत अगला आदेश आने पर सभी बीडीसी सदस्यों,प्रधानों तथा अन्य लोगों को सूचित किया जाएगा।

नैनी स्टेशन रोड स्थित जामा मस्जिद ईदगाह में तरावि‍ह हुई मुकम्मल

नैनी। नैनी स्टेशन रोड स्थित जामा मस्जिद ईदगाह में तरावि‍ह मुकम्मल आमीन हुई। इस बार कई सालों के बाद 7 दिन की तरावि‍ह मुन्तखब की गयी थी जिसमे हर साल की तरह इस साल नमाजियों की संख्या हजारों के करीब थी जिसमे नैनी के लगभग आस पास के सभी गाँवो के लोग आकर तरावि‍ह पढ़ा। इस साल तरावि‍ह अल्लामा मौलाना मुफ़्ती शहंशाह आलम मिस्बाही साहब ने तरावि‍ह मुकम्मल करवाई और आलमें इस्लाम के लिए व अपने मुल्क की तरक्की के लिए दुआ-ए-खैर की गयी। मस्जिद में तरावि‍ह पढ़ाने वाले इमाम साहब को, मस्जिद के मुख्य इमाम, नायब इमाम व मुअज्जिन को ताऊन की रकम दी गयी। इस खास मौके पर मौलाना आलम साहब, मौलाना परवाज, शमशे आजम साहब, मौलाना शफीक, मौलाना शकील,हाफिज मो अनस, आलिम साहब, हाजी हलीम, शाह आलम साहब, काशिफ उद्दीन साहब, शाहअफजल भाई, नाजिम खान, शाहनवाज आलम, मकसूद भाई, अबरार भाई, नात खां अनस, शहजाद खान, हासिम खान, नसीम अहमद, मोहसिम खान अमन, आरिफ, फरहान, शमीम गार्ड, इस्तियाक, शकील भाई, लल्लू मिस्त्री आदि मस्जिद के आदि कार्यकर्त्ता मौजूद रहे।

एनजीबीयू में रसायन रंगोली प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

प्रयागराज। नेहरू ग्राम भारती मानित विश्वविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रसायन-रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। स्नातक और स्नातकोत्तर छात्रों के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में प्रतिभागियों ने रंगों का उपयोग करके विज्ञान-थीम वाली जटिल डिजाइनें (जैसे आणविक संरचना, प्रयोगशाला उपकरण और आवर्त सारणी) बनायी। कार्यक्रम में सचिव नमित मिश्रा, जमुनीपुर परिसर के निदेशक डॉ. आलोक मिश्रा, विज्ञान संकायाध्यक्ष डॉ. आशीष शिवम, डॉ . प्रियंका चावला सहित अन्य शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही, जिन्होंने छात्रों के कार्यों की सराहना की। भौतिकी विभाग के डॉ. संजय कुमार, वनस्पति विज्ञान विभाग के डॉ. प्रदीप उपाध्याय और शिक्षक शिक्षा विभाग की डॉ. साधना त्रिपाठी निर्णायक मंडल के सदस्य थे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अनीता सिंह ने किया।

एसडीएम साहब मेड़रा में सरकारी भूमि को भूमाफियाओं से कराएं कब्जामुक्त : रामधारी बिंद

कहा – पंचायत की सार्वजनिक सुरक्षित भूमि नाला, नाली, चकमर्ग,आम रास्ता तथा खाद गड्ढा की जमीन पर है अपराधी एवं दबंग भूमाफियाओं का अवैध अतिक्रमण

राजस्व के मामलों में बिना प्रधान और राजस्व टीम के पुलिस का अनावश्यक हस्तक्षेप एवं अवैध वसूली कतई बर्दाश्त नहीं

मेजा। ग्राम पंचायत प्रधान रामधारी बिंद (कल्लू नेता) ने गुरुवार को एसडीएम मेजा को लिखित शिकायती पत्र दिया और कहा कि साहब शासनादेश के मुताबिक मेड़रा गांव में कथित भूमाफियाओं द्वारा अतिक्रमण की गई सरकारी सार्वजनिक सुरक्षित भूमि को माफियाओं से कब्जा मुक्त कराने और उनके विरुद्ध लोक संपत्ति क्षति दुर्विनियोजन अधिनियम के तहत कार्यवाही किए जाने की गुहार लगाई है।

उल्लेखनीय है कि विकास खंड मेजा के ग्राम पंचायत मेडरा के वर्तमान प्रधान रामधारी बिंद (कल्लू नेता) ने गुरुवार 26 फरवरी 2026 ई को एसडीएम मेजा को एक शिकायती पत्र सौंपा है जिसमें इस बात का उल्लेख किया है कि आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त उनके गांव के ही कथित भूमाफिया राजू बिंद उर्फ राजीव पुत्र वसंत लाल,भाईलाल, लालचंद्र, ज्ञानचंद्र, बसंत लाल पुत्रगण शंकरलाल ने गांव के सार्वजनिक सुरक्षित नाला संख्या 47 ख की भूमि पर अवैध ढंग से पेड़ और जुताई बुआई कर जहां कब्जा कर लिए हैं वहीं पुस्तैनी आम रास्ता 79 ख पर अवैधानिक ढंग से जबरन मकान निर्माण कर अपने कब्जे में ले लिया है। इसी प्रकार चकमार्ग संख्या 49 एवं नवीन परती भूमि संख्या 78 पर दबंग शोरेपुस्त अपराधी महावीर मुन्ना मोतीलाल पुत्रगण रामसंजीवन तथा राजधर पुत्र मोतीलाल ने पेड़ पौधा लगाकर अपना अधिपत्य जमा रखा है। इसी प्रकार कूंची मौजा के खाद गड्ढा संख्या 49, नाली संख्या 41 पर भूमाफिया हरीलाल, ओम प्रकाश, ननकऊ, संगमलाल तथा जय राजी देवी ने अतिक्रमण कर रखा है। इतना ही नहीं शिकायती पत्र में प्रधान ने यह भी आरोप लगाया है कि पूर्व प्रधान बृजभान यादव के द्वारा पानी के निकासी हेतु बनाई गई पक्की नाली को तोड़फोड़ कर अवैध ढंग से मकान निर्माण कर कब्जा जमाए हुए हैं जिससे बरसात के दिनों में पानी की निकासी न होने की वजह से कई ग्रामीणों के घरों जल भराव की समस्या उत्पन्न हो जाती है। प्रकरण के बाबत प्रधान रामधारी बिंद का कहना है कि उनके द्वारा सरकारी भूमि पर उक्त भूमाफियाओं द्वारा किए गए अवैध कब्जे का विरोध किया गया तो कब्जाधारी अपराधियों ने 17 फरवरी को 8 बजे रात हथियारों से लैस आधा दर्जन की संख्या में गाली गुप्ता देते हुए मारपीट के इरादे से प्रधान के घर पर धावा बोला दिया था जिसको लेकर प्रधान और उनके परिजन दहशत में हैं। शिकायती पत्र में उनका यह भी आरोप है कि इलाकाई पुलिस संरक्षण प्राप्त भूमाफियाओं के आतंक से प्रताड़ित ग्रामीणों की सुरक्षा में आगे आने पर उन्हें बराबर हत्या की धमकियां उक्त भूमाफियाओं द्वारा दी जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ग्राम पंचायत मेड़रा में उक्त भूमाफियाओं द्वारा गरीब परिवारों से जबरन वसूली जा रही रंगदारी को लेकर आए दिन गांव में भूमि विवाद के मामले प्रायः होते हैं जिसमें माफियाओं की मिलीभगत से पुलिस भी अवैध वसूली करने पहुंच जाती है। ऐसे मामलों में उन्होंने इलाकाई पुलिस को सख्त लहजे में कहा है कि मैं गांव का एक जिम्मेदार जन प्रतिनिधि हूं भूमि संबंधी मामलों में बिना राजस्व अधिकारी एवं कर्मचारी के पुलिस का पहुंचना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। फिलहाल प्रधान रामधारी बिंद की शिकायत को एसडीएम मेजा सुरेंद्र प्रताप यादव ने गंभीरता से लिया है और गांव की सरकारी भूमि को भूमाफियाओं से कब्जामुक्त कराने और 3/5 के तहत कार्यवाही किए जाने हेतु संबंधित राजस्व निरीक्षक एवं हल्का लेखपाल को कड़े निर्देश दिए हैं।

भूमि अधिग्रहण के विरोध में किसानों ने भाजपा जिलाध्यक्ष को सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

बहरिया। ब्लॉक बहरिया के नारायणपुर एवं नीबी खुर्द गांव के किसानों ने मुख्यमंत्री शहरी विस्तारीकरण योजना के अंतर्गत प्रस्तावित भूमि अधिग्रहण का विरोध तेज कर दिया है। गुरुवार को दोनों गांवों के ग्रामीण किसान भाजपा गंगापार जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान से मिले और उपमुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपते हुए अधिग्रहण पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। किसानों ने ज्ञापन में कहा कि उन्हें अपनी कृषि भूमि के अधिग्रहण की जानकारी समाचार पत्रों के माध्यम से मिली। अधिकारियों की ओर से यह दावा किया जा रहा है कि काश्तकारों से मिलकर उनकी सहमति प्राप्त कर ली गई है, जबकि ग्रामीणों का कहना है कि यह दावा पूरी तरह असत्य है। किसी भी किसान से विधिवत सहमति नहीं ली गई है।

ग्रामीणों ने बताया कि दोनों गांवों के अधिकांश परिवार कृषि पर निर्भर हैं और यही उनकी आजीविका का एकमात्र साधन है। भूमि अधिग्रहण की स्थिति में उनका जीवन-यापन संकट में पड़ जाएगा। किसानों ने स्पष्ट चेतावनी दी कि वे अपनी जमीन हर हाल में बचाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से संघर्ष करेंगे।

इस संबंध में जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने जानकारी दी कि जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने किसानों की बात गंभीरता से सुनी और उपमुख्यमंत्री से वार्ता कर समस्या के समाधान तथा अधिग्रहण पर पुनर्विचार का आश्वासन दिया।

ज्ञापन सौंपने वालों में प्रमुख रूप से धर्मेंद्र त्रिपाठी, नंदलाल भारतीय, इंद्रपति तिवारी, संतबहादुर सिंह, पुष्पेंद्र सिंह, राजमणि शुक्ला, सुरेंद्र कुमार तिवारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण किसान उपस्थित रहे।

महिला शिक्षक संघ ने सरकार को भेजा ज्ञापन विरोध प्रदर्शन में जुटी सैकड़ों शिक्षिकाएं

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शिक्षक पात्रता परीक्षा (TET) की अनिवार्यता को लेकर महिला शिक्षकों का विरोध जनपद में जोर पकड़ रहा है। बुधवार को उत्तर प्रदेश महिला शिक्षक संघ, प्रयागराज ने जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और केंद्रीय शिक्षा मंत्री को ज्ञापन भेजा। इसमें संघ ने आग्रह किया कि 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों पर TET अनिवार्यता लागू करना अन्यायपूर्ण और संवैधानिक सिद्धांतों के विपरीत है।

संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि राइट टू एजुकेशन (RTE) अधिनियम, 2009 की धारा 23 में 2017 के संशोधन और हालिया सुप्रीम कोर्ट फैसले ने पूर्व नियुक्त शिक्षकों के भविष्य को संकट में डाल दिया है। संघ के अनुसार, प्रदेश में करीब दो लाख और पूरे देश में लगभग 20 लाख शिक्षक प्रभावित होंगे, जिससे मानसिक दबाव और असुरक्षा की स्थिति पैदा हो रही है।

जिलाध्यक्ष अनुरागिनी सिंह ने कहा कि 'हम शिक्षा सुधार और गुणवत्ता के खिलाफ नहीं हैं। लेकिन वर्ष 2011 से पहले नियुक्त शिक्षकों को बाद में लागू की गई नई शर्तों के तहत दंडित करना अनुचित है। हमने हजारों बच्चों का भविष्य संवारने का काम किया है, अब हमारा ही भविष्य असुरक्षित हो गया है।'

धरना-प्रदर्शन में जिला और ब्लॉक स्तर की कार्यकारिणी, साथ ही सैकड़ों महिला शिक्षिकाएं मौजूद रहीं। कई मान्यता प्राप्त शिक्षक संगठन भी मंच साझा कर इस मुद्दे पर एकजुटता दिखाई।

महिला शिक्षक संघ ने चेतावनी दी है कि यदि सरकार उनकी मांगों पर जल्द ध्यान नहीं देती है, तो आंदोलन को और व्यापक स्तर पर जारी रखा जाएगा।

कुंदनपुर दयालापुर में कोटेदार चयन को लेकर असमंजस, सर्वाधिक समर्थन के बाद ग्रामीणों ने सुरेश चंद्र पटेल का किया जोरदार स्वागत

उतरांव। प्रयागराज के विकासखंड धनुपुर की ग्राम सभा कुंदनपुर दयालापुर में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकान के चयन को लेकर 25 फरवरी को ग्रामीणों की खुली बैठक आयोजित की गई, जिसमें लगभग 700 ग्रामीण मौजूद रहे।हाथ उठाकर कराए गए समर्थन के आधार पर हुए चयन में चार प्रत्याशी– सुरेश चंद्र पटेल, सोनू यादव, आरती देवी पटेल और कविता यादव मैदान में थे।समर्थन के दौरान सुरेश चंद्र पटेल को 418 ग्रामीणों का समर्थन मिला, जबकि सोनू यादव को 60, कविता यादव को 82 तथा आरती देवी पटेल को 2 लोगों ने समर्थन दिया। सर्वाधिक समर्थन मिलने पर सुरेश चंद्र पटेल को विजयी घोषित किया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें नए कोटेदार के रूप में चयनित मानते हुए फूल-मालाओं से जोरदार स्वागत किया और बधाई दी।चुनाव प्रक्रिया के दौरान एडीओ पंचायत खेमराज गौतम, ग्राम पंचायत अधिकारी नागेंद्र पांडेय, ग्राम प्रधान रोहित भारती, सफाई कर्मी राम मोहन यादव व अजय यादव तथा सराय ममरेज थाने की पुलिस मौके पर मौजूद रही। चुनाव सम्पन्न होने के बाद ग्रामीणों ने इसकी सूचना खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) एवं उपजिलाधिकारी को भी दी।इस संबंध में एडीओ पंचायत खेमराज गौतम ने बताया कि चुनाव प्रक्रिया को फिलहाल स्थगित कर दिया गया है और इसकी रिपोर्ट खंड विकास अधिकारी व एसडीएम को भेज दी गई है। बताया गया कि मतदान के दौरान एक प्रत्याशी द्वारा हंगामा किए जाने से स्थिति स्पष्ट नहीं हो सकी, जिससे चयन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है।वहीं ग्रामीणों का कहना है कि बहुमत के आधार पर सुरेश चंद्र पटेल को नया कोटेदार चुना गया है और गांव की सर्वसम्मति उनके साथ है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि सुरेश चंद्र पटेल को नए कोटेदार के रूप में नियुक्त नहीं किया जाता और उनके चयन को स्वीकार नहीं किया गया, तो पूरा गांव धरना-प्रदर्शन व आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा। अब इस पूरे मामले में अंतिम निर्णय उपजिलाधिकारी हंडिया द्वारा लिया जाना है कि चयन को मान्यता दी जाएगी या पुनः चुनाव कराया जाएगा।

अधिवक्ता को मारा पीटा गया गुस्सा अंग में आयी चोट, मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। थाना क्षेत्र के ग्राम रामनगर गंसियारी निवासी शिव प्रकाश पेशे से अधिवक्ता हैं।उनका आरोप है कि वह घर जा रहे थे रास्ते में रूककर लेखपाल से बातें कर रहे थे। आरोप है कि तभी गांव के कुछ लोग उसे लात घूसों जूतों से मारने पीटने लगे जब वह जान बचाकर कर चौरसिया के घर में घुस गए तो उन्हें घर में घुसकर उन्हें मारा पीटा और जान से मारने की धमकी देते हुए गालियां दी। जिससे उनके गुप्त स्थान में काफी चोटें आयी है। अधिवक्ता शिव प्रकाश ने मऊआइमा थाने में बृजेश कुमार, अमृत लाल तथा दो अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है। घायल अधिवक्ता को पुलिस ने सीएचसी में भर्ती कराया है।

हरे राम सेवा संस्थान ने मलीन बस्ती में बिखेरा संवेदना का रंग

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज । होली के पावन पर्व से पूर्व इस वर्ष प्रयागराज में मानवता, सेवा और सामाजिक समरसता का एक अनूठा उदाहरण देखने को मिला। हरे राम सेवा संस्थान ने मलीन बस्ती के सैकड़ों बच्चों के साथ रंगोत्सव मनाकर यह सिद्ध कर दिया कि त्योहार केवल रंगों का नहीं, बल्कि रिश्तों और संवेदनाओं का उत्सव होता है। यह कार्यक्रम संस्थान के अध्यक्ष एवं सीएमपी डिग्री कॉलेज, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के सहायक प्राध्यापक अनंत सिंह के नेतृत्व में अत्यंत भव्य और सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हुआ।कार्यक्रम के अंतर्गत बृद्ध महिलाओं को साड़ी,गुलाल,सैनेटरी पैड ,दिव्यांगजनों को कपड़ा ,दवा वितरित किया गया वही बच्चों को खाद्य सामग्री, आवश्यक वस्तुएँ, स्टेशनरी, वस्त्र एवं दैनिक उपयोग की कई सामग्रियाँ वितरित की गईं। स्वयंसेवकों ने बच्चों के साथ मिलकर रंग खेला, गीत-संगीत और सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन किया तथा उन्हें आत्मीय संवाद के माध्यम से प्रोत्साहित किया। जिन बच्चों के जीवन में अक्सर अभाव और संघर्ष प्रमुख होते हैं, उनके चेहरों पर इस दिन मुस्कान और उल्लास स्पष्ट झलक रहा था।

इस अवसर पर सैकड़ों स्वयंसेवकों ने अपनी सक्रिय भागीदारी निभाई। आयोजन की योजना, संसाधनों का प्रबंधन, वितरण व्यवस्था और सांस्कृतिक गतिविधियों का संचालन हर स्तर पर युवाओं की संगठित टीम ने अनुकरणीय कार्य किया।

संस्थान का उद्देश्य केवल तात्कालिक सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि समाज के वंचित वर्गों के जीवन में दीर्घकालिक सकारात्मक परिवर्तन लाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य और मानवीय सहयोग के माध्यम से संस्थान ने सैकड़ों परिवारों तक सहायता पहुँचाई है, और युवाओं में सेवा-भाव की चेतना विकसित की है।

संस्थान के अध्यक्ष अनंत सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि समाजसेवा केवल एक गतिविधि नहीं, बल्कि जीवन-दृष्टि है। यदि हमारे त्योहार किसी जरूरतमंद के जीवन में आशा का दीप जला सकें, तो वही हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।इस भव्य आयोजन ने यह सिद्ध कर दिया कि जब युवा संगठित होकर सेवा का संकल्प लेते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन अवश्य संभव होता है। हरे राम सेवा संस्थान की यह पहल प्रयागराज में सामाजिक समरसता और मानवता की एक सशक्त मिसाल बनकर उभरी है। इस कार्यक्रम में सीएमपी कॉलेज से डॉ मनीष सिंह, डॉ राम चिरंजीव पाल, डॉ रितेश त्रिपाठी, डॉ सपना मौर्य आदि गणमान्य लोग उपस्थित थे' साथ ही साथ मंदीप, कुलदीप, ऋषभ, आस्था, ज्योति, दीपाली, अर्जिता, प्रणशी, भूमिका सिंह,पल्लवी राय, रिया सिंह, प्रिया, अनन्या, अनुकल्प सुमित, शिवम, पवन, राज, अर्चित, सन्नी यादव, रोहित, आशीष, शुभम्, वैभव, हर्षित, संजय विनीत रिंकू प्रज्ञा दीपिका, रानी, पिंकी, महके, आराधना,कस्तूरी आदि छात्र और छात्रायें उपस्थित रही।

जनप्रतिनिधियों की शिकायतों एवं प्रस्तावों को गम्भीरता से लेकर निस्तारण करायें : सांसद

जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक सम्पन्न

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति दिशा की बैठक विकास भवन के सभागार में सांसद डा0 शिवपाल सिंह पटेल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें सांसद कौशाम्बी पुष्पेन्द्र सरोज, विधायक रानीगंज डा0 आर0के0 वर्मा, विधायक विश्वनाथगंज जीत लाल पटेल, विधायक पट्टी राम सिंह पटेल, जिलाधिकारी शिव सहाय अवस्थी, पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर, मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय तिवारी, राज्यसभा सांसद अमर पाल मौर्य के प्रतिनिधि राय साहब सिंह, एमएलसी अक्षय प्रताप सिंह के प्रतिनिधि अनिल कुमार सिंह ह्यह्यलाल साहबह्ल, एमएलसी प्रतिनिधि शिक्षक विधायक के प्रतिनिधि अभिमन्यु सिंह, विधायक सदर के प्रतिनिधि अरूण कुमार मौर्य, एमएलसी डा0 महेन्द्र सिंह के प्रतिनिधि दिनेश शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल विक्रम सिंह, डीसी मनरेगा सन्तोष कुमार सिंह, परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, ब्लाक प्रमुख व जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में परियोजना निदेशक डीआरडीए दयाराम यादव ने पूर्व दिशा की बैठक में जनप्रतिनिधियों के उठाये के मुद्दोंध्सुझावों पर की गयी कार्यवाहियों के महत्वपूर्ण बिन्दुओं क्रमशः महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारण्टी योजना, दीनदयाल अन्त्योदय योजना, प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, राष्ट्रीय सामाजिक सहायत कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी), प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) कार्यक्रम, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) कार्यक्रम, राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल, प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, सर्व शिक्षा अभियान, दीन दयाल उपाध्याय ग्राम ज्योति योजना, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन योजना, राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना आदि के सम्बन्ध में अनुपालन आख्या व की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध मे जानकारी दी गयी। दिशा की बैठक में अन्य जनप्रतिनिधियों ने भी अपनी-अपनी समस्याओं के सम्बन्ध में अवगत कराया। अन्त में मा0 सांसदध्अध्यक्ष जी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जो भी शिकायतें एवं प्रस्ताव प्राप्त हुये है उनको गम्भीरता से लेकर निस्तारण कराते हुये उन्हें अवगत भी करायें। सभी अधिकारी शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं के संचालन एवं क्रियान्वयन की स्थिति से माननीय जनप्रतिनिधियों को अवगत कराये। उन्होने कहा कि जिन परियोजनाओं का उद्घाटन/लोकार्पण किया जाये उसमें जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाये। सांसद ने कहा कि दिशा की बैठक बहुत ही सौहार्द वातावरण में सम्पन्न हुई इसके लिये जनप्रतिनिधियों व अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया। बैठक में जिलाधिकारी ने सांसदध्अध्यक्ष को आश्वस्त करते हुये कहा कि जनप्रतनधियों द्वारा जो भी दिशा निर्देश व शिकायतें प्राप्त हुई है उसका सम्बन्धित अधिकारी शत प्रतिशत निर्वहन करेगें।

भूमिधरी पर निर्माण कर कब्जे का प्रयास, चार पर मुकदमा दर्ज

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सोनपुरा गांव की रहने वाली शांति देवी ने पुलिस को तहरीर देकर आरोप लगाया है। घटना बीते 25 फरवरी की शाम 5 बजे के आसपास की है। पीड़िता के विपक्षी पीड़िता की भूमि पर जबरिया पक्का निर्माण कर कब्जा करने का प्रयास कर रहे थे। पीड़िता ने मना किया तो उक्त लोग एक राय होकर पीड़िता को गाली देते हुए पिटाई शुरू कर दिए। पीड़िता ने हल्ला गुहार मचाया तो आसपास के लोगों के बीच बचाव से पीड़िता की जान बची। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। पीड़िता की तहरीर के आधार पर छानबीन के बाद गुरुवार को पुलिस ने सभाजीत, सनी, सरिता देवी व सरोज देवी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्यवाही में जुटी हुई है।

न्यूज झरोखा

शॉर्ट सर्किट से घर में लगी आग, हजारों का सामान जलकर राख

पट्टी। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के पिपरी मुतकरपुर गांव में गुरुवार की सुबह शॉर्ट सर्किट के कारण घर में भीषण आग लग गई। आग लगने से घर में रखा घरेलू सामान जलकर पूरी तरह राख हो गया। जानकारी के अनुसार गांव निवासी बैजनाथ वर्मा के घर में अचानक शॉर्ट सर्किट से चिंगारी उठी और देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग की लपटों में घर में रखा कूलर, पंखा, बेड, अलमारी सहित अन्य कीमती सामान जलकर नष्ट हो गया। घटना के समय घर में मौजूद परिजनों ने शोर मचाया, जिस पर आस-पास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने बाल्टी व अन्य संसाधनों की मदद से काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। हालांकि तब तक अधिकांश सामान जल चुका था। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई। घटना के बाद पीड़ित परिवार सदमे में है। ग्रामीणों ने प्रशासन से आर्थिक सहायता दिलाए जाने की मांग की है। इस संबंध में आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष राकेश कुमार चैरसिया ने बताया कि घटना की जानकारी नहीं है।

रंजिश में पिता पुत्र को पीटा, गंभीर

पट्टी। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के सराय नानकार गांव निवासी कृपाशंकर विश्वकर्मा बुधवार सुबह 11 बजे मैजिक से दीवाल पर रखने के लिए लोहे का टीनशैड ला रहा था। उसी दौरान पड़ोसियों ने खुन्नस में आकर गाली देते हुए लाठी डंडा लेकर हमलावर हो गए। हमले में कृपाशंकर घायल हो गये, पिता की पिटाई होते देख कृपा शंकर का बेटा श्यामू भी बीच बचाव करने आया उसे मारपीट कर घायल कर दिया। मारपीट के दौरान भगदड़ मच गई। आनन-फानन में दोनों को इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। कृपा शंकर का आरोप है कि उक्त लोगों द्वारा बिना किसी वजह के परिवार के लोगों को यह लोग कई बार मारपीट कर चुके हैं। देर शाम पीड़ित की तहरीर पर दिलीप पुर पुलिस ने सराय नानकार गांव निवासी प्रमोद, विनोद, राकेश के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

इंटर की परीक्षा देने आई किशोरी लापता, परिजनों में मचा हड़कंप

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के बिरौती गांव से इंटर की परीक्षा देने आई 17 वर्षीय किशोरी संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। घटना के बाद परिजनों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है कि किशोरी बुधवार सुबह परीक्षा देने के लिए पट्टी स्थित एक इंटर कॉलेज में पहुंची थी। परीक्षा समाप्त होने के बाद वह घर वापस नहीं लौटी। देर शाम तक जब वह घर नहीं पहुंची तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की, लेकिन उसका कहीं पता नहीं चला। पीड़ित पिता ने कोतवाली में गुमशुदगी की तहरीर देते हुए बताया कि उनकी पुत्री गांव के ही एक युवक के साथ परीक्षा देने आई थी। युवक तो वापस घर पहुंच गया, लेकिन उनकी बेटी घर नहीं लौटी। इस बात से परिजन और अधिक चिंतित हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और युवक से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस का कहना है कि किशोरी की तलाश के लिए संभावित स्थानों पर दबिश दी जा रही है और जल्द ही मामले का खुलासा किया जाएगा। परिजनों ने प्रशासन से शीघ्र कार्रवाई की मांग की

धोखाधड़ी से जमीन का करा लिया बैनामा, न्याय के लिए भटक रही पीड़िता

लालगंज। फजीर्वाडा करते हुए महिला की जमीन का बैनामा करा लेने को लेकर पीड़िता ने एसडीएम से न्याय की गुहार लगायी है। लालगंज कोतवाली के जैनपुर वार्ड की पीड़िता स्व0 राजाराम की पत्नी फूलकली ने एसडीएम को दिये गये शिकायती प्रार्थना पत्र में कहा है कि बीती छः अगस्त 2025 को उसके एक रिश्तेदार ने घर आकर उसकी जमीन में से 0.017 हे0 का बैनामा तय किया। इसके लिए पीड़िता के खाते में धनराशि भी भेज दी गयी। पीडित महिला का आरोप है कि उसके अनपढ़ होने का फायदा उठाते हुए रिश्तेदार ने 0.017 हेक्टेयर जमीन की जगह 0.079 हे0 जमीन का बैनामा करवा लिया। मामले को लेकर रजिस्ट्री कार्यालय के जिम्मेदारों पर भी सवाल उठ रहे हैं। पीड़िता ने वाद दायर कर एसडीएम से न्याय की गुहार की है। एसडीएम शैलेन्द्र वर्मा का कहना है कि मामला संज्ञान मे है जांच के आदेश दिये गये हैं। पीड़ित महिला को न्याय दिलाया जाएगा।

12 लीटर कच्ची शराब के साथ एक आरोपी को दबोचा

कुंडा। पुलिस ने अपराधों पर लगाम लगाने के अभियान के तहत एक बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को 12 लीटर देशी कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक दीपक भूकर के निर्देश पर की गई। थाना कुंडा के उपनिरीक्षक गोविंद सिंह चैहान और कांस्टेबल उमांशकर भारती ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाए रखने और संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग के दौरान ग्राम जुगराजगढ़ मजरा रैय्यापुर के पास से अमृतलाल निर्मल पुत्र स्वर्गीय छेदीलाल, निवासी ग्राम जुगराजगढ़ मजरे रैय्यापुर, थाना कुंडा को रंगे हाथों पकड़ा। बरामदगी के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

मारपीट धमकी को लेकर दर्ज हुआ केस

प्रतापगढ़। मारपीट व धमकी की घटना को लेकर आरोपी के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के खण्डवा गांव की ममता यादव पत्नी स्व0 गुड्डू यादव ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तेईस फरवरी की रात करीब आठ बजे शराब के नशे में उसके देवर अन्तेश यादव अपने पिता राम अंजोर यादव को मारने पीटने लगा। बचाव में पहुंची पीडिता को आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

युवती के अपहरण का केस

लालगंज। युवती के अपहरण को लेकर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के एक गांव की पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती बाइस फरवरी की शाम करीब पांच बजे उसकी बीस वर्षीया पुत्री अपने जीजा के साथ उसके घर गयी थी। आरोप है कि वहां शाम को वह शौच के लिए निकली तो घर नहीं लौटी। पीड़िता ने अमेठी जनपद के नरैनी अयोध्या सिंह का पुरवा निवासी रामलाल वर्मा पुत्र कल्लूराम वर्मा पर अपहरण की आशंका जताते हुए पुलिस को तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक आलोक कुमार का कहना है कि जांच के बाद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है।

बच्चों के विवाद में हुई मारपीट, केस दर्ज

प्रतापगढ़। मारपीट गालीगलौज व धमकी को लेकर पुलिस ने आरोपी महिला के खिलाफ केस दर्ज किया है। लालगंज कोतवाली के पूरे चोप सिंह रामपुर बावली गांव की कविता सरोज पत्नी बबलू सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती चैबीस फरवरी की शाम करीब चार बजे बच्चों के बीच हुए विवाद को लेकर उसकी जेठानी रेखा देवी पत्नी मुकेश सरोज गालीगलौज करने लगी। विरोध करने पर पीड़िता को मारापीटा व जानलेवा धमकी दी।

नौनिहालों की बेहतर शिक्षा को लेकर शुरू हुआ प्रशिक्षण कार्यक्रम

प्रतापगढ़। बीआरसी केंद्र लालगंज पर गुरूवार से ब्लाक स्तरीय दो दिवसीय वंडर बाक्स प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। बतौर मुख्य अतिथि खण्ड शिक्षा अधिकारी सुरेश कुमार सिंह ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर दीप प्रज्वलन व माल्यार्पण प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में नौनिहालों को खेल खेल में पढ़ाने को लेकर वंडर बाक्स के बारे में विस्तार से जानकारियां दी गयी। बतौर प्रशिक्षक एआरपी ऋषि द्विवेदी, विकास सिंह व शैलेष गुप्ता ने आंगनबाडी कार्यकत्रियों व शिक्षकों को वंडर बाक्स की विभिन्न विधाओं जैसे अक्षर ज्ञान, प्यासा कौन, पैग बोर्ड आदि के बारे में प्रशिक्षित किया। खण्ड शिक्षा अधिकारी ने नौनिहालों की शिक्षा की मजबूती पर जोर दिया। उन्होने कहा कि नौनिहालों की मजबूत नींव से ही उनका भविष्य उज्ज्वल हो सकेगा। इस मौके पर उमा तिवारी, कांती मिश्रा, धर्मा देवी, हरिश्चंद्र यादव, कुसुम मिश्रा, रेखा त्रिपाठी, मोहित कौशल आदि मौजूद रहे।

मांगों को लेकर बेसिक शिक्षकों ने धरने के बाद किया पैदल मार्च, सौंपा ज्ञापन

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। टीचर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के बैनर तले प्रांतीय नेतृत्व के आवाहन पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय के समक्ष शिक्षकों ने एक दिवसीय धरना देकर आवाज बुलंद किया। तत्पश्चात शिक्षकों ने पैदल मार्च कर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे जहां डीएम के माध्यम से ज्ञापन सौंपा। धरने की अध्यक्षता प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल ने किया इस अवसर पर पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष शाह आलम,पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री राजेश सरोज, प्राथमिक शिक्षक संघ के जिला मंत्री विनय सिंहप्रयागराज मंडल के मांडलिक मंत्री अनिल पांडे, प्राथमिक शिक्षक संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सत्य प्रकाश पांडेउपस्थित रहे। धरने का संचालन प्रभा शंकर पाण्डेय ने किया इस मौके पर प्रशिसं के अध्यक्ष रमाशंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षक आज अपने हक की लड़ाई लड़ रहा है जो हमारी सेवा शर्तें पूर्व में निर्धारित थी उस पर सरकार द्वारा गलत कानून के द्वारा कुठाराघात किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को 2011 के पहले नियुक्त शिक्षकों को टीईटी से मुक्त करना चाहिए इसके लिए हम संघर्ष करते रहेंगे। इस मौके पर मनोज पांडे, पंकज तिवारी, सुशील शुक्ला,अजीत कुमार, नवीन प्रताप सिंह, रामानंद मिश्रा, प्रभात मिश्रा, राकेश सिंह, निर्भय सिंह ,संतोष मिश्रा ,राजकरण, बृजेंद्र पांडे, शैलेश सिंह, धीरेंद्र सिंह, मोहम्मद शफीक ,विजय मिश्रा, सुधीर, उदय शंकर, ललित मिश्रा,विष्णु सिंह, राजमणि ,धर्मराज सिंह, बालेंद्र शुक्ला, धर्मेंद्र शुक्ला,राजकुमारी, प्रगति चैरसिया ,वंदना उपाध्याय, सुषमा, रेखा सिंह, प्राची पांडे, रजनी, विभा सिंह ,अरविंद कुमार ,वहीद, आशुतोष ,कृष्ण कुमार ,अनिल कुमार शुक्ला ,अनुराग, धर्मेंद्र, राजीव, सुशीला वर्मा ,निरुपमा आदि उपस्थित रहे।

बाघराय में अवैध संबंध के चलते पति की हत्या का सनसनीखेज खुलासा

4 आरोपी और एक बाल अपचारी गिरफ्तार, जेवरात व वाहन बरामद

अखंड भारत संदेश

कुंडा। बाघराय पुलिस ने गहन छानबीन और सर्विलांस टीम की मदद से एक हृदयविदारक हत्याकांड का खुलासा करने में सफलता पाई है। अवैध संबंधों के चलते पति की हत्या की खौफनाक साजिश रचने के आरोप में चार अभियुक्त और एक अभियुक्ता को गिरफ्तार किया गया है, जबकि एक बाल अपचारी को भी पुलिस हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने इस जघन्य अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहन और मृतक की पत्नी के अहम जेवरात भी बरामद किए हैं, जिससे पूरी वारदात की परतें खुलीं। बाघराय पुलिस ने गुरूवार को गंगा एक्सप्रेसवे के नीचे ग्राम गोगौरी के पास से सभी आरोपियों को दबोचा। गोगौर गाँव निवासी संगीता पत्नी शेषमणि ने बाघराय थाने में एक प्रार्थना पत्र दिया था। जिसमें बताया गया था कि उनके पति शेषमणि, जो ग्राम प्रधान पिंटू सिंह के यहाँ काम करते थे। 06 जनवरी को घर लौटते समय हाईवे स्थित छोटी पुलिया के पास अज्ञात हमलावरों द्वारा धारदार हथियार से गंभीर रूप से घायल कर दिए गए थे। शेषमणि को प्रयागराज के स्वरूपरानी अस्पताल ले जाया गया, जहाँ इलाज के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस की पूछताछ में अभियुक्त सचिन यादव ने पूरी वारदात का खुलासा किया। सचिन ने बताया कि मृतक शेषमणि की पत्नी संगीता के साथ उसके लंबे समय से अवैध संबंध थे। जब शेषमणि को इन संबंधों की भनक लगी तो वह संगीता को परेशान करने लगा। संगीता ने अपने पति को रास्ते से हटाने के लिए सचिन पर दबाव बनाना शुरू किया। यहाँ तक कि संगीता ने अपने जेवरात सचिन को सौंप दिए और कहा कि इन्हें बेचकर शेषमणि की हत्या करवा दे। सचिन ने फिर अपने तीन अन्य साथियों, नागेश कुमार यादव, तस्लीम और अभिषेक गौतम के साथ मिलकर शेषमणि की हत्या की सुपारी ली। मामले में सचिन यादव (पुत्र बृजेश यादव, निवासी गोगौर, थाना बाघराय, उम्र करीब 22 वर्ष), नागेश कुमार यादव (पुत्र अजय कुमार यादव, निवासी नेवाजी का पुरवा पुवांसी, थाना बाघराय, उम्र 21 वर्ष), तस्लीम (पुत्र मो0 मुस्लिम, निवासी पनाह नगर, थाना महेशगंज, उम्र करीब 19 वर्ष) और अभियुक्ता संगीता यादव (पत्नी शेषमणि यादव, निवासी गोगौर अहिरान, थाना बाघराय, उम्र करीब 30 वर्ष) को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही, एक बाल अपचारी को भी पुलिस अभिरक्षा में लिया गया है। खुलासे में थाना प्रभारी बाघराय श्रवण कुमार, उपनिरीक्षक प्रमोद कुमार यादव, महिला उपनिरीक्षक कीर्ति रमन, कांस्टेबल अनिल कुमार यादव, कांस्टेबल सचिन ठेनुआ, महिला कांस्टेबल संजू देवी और चालक हेड कांस्टेबल राजाराम सिंह के साथ सर्विलांस टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

उच्च प्राथमिक विद्यालय चिंतामणिपुर में छात्र को प्रिंसिपल ने पीटा

पट्टी। कोतवाली क्षेत्र के चिंतामणिपुर उच्च प्राथमिक विद्यालय में छात्रों के बीच गाली गलौज व विवाद में प्रिंसिपल पर एक छात्रा को कमरे में बंद करके पीटने का आरोप लगा है। पीड़ित छात्र आदित्य पुत्र सुरेश कुमार निवासी ग्राम ढिढुई ने आरोप लगाया है कि दोपहर एक बजे विद्यालय में छात्रों के साथ खेल रहा था। इस दौरान कुछ छात्र उससे बात विवाद करते हुए गाली गलौज करने लगे। विरोध पर उससे हाथापाई हो गई। जब मामले में उसने प्रिंसिपल से शिकायत की तो आरोप है की प्रिंसिपल ने उसको ही कमरे के अंदर बंद करके पीटना शुरू कर दिया। घायल छात्र को परिजन लेकर कोतवाली पहुंचे जहां पर पुलिस को शिकायती पत्र देकर कार्रवाई की मांग की है। शिकायत पर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

प्राचीन शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण का शुभारंभ हुआ

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। नगर पंचायत गड़वारा बाजार में स्थित प्राचीन शिव मंदिर और उससे सटे तालाब का कायाकल्प शुरू हो गया है। इसके लिए वंदन योजना के तहत शासन की ओर से एक करोड़ 31 लाख रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। गुरुवार को नगर पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन सिंह शोलू ने पूजन करके शुभारंभ किया। नगर पंचायत गड़वारा बाजार द्वारा क्षेत्रीय आस्था का केंद्र रहे इस प्राचीन शिव मंदिर के सौंदर्यीकरण का प्रस्ताव बनाकर शासन को भेजा था। जिसके अनुमोदन के बाद मंदिर परिसर में दो सुसज्जित हाल, तालाब की सीढ़ियों का निर्माण, प्रकाश व्यवस्था, रेन वाटर हार्वेस्टिंग और सजावटी पत्थरों से सुंदरीकरण किया जाएगा। गुरुवार को अध्यक्ष प्रतिनिधि सचिन सिंह शोलू ने पूजन करके शुभारंभ करते हुए कहा कि कार्य को गुणवत्ता के साथ समय से पूरा किया जाएगा। इस मौके पर लिपिक नितेश द्विवेदी, जेई अनिल जायसवाल, महेश सोनी, रिंकू तिवारी, मनीष सिंह, डब्बू सिंह, रोशन सिंह समेत कई सभासद मौजूद रहे।

सार्वजनिक नाली के विवाद में हुई मारपीट, केस दर्ज

लालगंज। सार्वजनिक नाली के विवाद में हुई मारपीट की घटना को लेकर पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी है। उदयपुर थानान्तर्गत सेमरा गांव की नीलम सरोज पत्नी महेश सरोज ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि बीती पचीस फरवरी को सुबह करीब साढ़े सात बजे गांव के ही कुछ लोगों ने सार्वजनिक नाली बंद किये जाने के विवाद मे उसे मारापीटा। बचाव में पहुंची पीड़िता की देवरानी पिंकी, मनीता व सावित्री को भी आरोपियों ने मारापीटा। प्रभारी निरीक्षक प्रदीप कुमार का कहना है कि तहरीर मिली है, जांच के बाद उचित कार्रवाई की जाएगी।

जमीनी विवाद में हमला आधा दर्जन घायल

पट्टी। जमीनी विवाद में गांव के कुछ लोगों ने एक युवक के घर में घुसकर आधा दर्जन लोगों को मारपीट कर घायल कर दिया। युवक ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

नांदी गांव निवासी संजय यादव पुत्र रामबली ने पट्टी कोतवाली में शिकायती पत्र देकर आरोपित किया है कि शुक्रवार की सुबह लगभग 8 बजे वह घर पर ही कुछ काम कर रहा था। तभी पडोस के आधा दर्जन से अधिक लोगों ने लाठी-डंडा व सरिया लेकर हमला कर दिया। गाली गलौज करने के साथ उक्त लोगों ने उसकी पिटाई करना चालू कर दिया। जब वह अपने बचाव के लिए घर में भागा तो उक्त लोगों ने बीच बचाव के लिए आए उसका पुत्र सागर, महक, खुशी व पत्नी मैना देवी को भी मारपीटकर घायल कर दिया। युवक गुरुवार की ही दोपहर लगभग 12 बजे अपने परिजनों के साथ पट्टी कोतवाली पहुंचा व आरोपियों के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

कृषि सखियों का प्रशिक्षण संपन्न, महिला सशक्तिकरण और जैविक खेती को बढ़ावा

कुंडा। कृषि विज्ञान केन्द्र कालाकांकर में कृषि विभाग द्वारा प्रायोजित 5 दिवसीय कृषि सखी प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण में कृषि विभाग द्वारा चयनित जनपद की 44 कृषि सखियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाना, रासायनिक खेती पर निर्भरता कम करना तथा जैविक एवं प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना था। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को फसल उत्पादन, पोषण प्रबंधन, कीट एवं रोग नियंत्रण तथा टिकाऊ कृषि पद्धतियों की विस्तृत जानकारी दी गई। केन्द्र के इंचार्ज एवं सस्य वैज्ञानिक डॉ. नवीन कुमार सिंह ने विभिन्न प्रमुख फसलों की उन्नत एवं वैज्ञानिक खेती की तकनीकों पर प्रकाश डाला। प्रसार वैज्ञानिक डॉ. अवधेश कुमार सिंह ने जैविक उत्पादों के माध्यम से अधिक लाभ अर्जित करने के व्यावहारिक उपाय बताए तथा विपणन के महत्व पर जोर दिया। उद्यान वैज्ञानिक महेन्द्र प्रताप सिंह ने फल एवं सब्जी उत्पादन की उन्नत विधियों की जानकारी दी। वहीं डॉ. यतेन्द्र कुमार ने स्वस्थ खेती के लिए स्वस्थ मृदा की आवश्यकता पर बल देते हुए जैविक खेती, जीवामृत, वर्मी कम्पोस्ट आदि के प्रयोग के संबंध में विस्तार से बताया।समापन अवसर पर कृषि सखियों शिवानी मौर्या, रेखा देवी, संजू देवी, कल्पना देवी, सुनीता देवी, जनक दुलारी, ज्योति कुमारी, साधना देवी, संगीता देवी सहित अन्य प्रतिभागियों की उपस्थिति रही। विशेषज्ञों ने सभी कृषि सखियों से अपने-अपने गांवों में जैविक एवं प्राकृतिक खेती के संदेश का प्रसार करने का आह्वान किया।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जनपद में महिला सशक्तिकरण एवं सतत कृषि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सिद्ध होगा।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने की विकास कार्यों एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा

कौशांबी। प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन,कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को मां शीतला अतिथि गृह,सयांरा में विकास कार्यों की प्रगति एवं कानून व्यवस्था की समीक्षा की।राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) ने जिलाधिकारी से कहा कि जनपद में ऐसा औद्यगिक क्षेत्र विकसित किया जाय,जिसमें खाद्य प्रसंस्करण की इकाइयॉ स्थापित किया जाय। प्रगतिशील किसानों, एफ.पी.ओ.व्यापारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक कर,उन्हें खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना के लिए सरकार द्वारा उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी देते हुए इकाइयों की स्थापना के लिए प्रोत्साहित किया जाय,इससे जनपद में अधिक से अधिक रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। उन्होंने अपर पुलिस अधीक्षक से कहा कि जनपद में सड़क दुर्घटना बाहुल्य स्थल को चिन्हित कर,इसकी रोकथाम के लिए सभी आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करा लिया जाय,ताकि दुर्घटनाओं को रोका जा सकें।अवैध कट को बंद करा दिया जाय।उन्होंने नई सड़कों का निर्माण चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता लो.नि.वि.से कहा कि प्राथमिकता के आधार पर सड़कों का निर्माण चौड़ीकरण किया जाय तथा जनप्रतिनिधियों से भी प्रस्ताव प्राप्त किया जाय।उन्होंने कहा कि जनपद में हाईटेक नसरी विकसित करने के लिए भूमि चिन्हित कर लिया जाय।राज्यमंत्री ने जल-जीवन मिशन के कार्यो की प्रगति की समीक्षा के दौरान अधिशासी अभियंता,जल निगम से कहा कि जिन परियोजनाओं का कार्य अन्तिम चरण में है,प्राथमिकता पर उन परियोजनाओं को पूर्ण कराया जाय। इसके साथ ही उन्होंने पाइप-लाइन बिछाने के दौरान तोड़ी गई सड़कों को मानक के अनुरूप शीघ्र ठीक कराने के भी निर्देश दिए। उन्होंने राजस्व वादों के निस्तारण के प्रगति की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि समयबद्ध तरीके से राजस्व वादों का निस्तारण सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने निराश्रित गोवंशों की समीक्षा के दौरान मुख्य पशु चिकित्साधिकारी से कहा कि आवारा घूम रहें गोवंशों को पकड़वाकर गौशालाओं में संरक्षित किया जाय। इसके साथ ही उन्होंने गौशालाओ के लिए चिन्हित चारागाहों में चारे की बुआई की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि आमजन को भी नैपियर घास की बुआई के लिए जागरूक किया जाय एवं गौशालाओं के लिए उनसे चारे की क्रय की कार्यवाही किया जाय। उन्होंने पशु टीकाकरण की समीक्षा के दौरान कहा कि विगत वर्ष किन-किन बीमारियों के कारण पशुओं की मृत्यु हुई है तथा इसकी रोकथाम के लिए क्या कार्यवाही की जा रहीं है किया जाना आवश्यक है,आख्या उपलब्ध कराई जाय। राज्यमंत्री ने मध्यान्ह भोजन योजना की समीक्षा के दौरान जिला बेसिक शिक्षाधिकारी से इस योजना के क्रियान्वयन की मॉनीटरिंग सिस्टम की जानकारी प्राप्त करते हुए कहा कि बेहतर कायर्योजना सिस्टम बनाकर इसकी मॉनीटरिंग किया जाय,ताकि कोई शिकायत प्राप्त न होने पाए। उन्होंने पी.एम. कुसुम योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि सिंचाई क्षेत्र की आवश्यकता को दृष्टिगत रखकर लाभार्थियों का चयन किया जाय एवं पात्र लोगों को ही लाभान्वित किया जाय। उन्होंने कहा कि भविष्य में सिंचाई के लिए आवश्यक पानी का आंकलन करते हुए पम्प कैनाल की क्षमतावृद्धि की कार्यवाही किया जाय, ताकि किसानां को सिंचाई के लिए नहरां के माध्यम से पर्याप्त पानी उपलब्ध हो सकें। उन्होंने कहा कि भूगर्भ जल रिचार्ज पर विशेष ध्यान देते हुए कायर्योजना बनाई जाय, ताकि विकास खण्ड मूरतगंज एवं चायल डॉर्क जोन से बाहर आ सकें।उन्होंने खाद की उपलब्धता की समीक्षा के दौरान कहा कि विगत वर्षों में क्षेत्रवार खाद की खपत का आंकलन करा लिया जाय तथा भविष्य में उसी के अनुरूप उपलब्धता सुनिश्चित किया जाय। उन्होंने कन्या सुमंगला योजना की समीक्षा के दौरान कहा कि इस योजना का और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाय,ताकि अधिक से अधिक पात्र लोग लाभान्वित हों सकें।राज्यमंत्री ने विद्युत विभाग की समीक्षा के दौरान विद्युत बिल सुधार से सम्बन्धित अधिक शिकायतें पाए जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए अधीक्षण अभियंता से कहा कि इस पर विशेष ध्यान दिया जाय। निर्धारित समयावधि तक विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित किया जाय तथा निर्धारित समय में खराब ट्रान्सफार्मर को बदल दिया जाय। उन्होंने कहा कि पेंशन योजना से छूटे हुए सभी पात्र लोगों को लाभान्वित किया जाय। उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी से कहा कि अस्पतालां में आवश्यक दवाओं की उपलब्धता बनाएं रखी जाय। आयुष्मान भारत योजना के अन्तर्गत आयुष्मान कार्ड बनाएं जाने में तेजी से प्रगति लाई जाय। उन्होंने स्वयं सहायता समूह की समीक्षा के दौरान कहा कि ऐसे स्वयं सहायता समूह जिनके द्वारा अपने उद्यम/व्यवसाय में निरन्तर वृद्धि की जा रहीं है, इसकी विस्तृत आख्या उपलब्ध कराई जाय।

जनपद में हाईटेक नसरी विकसित किए जाने के लिए भूमि चिन्हित करने के दिए निर्देश

दबंगों के कब्जे से खाली करायी गयी जमीन निर्मित मकान में भी बंजर भूमि का कब्जा

कब्जा करने वाले दबंगों से लेखपाल ने कहा निर्मित मकान में बंजर भूमि को खाली करें

कोखराज कौशाम्बी। कोखराज थाना क्षेत्र के चायल तहसील क्षेत्र में ग्राम मकदूम पुर काजी में ग्राम सभा बंजर भूमि गाटा संख्या 387 में ग्राम सभा के दबंग भूमाफिया के द्वारा कब्जा करने के प्रयास किया जा रहा था जिस पर उपजिलाधिकारी चायल को शिकायत कर्ता शारदा प्रशाद गुप्ता ने अवगत कराया कि भूमाफियाओं के द्वारा जमीन पर कब्जा किया जा रहा है और जमीन पर दबंगो के द्वारा ईंट,बालू आदि सामग्री गिरायी जा चुकी हैं जिस पर उपजिलाधिकारी चायल ने मौके पर राजस्व टीम के साथ पहुँच कर नाप जोख कर जमीन पर रखे अवैध निर्माण सामग्री को जेसीबी मशीन से खाली कराया और कड़ी हिदायत देते हुए कहा कि यदि तनिक भी निर्माण का प्रयास किया तो मुकदमा दर्ज कर कार्यवाही की जाएगी मौके पर शिकायत कर्ता शारदा प्रशाद गुप्ता ने अधिकारियों से गुहार भी लगाई की भूमाफियाओं से जानमाल की रक्षा की जाय और दबंगों के खिलाफ कार्यवाही हो मौके पर राजस्व टीम तहसीलदार,व कानून गो,सरफराज आलम,लेखपाल संघ तहसील अध्यक्ष ज्ञान पाल,लेखपाल पवन राय, लेखपाल सतीश,व ग्रामीणों की मौजूदगी में खाली कराया गया जबकि निर्माणाधीन माकान में बंजर जमीन के कब्जे को खाली कराने के लिए कहा गया हैं।

राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार ने लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड, कृषि यंत्र व बीज किट किया प्रदान

कौशांबी प्रदेश के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उद्यान, कृषि विपणन,कृषि विदेश व्यापार एवं कृषि निर्यात दिनेश प्रताप सिंह ने गुरुवार को मां शीतला अतिथि गृह,सयांरा में आयुष्मान भारत योजना के लाभार्थियों प्रहलाद नारायण, परान, जग्गू सिंह, सोनेलाल, गोकुल प्रसाद मौर्य, रामजस, रजिया, चन्द्रा देवी, सुशीला देवी व रूक्मिनी देवी को आयुष्मान कार्ड प्रदान किया। इसके साथ ही उन्होने मुख्यमंत्री राज्य औद्यानिक विकास मिशन के लाभार्थियों को बीज किट एवं विभिन्न पारिस्थितकीय कृषि यंत्र (प्रेयर मशीन) लाभार्थियों-कुंवर बहादुर सिंह,घनश्याम सिंह व पुरूषोत्तम प्रसाद को प्रदान किया। उन्होंने उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।इस अवसर पर विधायक चायल पूजा पाल, भाजपा जिलाध्यक्ष धर्मराज मौर्य,पूर्व विधायक शीतला प्रसाद उर्फ पप्पू पटेल, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद मंझनपुर वीरेन्द्र फौजी व भरवारी कविता पासी, शिवमोहन मौर्य सहित अन्य जनप्रतिनिधि गण, जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल, सीडीओ विनोद राम त्रिपाठी, अपर जिलाधिकारी ओम प्रकाश एवं अपर पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार सिंह सहित अन्य सम्बन्धित अधिकारी गण उपस्थित रहे।

सड़क दुर्घटना में फौजी की मौत परिजनों में मचा कोहराम

अखंड भारत संदेश

बाइक सवार साथी गंभीर घायल

अझुवा कौशाम्बी। सैनी कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी फौजी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई है। और फौजी का साथी गंभीर घायल हो गया है पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया हैघटनाक्रम के मुताबिक बृजेश कुमार उम्र 30 वर्ष पुत्र स्व रामप्रसाद निवासी ग्राम सभा केन अपने पड़ोसी शिवराज पाल बुधराम के साथ बाइक से बेलांवा निवासी मामा के पुत्र की शादी में सम्मिलित होने सैनी कोतवाली के सौरई गांव गए थे कार्यक्रम के उपरांत बाइक से घर लौट रहे थे ।ग्राम सभा मधवामई के पास सड़क पर अज्ञात वाहन टक्कर मार कर फरार हो गया ,टक्कर से बाइक सवार दोनो लोग गंभीर घायल हो गए सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल भेज दिया जहां गंभीर स्थिति देख डॉक्टरों ने दोनो घायलों को स्वरूप रानी अस्पताल प्रयागराज के लिए रिफर कर दिया साथ रहे परिजनों ने किसी प्राइवेट अस्पताल में भती कराया जहां उपचार के दौरान फौजी बृजेश कुमार की मौत हो गई वहीं दूसरे घायल शिवराज पाल की नाजुक स्थिति बनी हुई है।बृजेश कुमार फौजी राजस्थान के जैसलमेर में तैनात थे ।अपने मामा के पुत्र की शादी में शामिल होने 22 फरवरी को घर केन आए थे,बृजेश के भाई विजय प्रताप आमी में ही पदस्थ हैं ।इस दुर्घटना से केन गांव में मातम पसरा हुआ है।बृजेश फौजी की शादी हो गई थी एक 6 माह का मासूम पिता की छाया से मरहूम हो गया,दिवंगत फौजी की पत्नी रक्षा देवी और माता लालती देवी का रो रोकर बुरा हाल है।

गांजा माफिया को अदालत से सजा होते ही भांग ठेकेदार की पत्नी ने वीडियो बनाकर खड़े कर दिए तमाम सवाल

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। गांजा की सप्लाई करते हुए 7 साल पहले विकास केसरवानी के पकड़े जाने के मामले में मुकदमे की सुनवाई के दौरान विकास केसरवानी को अदालत ने गांजा की सप्लाई कर दोषी पाया और 26 फरवरी को 5 वर्ष के कठोर करवा की सजा सुनाई गांजा माफिया के दोषी साबित होते ही एक महिला ने भांग की दुकान का वीडियो बनाना शुरू कर दिया और सेल्समैन से पूछा की दुकान का संचालक कौन करता है यह दुकान तो उसके पति के नाम संचालित होती है महिला के पूछने के बाद भांग दुकान के सेल्समैन ने बताया कि दुकान का संचालन विकास केसरवानी करता है और वह इस दुकान में बीते एक महीने से नौकरी कर रहा है महिला ने दुकान के सेल्समैन से पूछा कि इस दुकान में भाग के अलावा गांजा बिकता है तो सेल्समैन ने बताया कि हां यहां गांजा बिकता है इस बात का वीडियो भी सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है अब सवाल उठता है कि महिला के पति के नाम की भांग की दुकान के संचालन में विकास केसरवानी कर रहा है और जिसको अदालत ने गांजा की सप्लाई का गुनहगार माना है तो फिर महिला के पति की दुकान विकास केसरवानी के पास कैसे पहुंची थी कहीं विकास केसरवानी के साथ महिला का पति भी तो गांजा बेचने के मामले में शामिल नहीं है महिला का कहना है कि उसके पति को फजी तरीके से जेल भिजवा दिया गया है महिला के वीडियो बनाए जाने के बाद यह सवाल खड़े हो गए हैं कि महिला के पति द्वारा विकास को दुकान देकर के भांग की आड़ में गांजा बिकवाया जाता था विकास को दोषी साबित कर अदालत में गांजा माफिया साबित कर दिया है यदि विकास और महिला के पति दोनों की दोस्ती नहीं थी दुकान के संचालन में पर्दे की ओट से दोनों नहीं लगे थे तो महिला के पति के नाम की दुकान विकास के पास कैसे पहुंची और महीना बीत जाने के बाद भी महिला के पति ने दुकान संचालक का विरोध नहीं किया दुकान संचालन करने वाले विकास के अदालत से गांजा सप्लाई में दोषी साबित होने के बाद महिला ने आबकारी निरीक्षक पर ही उल्टे सीधे आरोप लगाने शुरू कर दिए हैं कहीं साजिश के तहत तो वीडियो बना करके महिला ने वायरल नहीं किया है यह जांच का विषय है महिला के वीडियो बनाए जाने के बाद विशेष तौर से महिला के पति के नाम पर आवंटित दुकान की जांच कराए जाने की जरूरत है जिससे महिला और उसके पति की करतूत भी उजागर हो सके।

ऑनलाइन संवाद' के जरिए एसपी ने सुनीं फरियादियों की समस्याएं

कौशांबी। जिले में फरियादियों की समस्याओं के त्वरित, प्रभावी एवं पारदशी निस्तारण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार द्वारा एक अभिनव एवं सराहनीय पहल की जा रही है। इसी क्रम में जनपद के विभिन्न थानों पर उपस्थित फरियादियों की शिकायतों एवं समस्याओं के संबंध में पुलिस अधीक्षक द्वारा संबंधित क्षेत्राधिकारी एवं प्रभारी निरीक्षक थानाध्यक्षों से ऑनलाइन माध्यम से संवाद स्थापित किया गया है। इस ऑनलाइन संवाद के दौरान फरियादियों की समस्याओं को गंभीरता एवं संवेदनशीलता के साथ सुना गया है तथा प्रत्येक प्रकरण का वस्तुनिष्ठ मूल्यांकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को समयबद्ध,निष्पक्ष एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा यह भी सुनिश्चित किया गया है कि प्रत्येक शिकायत का निस्तारण नियमानुसार एवं पारदशी प्रक्रिया के तहत हो,ताकि फरियादियों को अनावश्यक रूप से बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें तथा उन्हें समय पर न्याय मिल सके। तकनीक के इस प्रयोग से न केवल पुलिसिंग में पारदर्शिता आई है, बल्कि आम जनमानस का पुलिस प्रशासन के प्रति विश्वास भी सुदृढ़ हो रहा है।

एसपी के निर्देश में हुआ विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन एरिया डोमिनेशन पैदल गश्त एवं फ्लैग मार्च

कौशांबी। आगामी त्यौहार होली एवं रमजान के दृष्टिगत पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार के कुशल निर्देशन में जनपद कौशाम्बी के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सघन एरिया डोमिनेशन,पैदल गश्त एवं फ्लैग मार्च किया गया।थाना करारी प्रभारी निरीक्षक द्वारा ग्राम सभा सालेपुर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त एरिया डोमिनेशन किया गया। गोकशी से संबंधित अपराधियों एवं हिस्ट्रीशीटरों का सत्यापन किया गया। तत्पश्चात ग्राम बरई बंधवा में पुलिस बल के साथ एरिया डोमिनेशन कर गांव में निवासरत अपराधियों हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक निरीक्षण किया गया तथा आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत कड़ी चेतावनी दी गई।थाना कड़ाधाम थाना प्रभारी ने मय पुलिस बल एवं सीआरपी अधर्सैनिक बल के साथ ग्राम गिरधरपुर गढ़ी, ताजमल्लाहन, सौरई बुजुर्ग, नौडिया, घड़ियालीपुर आदि गांवों में पैदल गश्त फ्लैग मार्च किया गया। स्थानीय नागरिकों से संवाद स्थापित कर होली व रमजान पर्व सौहादर्पूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की गई तथा त्यौहार में खलल डालने वालों के विरुद्ध कठोर कार्यवाही की चेतावनी दी गई। थाना सैनी पुलिस वा आरएएफ पुलिस द्वारा ग्राम कुरामुरीदन, कस्बा सिराथू एवं कस्बा अजुहा में एरिया डोमिनेशन किया गया। क्षेत्र में निवासरत अपराधियों/हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक निरीक्षण कर उन्हें आगामी त्यौहारों के दृष्टिगत शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सख्त हिदायत दी गई।थाना चरवा प्रभारी निरीक्षक द्वारा ग्राम सभा सालेपुर में पुलिस बल के साथ पैदल गश्त/एरिया डोमिनेशन किया गया। गोकशी से संबंधित अपराधियों एवं हिस्ट्रीशीटरों का भौतिक निरीक्षण करते हुए क्षेत्र में सघन चेकिंग की गई।जनपद पुलिस द्वारा स्पष्ट किया गया कि कानून-व्यवस्था भंग करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। जनसामान्य से अपील है कि त्यौहारों को शांतिपूर्ण एवं सौहादर्पूर्ण वातावरण में मनाएं तथा किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112 पर सूचना दें।

सरकारी जमीन पर कब्जा कर खेती रहा है वन विभाग का दरोगा

कौशाम्बी सिराथू तहसील के ग्राम चक खोदायगंज में मन्दिर परिसर के आस पास सरकारी जमीनों पर रायबरेली निवासी वन विभाग का दारोगा अवैध कब्जा कर रहा है सरकारी जमीन कब्जा करने के बाद वन विभाग का दरोगा बड़े पैमाने पर सरसों चना मटर जौ आदि की खेती कर रहा है मन्दिर के रख रखाव करने वाले पर अपनी धौंस दिखा रहा है आख़िर किसके दम पर सरकारी जमीनों पर खेती हो रही है बन दरोगा फ़सल को बेच चोरी का इल्ज़ाम पर लगा रहा है पुजारी डरा सहमा है सवाल आखिर गैर जनपद निवासी वन विभाग कमी किसके दम पर सरकारी जमीनों पर कब्जा कर लिया है यह एक गम्भीर मुद्दा हैं ग्रामीणों ने तत्काल जांच की गुहार लगाई हैं। तहसील प्रशासन की उदासीनतासे सरकारी जमीनों पर अवैध कब्जा कर अपना साम्राज्य चल रहा है ग्रामीणों ने बताया कि यहां अवैध रूप से गांजा की बिक्री भी की जाती हैं। नशेडियों का जमावड़ा लगा रहता हैं।जमीन से अवैध कब्जा हटाकर कायर्वाही किए जाने की मांग ग्रामीणों ने प्रशासन से की है।

खुले में तैर रहे विवाहिता की हत्या के साक्ष्य, थाना पुलिस बन रही अनजान

अखंड भारत संदेश

महीना पहले विवाहिता की मौत के मामले में अधिकारियों की चौखट में न्याय पाने के लिए दौड़ रहा है पिता

आखिर कैसे पहुंची थी घटना की रात यमुना नदी के किनारे पलटने वाली क्रिया सोनेट गाड़ी

कौशांबी। महेवाघाट थाना क्षेत्र के अलवारा गांव में 21 जनवरी 2026 की भीषण ठंड की रात में विवाहिता अंकिता तिवारी की रहस्यमई मौत के बाद ससुराल के लोगों ने विवाहिता के गायब होने की सूचना थाना पुलिस को दे दी थाना पुलिस ने विवाहिता के गायब होने की गुमशुदगी थाने के अभिलेखों में दर्ज कर लिया लेकिन विवाहिता के गायब होने के मामले में उसके ससुराल के लोगों से तमाम ऐसे अहम साक्ष्य छूट गए हैं जो विवाहिता की हत्या कर लाश को ठिकाने लगाए जाने की गवाही दे रहे हैं विवाहिता की हत्या कर लाश को ठिकाने लगाए जाने की खुले आम गवाही देने के बाद भी थाना पुलिस अनजान बन रही है या फिर विवाहिता को मौत देने वालों से थाना पुलिस के गहरे संबंध हो गए हैं विवाहिता को मौत देने वाले परिवार के लोगों का पहले से आपराधिक इतिहास है पूर्व विधायक पर भी हमला करने में इस परिवार के लोगों पर मुकदमा दर्ज हुआ है कानपुर का बहुचर्चित बिकारू हत्याकांड में भी इस परिवार के लोगों का नाम प्रकाश में आया है इलाके के हिस्ट्रीसीटर से इस परिवार के मधुर संबंधों की भी खुलेआम चर्चा होती है। रहस्यमय तरीके से विवाहिता के गायब करने की अफवाह फैलाने को महीना बीत जाने के बाद अभी तक विवाहिता को जिंदा या मुर्दा बरामद कर मौत के गुनहगारों को गिरफ्तार कर थाना पुलिस ने जेल नहीं भेजा है बल्कि विवाहिता की मौत के गुनहगारों के बचाव में थाना पुलिस खड़ी दिखाई पड़ती है और न्याय के लिए दौड़ रहे विवाहिता के पिता को थाना से दुत्कार के अलावा कुछ नहीं मिल रहा है पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद घटना के एक महीने बाद 20 फरवरी को थाना पुलिस ने मुकदमा अपराध संख्या 0031 सन 2026 विवाहिता के पति सहित 6 लोगों के विरुद्ध महेवा घाट थाने में पंजीकृत कर लिया है विवाहिता की हत्या का मुकदमा थाना पुलिस ने दर्ज कर लिया है लेकिन विवेचना के नाम पर विवाहिता की मौत के गुनहगारों को बचाने का प्रयास लगातार थाना पुलिस द्वारा किया जा रहा है जिससे पुलिस की विवेचना पर सवाल खड़े हैं। विवाहिता की हत्या से संबंधित साक्ष्य खुले में तैर रहे हैं पहला साक्ष्य यह है कि जिस कमरे में विवाहिता रहती थी कुछ दिन पहले उस कमरे की कुंडी पति ने तोड़ दिया था जिससे विवाहिता के कमरे का दरवाजा हमेशा खुला रहता था चित्रकूट के छीबो की एक युवती से पति का प्रेम प्रसंग था जिसका विवाहिता विरोध करती थी जिससे विवाद होता था और जिंदगी से हटाने के लिए योजनाएं बनाई जाती थी तीसरा अहम साक्ष्य यह है कि ठंड की रात में विवाहिता को ले जाते वक्त उसका ऊनी साल घर के दरवाजे पर छूट गया था ठंड में जाने वाली महिला ऊनी साल छोड़कर नहीं जाएगी विवाहिता की हत्या से संबंधित चौथा अहम साक्ष्य यह है कि घटना की रात 21 जनवरी को विवाहिता के सास के नाम पंजीकृत क्रिया सोनेट गाड़ी राजापुर थाना क्षेत्र के रुदौली गांव के पास रुदौल देवी माता के स्थान पर भोर 4 बजे पलट गई थी ससुराल की इस गाड़ी के चारों पहिए ऊपर हो गए थे ससुराल की इस गाड़ी को सीधा करने के लिए रुदौली गांव के तमाम लोगों को बुलाया गया था इस बात की चर्चा गांव के लोग भी कर रहे हैं आखिर विवाहिता के गायब होने की रात ससुराल के लोग रुदौली गांव रुदौल माता के देवस्थान के पास यमुना नदी के किनारे क्या लेने गए थे जानकारों की माने तो विवाहिता की हत्या कर नदी में लाश ठिकाने लगाने के लिए घर की चार पहिया गाड़ी का प्रयोग किया गया है जो यमुना नदी के किनारे गांव रुदौली के पास गाड़ी पलट गई थी इसके अलावा भी तमाम साक्ष्य खुले में तैर रहे हैं लेकिन इन तमाम अहम बिंदुओं पर विवेचना करके विवाहिता की मौत के गुनहगारों को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा करने का प्रयास थाना पुलिस नहीं कर रही है जिससे थाना पुलिस की भूमिका पर भी बड़े सवाल खड़े हैं।

न्यूज झरोखा

बाइक सवारों को कार ने मारी टक्कर दो गंभीर घायल

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के पहलवान बाबा मीरन के पास 25 फरवरी की शाम बाइक सवार दो लोगों को तेज रफ्तार कार चालक ने जोरदार टक्कर मार दी है जिससे बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े हैं और गंभीर घायल हो गए हैं दुर्घटना देखकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे दुर्घटना की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई है सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भती कराया है जहां दोनों की गंभीर चोट का इलाज चल रहा है बाइक सवार दोनों लोगों की दुर्घटना में हड्डियां टूट गई है सिर फट गए हैं। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के बालीपुर टाटा गांव निवासी धर्मेंद्र त्रिपाठी अपने साथी अभिषेक मिश्रा पुत्र दिनेश कुमार मिश्रा निवासी नटका के साथ 25 फरवरी की शाम को चरवा बाजार से बाइक से वापस घर लौट रहे थे जैसे ही बाइक सवार दोनों पहलवान बाबा मीरन के पास पहुंचे सफेद रंग की तेज रफ्तार कार नंबर यूपी 70 सीएन 3213 ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी जिससे बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिर पड़े और गंभीर घायल हो गए हैं हो हल्ला सुनकर आसपास के लोग भाग कर मौके पर पहुंचे मामले की सूचना थाना पुलिस और एंबुलेंस को दी गई घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भती कराया गया है जहां दोनों घायलों का इलाज चल रहा है।

व्यापारियों के साथ अधिशाषी अधिकारी की बैठक, व्यापारियों ने रखी मांगे

अझुवा कौशाम्बी। आदर्श नगर पंचायत अझुवा कार्यालय में अधिशाषी अधिकारी रश्मि सिंह की अध्यक्षता में व्यापारियों के साथ एक बैठक का आयोजन हुआ है जहां व्यापारियों ने अपनी मांगे रखी है ।व्यापारियों ने नवीन मंडी समिति के पास टांडा मार्ग के जलनिकासी की समुचित व्यवस्था,वार्ड नंबर 3 शांतिनगर मे स्थित पुरानी पानी टंकी के साथ एक नई पानी टंकी बनवाए जाने की मांग की है ,नगर पंचायत का प्रशासनिक भवन बनवाया जाय।व्यापारियों ने एक राय होकर टांडा मार्ग का कट और किराना गली कट को जिसे एनएचआई द्वारा कई माह पहले बंद करवा दिया गया उसे खुलवाने की अपील की है। अधिशाषी अधिकारी रश्मि सिंह ने बताया व्यापारियों की मांगों को संबंधित जिम्मेदार विभागो को पहुंचाया जाएगा।इस दौरान नगर अध्यक्ष शांती देवी कुशवाहा,प्रतिनिधि ओमप्रकाश कुशवाहा,व्यापार मंडल अझुवा दोनो अध्यक्ष रमेश चंद्र अग्रहरी,दिनेश केसरवानी,राकेश केसरवानी,चुन्नू भैया सहित तमाम गणमान्य व्यापारी मौजूद रहे।

रैपिड एक्शन फोर्स के साथ सैनी कोतवाली पुलिस ने किया अझुवा कस्बे में पैदल मार्च

अझुवा कौशाम्बी। आगामी पर्व होली व रमजान माह के दृष्टिगत जनपद में कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने हेतु सैनी कोतवाली पुलिस अझुवा चौकी पुलिस द्वारा आरएएफ फोर्स के साथ आदर्श नगर पंचायत अझुवा कस्बा में एरिया डोमिनेशन फुट मार्च किया गया।इस दौरान पुलिस बल द्वारा प्रमुख चौराहों,भोला चौराहा,टेंड्री मोड,मस्जिद गली,नगर पंचायत के विभिन्न गलियों,वार्ड नंबर 2 अंबेडकर नगर सब्जी मंडी,किराना गली मार्ग ,बाजार एवं संवेदनशील स्थलों पर पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया गया। स्थानीय नागरिकों एवं व्यापारियों से संवाद स्थापित कर त्योहारों को आपसी भाईचारे,शांति एवं सौहार्द के साथ मनाने की अपील की गई पुलिस द्वारा आमजन से अनुरोध किया गया कि किसी भी प्रकार की अफवाह पर ध्यान न दें तथा सोशल मीडिया पर भ्रामक/आपत्तिजनक पोस्ट साझा न करें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल स्थानीय पुलिस को दें ।जनपद पुलिस द्वारा त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु निरंतर गश्त एवं एरिया डोमिनेशन की कार्यवाही जारी रहेगी।चौकी इंचार्ज अनुराग सिंह ने कहा कोई भी किसी भी प्रकार अनैतिक कार्यों में लिप्त पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कारवाई की जाएगी । इस दौरान सैनी कोतवाली पुलिस उप निरीक्षक अजय यादव आरएएफ उपनिरीक्षक लेखपाल सिंह सहित तमाम पुलिस बल मौजूद रहा।

ईवीएम एवं वीवी पैट वेयर हाउस का डीएम ने किया मासिक निरीक्षण

कौशांबी। भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिलाधिकारी डॉ.अमित पाल ने गुरुवार की सुबह ई.वी.एम.एवं वी.वी.पैट वेयर हाउस का मासिक निरीक्षण किया जिलाधिकारी ने निरीक्षण के दौरान सुरक्षा से संबंधित आवश्यक जानकारी प्राप्त करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने सी.सी.टी.वी.कक्ष का निरीक्षण एवं लॉगबुक का अवलोकन किया।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी शालिनी प्रभाकर सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

गांजा के साथ गिरफ्तार अभियुक्त 05 वर्ष कठोर कारावास तथा 10 हजार रुपए के अर्थ दण्ड से दण्डित

कौशांबी कड़ाधाम थाना पुलिस ने 7 वर्ष पहले चेकिंग के दौरान लेहदरी पुल पर अभियुक्त विकास वर्फ सर्वेश केशरवानी को 08 किलोग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया था । गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 97/19 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट पंजीकृत हुआ जिसमें विवेचना के उपरान्त आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल हुआ।जिससे सम्बन्धित अभियुक्त विकास उर्फ सर्वेश केशरवानी निवासी वार्ड नं0 08 सिराथू थाना सैनी को दिनांक 26.02.2026 को न्यायालय एएसजे-3 विशेष न्यायाधीश एनडीपीएस एक्ट जनपद कौशाम्बी द्वारा अभियुक्त को 05 वर्ष कठोर कारावास तथा 10,000 /-रू0 के अर्थ दण्ड से दण्डित किया गया।

विद्यालय गए कृष्ण बाबू वर्मा रहस्यमय परिस्थितियों में हुए गायब

कौशांबी सराय अकिल थाना क्षेत्र के धरमपुर कनैली गांव निवासी कृष्ण बाबू वर्मा उम्र लगभग 50 वर्ष पुत्र राजा राम वर्मा 25 फरवरी की सुबह 10:00 बजे विद्यालय गए थे और विद्यालय से वह वापस नही लौटे हैं कृष्णा बाबू वर्मा गायब हो गए हैं जिससे परिवार के लोग परेशान हो गए हैं कृष्णा बाबू वर्मा के गायब होने के बाद परिवार के लोगों ने उनकी काफी खोजबीन की लेकिन उनका कही पता नहीं चला है मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई है।

जिला पंचायत की बैठक 27 फरवरी को

कौशांबी। अध्यक्ष, जिला पंचायत कल्पना सोनकर की अध्यक्षता में दिनांक 27 फरवरी, 2026 को पूर्वान्ह 11:30 बजे रत्नावली सभागार, मंझनपुर में जिला पंचायत की बैठक आहूत की गई है। यह जानकारी अपर मुख्य अधिकारी ने देते हुए समस्त मा. जनप्रतिनिधियों एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों से बैठक में समय से प्रतिभाग करने का आग्रह किया है।

सम्पादकीय

व्यापार समझौते में सरकार की उलझन

किसी भी चीज को अपने लिए फायदेमंद बताने का हुनर कोई मोदी सरकार से सीखे। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल खरीदने के जुमार्ने के तौर पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया तो इसे हुजूर का अहसान बताते हुए देश के लिए फायदेमंद बताया गया। इसके बाद फरवरी के शुरू में व्यापार समझौता हुआ और 18 प्रतिशत टैरिफ तक बात पक्की हुई तो इसे इतना बड़ा मास्टर स्ट्रोक बताया गया कि मोदीजी को सांगोपांग मालाओं से लाद दिया गया। अब अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने टैरिफ लगाने के फैसले को रद्द किया है तो इसे फिर से भारत के हित में बताया जा रहा है। समझ ही नहीं आ रहा है कि सरकार की नजर में फायदे की परिभाषा क्या है। गौरतलब है कि बीते दिनों अमेरिकी सुप्रीम कोर्ट ने ट्रंप द्वारा इंटरनेशनल इमरजेंसी इकोनॉमिक पावर्स एक्ट के तहत लगाए गए बड़े पैमाने के टैरिफ को अवैध करार दिया। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को 6-3 के बहुमत से फैसला सुनाया कि ट्रंप ने आपातकालीन शक्तियों का दुरुपयोग कर टैरिफ नहीं लगा सकते, क्योंकि इसके लिए कांग्रेस की मंजूरी जरूरी है। हालांकि ट्रंप की हनक अब भी कम नहीं हुई, फैसले के तुरंत बाद ट्रंप प्रशासन ने 1974 के ट्रेड एक्ट की धारा 122 के तहत अस्थायी टैरिफ लगाए, पहले 10प्रतिशत और फिर इसे बढ़ाकर 15प्रतिशत कर दिया। भारत के लिए यह दर फिलहाल 10प्रतिशत तय की गई है, जो पहले घोषित 18प्रतिशत से कम है। ट्रंप ने शुक्रवार को ही बयान दिया कि 'भारत के साथ समझौते में कोई बदलाव नहीं है। भारत टैरिफ चुकाएगा और अमेरिका नहीं।' उन्होंने इसे 'उलटा' करार दिया, जिसमें पहले भारत अमेरिका को 'लूट' रहा था, लेकिन अब स्थिति बदल गई है। इस बदली स्थिति के बाद अब भारत और अमेरिका के बीच प्रस्तावित अंतरिम व्यापार समझौते की बातचीत भी टल गई है। वाशिंगटन डीसी में सोमवार 23 फरवरी से शुरू होने वाली तीन दिवसीय बैठक को स्थगित कर दिया गया है, जिसमें समझौते के कानूनी पाठ को अंतिम रूप देने की योजना थी। दरअसल दोनों देशों ने इस महीने की शुरूआत में एक फ्रेमवर्क पर सहमति जताई थी, जिसमें अमेरिका द्वारा भारतीय सामानों पर टैरिफ को 18प्रतिशत तक कम करने और भारत द्वारा अमेरिकी उत्पादों की खरीद बढ़ाने का प्रावधान था। हालांकि, समझौता अभी औपचारिक रूप से हस्ताक्षरित नहीं हुआ था। भारतीय मुख्य वाताकार और उनकी टीम की अमेरिका यात्रा, जो रविवार को निर्धारित थी, अब स्थगित कर दी गई है। दोनों पक्षों ने संयुक्त रूप से कहा है कि 'नई घटनाओं और उनके प्रभावों का मूल्यांकन करने के बाद' नई तारीख तय की जाएगी।

वाणिज्य मंत्रालय के सूत्रों के अनुसार, टैरिफ नीति में आई इस अनिश्चितता के कारण बातचीत स्थगित की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह देरी भारत के लिए फायदेमंद हो सकती है, क्योंकि अमेरिकी उत्पादों को भारतीय बाजार में तत्काल पहुंच देने की जरूरत टल गई है। समझौता अभी हस्ताक्षरित नहीं होने से भारत की कोई बाध्यता नहीं है।

मुफ्त रेवड़ी संस्कृति जीवंत लोकतंत्र के लिये घातक

- ललित गर्ग-

भारतीय लोकतंत्र की विडंबना यह है कि चुनाव आते ही जनसेवा का स्वरूप बदलकर जनलुभावन राजनीति में परिवर्तित हो जाता है। राजनीतिक दलों ने मुफ्त की योजनाओं को चुनावी सफलता का शॉर्टकट बना लिया है। मतदाताओं को तात्कालिक आर्थिक लाभ देकर वोट हासिल करने की प्रवृत्ति लगातार मजबूत हो रही है। आगामी तीन-चार माह में विधानसभा चुनाव होने है, इसी संदर्भ में जब असम, पश्चिम बंगाल, केरल और तमिलनाडु जैसे राज्यों में राजनीतिक सरगर्मियां तेज हुईं, तब इस संस्कृति का प्रभाव और स्पष्ट दिखाई देने लगा। इसी पृष्ठभूमि में देश की शीर्ष अदालत, सर्वोच्च न्यायालय, ने मुफ्त की योजनाओं के अनियंत्रित विस्तार पर गंभीर टिप्पणी की। यह टिप्पणी केवल कानूनी दृष्टिकोण से नहीं, बल्कि लोकतंत्र की आत्मा को लेकर एक चेतावनी है।

लोकतंत्र का मूल उद्देश्य जनकल्याण है। राज्य का दायित्व है कि वह गरीब, वंचित और कमजोर वर्गों को सहारा दे। सामाजिक सुरक्षा योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधाएं, न्यूनतम जीवन स्तर की गारंटी-ये सब कल्याणकारी राज्य की पहचान हैं। लेकिन जब जनहित और चुनावी लाभ के बीच की रेखा धुंधली हो जाती है, तब समस्या जन्म लेती है। लक्षित समर्थन और अतिरेक उदारता में अंतर है। एक ओर ऐसी योजनाएं हैं जो व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाती हैं, दूसरी ओर ऐसी घोषणाएं हैं जो केवल मतदाता को तात्कालिक राहत देकर उसे निर्भरता की आदत सिखाती हैं। जब राजस्व घाटे से जूझ रहे राज्य मुफ्त बिजली, मुफ्त यात्रा या नकद वितरण की घोषणाएं करते हैं, तो प्रश्न उठता है कि यह संसाधन कहां से आएंगे और इसकी कीमत कौन चुकाएगा? राजकोषीय अनुशासन किसी भी राज्य की आर्थिक सेहत का आधार है। यदि राज्य अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए खजाने को खाली करता है, तो दीर्घकालिक विकास प्रभावित होता है। जो धन बुनियादी ढांचे के निर्माण, अस्पतालों के सुदृढ़ीकरण, विद्यालयों की गुणवत्ता सुधार और रोजगार सृजन में लगना चाहिए, वह वोटों की फसल काटने में खर्च हो जाता है। यह प्रवृत्ति केवल आर्थिक दृष्टि से ही नहीं, बल्कि नैतिक दृष्टि से भी चिंताजनक है। लोकतंत्र में मतदाता की स्वतंत्रता सर्वोपरि मानी जाती है। यदि मतदाता को परोक्ष रूप से आर्थिक प्रलोभन देकर प्रभावित किया जाता है, तो यह स्वतंत्र निर्णय की भावना को कमजोर करता है।

सर्वोच्च न्यायालय ने तार्किक प्रश्न उठाया कि राज्य रोजगार सृजन और कौशल विकास पर अधिक ध्यान क्यों नहीं देते? वास्तव में रोजगार ही स्थायी सशक्तीकरण का माध्यम है। जब व्यक्ति अपने श्रम और कौशल से आय अर्जित करता है, तब उसमें आत्मसम्मान और आत्मविश्वास दोनों विकसित होते हैं। इसके विपरीत, निरंतर मुफ्त सुविधाएं व्यक्ति को निर्भर बनाती हैं। धीरे-धीरे परिश्रम की संस्कृति कमजोर पड़ती है और समाज में अकर्मण्यता की मानसिकता पनपने लगती है। यह स्थिति लोकतंत्र की सुदृढ़ता के लिए खतरनाक है, क्योंकि लोकतंत्र केवल वोट डालने की प्रक्रिया नहीं, बल्कि सक्रिय और जिम्मेदार नागरिकता का नाम है। चुनाव पूर्व घोषित योजनाओं की निष्पक्षता भी प्रश्नों के घेरे में है। जब आचार संहिता लागू रहने के दौरान बड़े पैमाने पर आर्थिक वितरण होता है, तो विपक्षी दल इसे असमान प्रतिस्पर्धा मानते हैं। ऐसे मामलों में निष्पक्ष निगरानी की जिम्मेदारी भारत का निर्वाचन आयोग पर आती है। निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि कोई भी दल मतदाताओं को अप्रत्यक्ष रिश्वत देकर चुनावी लाभ न ले। आचार संहिता का उल्लंघन केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक मयार्दा का हनन है। यदि इस पर कठोर कार्रवाई नहीं होती, तो भविष्य में यह प्रवृत्ति और गहरी जड़ें जमा सकती है। निस्संदेह, इस बारे में कोई दो राय नहीं हो सकती है कि राज्यों का यह प्राथमिक कर्तव्य है कि वे विशेष रूप से कमजोर वर्ग के लोगों की खास तौर से देखभाल करें। हालांकि, जब राजस्व घाटे वाले राज्य मुफ्त की योजनाओं पर बड़ी

रकम खर्च करते हैं, तो सरकारी खजाने पर दबाव और अधिक बढ़ जाता है। विडंबना यह है कि जिस धनराशि का इस्तेमाल बुनियादी ढांचे में सुधार, स्वास्थ्य सेवाओं को सक्षम बनाने और शिक्षा की सुविधा को समृद्ध करने के लिये किया जाना चाहिए, वो राशि अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिये खर्च कर दी जाती है। जरूरत इस बात की है कि कौशल विकास के जरिये लोगों को इस तरह सक्षम बनाया जाए जिससे उन्हें दीर्घकालिक व स्थायी लाभ मिल सकें।

यह भी समझना होगा कि मुफ्त योजनाओं का हर स्वरूप गलत नहीं है। आपातकालीन परिस्थितियों में राहत देना, महामारी या प्राकृतिक आपदा के समय सहायता पहुंचाना, सामाजिक न्याय के तहत वंचित वर्गों को अवसर देना-ये सब राज्य की जिम्मेदारी है। परंतु चुनावी मौसम में अचानक घोषणाओं की बाढ़ आ जाना और दीर्घकालिक वित्तीय परिणामों की अनदेखी करना लोकतांत्रिक परिपक्वता का संकेत नहीं है। यह राजनीतिक दलों के वैचारिक दिवालियेपन को दशार्ता है, जहां दूरदृष्टि की जगह तात्कालिक लाभ को प्राथमिकता दी जाती है। लोकतंत्र की मजबूती केवल संस्थाओं से नहीं, बल्कि नागरिकों की सजगता से भी आती है। यदि मतदाता केवल तात्कालिक लाभ देखकर मतदान करता है, तो वह अनजाने में ऐसी संस्कृति को प्रोत्साहित करता है जो अंततः उसी के भविष्य को प्रभावित करती है। परिपक्व मतदाता वही है जो घोषणाओं के पीछे की मंशा और आर्थिक व्यवहार्यता को समझे। वह यह पूछे कि पांच साल बाद राज्य की आर्थिक स्थिति क्या होगी, विकास की दिशा क्या होगी और रोजगार के अवसर कितने बढ़ेंगे।

लोकतंत्र में वोट केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है।

आज भारत स्वयं को वैश्विक मंच पर एक सशक्त लोकतंत्र के रूप में स्थापित करना चाहता है। हम विश्वगुरु बनने का संकल्प लेते हैं, लेकिन यदि हमारी राजनीति लोकलुभावनवाद के जाल में उलझी रहेगी, तो यह संकल्प खोखला सिद्ध होगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने का गौरव तभी सार्थक है जब हमारी नीतियां दूरदर्शी, संतुलित और टिकाऊ हों। मुफ्त की संस्कृति से बाहर निकलकर उत्पादकता, नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना ही वास्तविक प्रगति का मार्ग है। यह समय आत्ममंथन का है। राजनीतिक दलों को समझना होगा कि जनता को सशक्त बनाना केवल धन बांटने से संभव नहीं है। शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और रोजगार-ये चार स्तंभ किसी भी राष्ट्र की मजबूती तय करते हैं। यदि इन पर निवेश बढ़ेगा, तो नागरिक आत्मनिर्भर बनेंगे और राज्य पर बोझ कम होगा। वहीं, नागरिकों को भी यह ठानना होगा कि वे तात्कालिक प्रलोभनों के बजाय दीर्घकालिक विकास को प्राथमिकता देंगे। लोकतंत्र की सुदृढ़ता तभी सुनिश्चित होगी जब शासन और जनता दोनों अपने-अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन करें।

निस्संदेह, चुनावी निष्पक्षता के लिये यह आवश्यक हो गया है कि चुनाव से पहले घोषित की गई या लागू की गई लोकलुभावनी नीतियों व योजनाओं की गहन पड़ताल की जाए। विपक्षी दलों द्वारा बिहार सरकार पर आरोप लगाया गया था कि पिछले साल अक्तूबर में आचार संहिता लागू रहने के दौरान मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना के तहत महिला लाभार्थियों को 15,600 करोड़ रुपये दिए गए थे। जो कि स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध कदम था। ऐसे में जरूरी हो जाता है कि भारत के निर्वाचन आयोग की ओर से राजनीतिक दलों द्वारा मतदाताओं को अपरोक्ष रूप से रिश्वत देने के प्रयासों पर पैनी नजर रखी जाए। साथ ही इस दिशा में चुनाव आचार संहिता के उल्लंघन के रूप में कार्रवाई भी करनी चाहिए। निर्विवाद रूप से चुनाव प्रक्रिया में कोई भी पक्षपातपूर्ण रवैया अपनाना हमारे जीवंत लोकतंत्र के लिये हानिकारक है। मुफ्त की रेवड़ियां बांटने की प्रवृत्ति लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करती है। यह कार्य करने की मानसिकता को बाधित करती है और समाज में सरकार-निर्भरता एवं अकर्मण्यता की संस्कृति को जन्म देती है। यदि इस प्रवृत्ति पर समय रहते नियंत्रण नहीं लगाया गया, तो आर्थिक असंतुलन और राजनीतिक अविश्वास दोनों बढ़ेंगे। इसलिए आवश्यक है कि नीतियों की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और चुनावी निष्पक्षता को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। यही लोकतंत्र की वास्तविक रक्षा है, यही राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है।

गलगोटिया प्रकरण: भारत की भद्द पिटने का जिम्मेदार कौन?

राजेंद्र शर्मा

समझने की बात यह है कि जब शासन खुद, जेएनयू जैसे सार्वजनिक विश्वविद्यालयों को किसी न किसी प्रकार नष्ट करने और समूची उच्च शिक्षा को ही गलगोटियाकरण के रास्ते पर धकेलने में लगा हुआ हो, जब सत्ता के लिए असुविधाजनक होने के चलते शिक्षा परिसरों में आलोचनात्मक सोच को ही कुचला जा रहा हो और जब शोध के लिए सत्ताधारियों के लिए और उनकी प्रतिगामी विचारधारा के लिए भी "अनुकूलता" को अनिवार्य शर्त बनाया जा रहा हो, हम कैसे किसी वास्तविक शोध तथा नयी खोजों की उम्मीद कर सकते हैं हैरानी की बात नहीं है कि एआई यानी कृत्रिम मेधा इंपैक्ट विश्व शिखर सम्मेलन में, सारी दुनिया के सामने भारत की भद्द पिटवाने को लेकर, प्रधानमंत्री मोदी समेत समूचा संघ-भाजपा ईको सिस्टम, युवा कांग्रेस के डेढ़-दो दर्जन कार्यकताओं के "शर्टलैस" प्रदर्शन पर जो इतना हमलावर है, उसका एक बड़ा मकसद इस वैश्विक आयोजन के जरिए विश्व मंच पर उजागर हुईं, मोदी राज में भारत की विफलताओं पर पर्दा डालना भी था। बेशक, सहज खुशामदी गोदी मीडिया ही नहीं, स्वतंत्र मीडिया के भी बड़े हिस्से को एआइ के वैश्विक तमाशे की चकाचौंध से चौंधियाने में और सोशल मीडिया की बची-खुची आलोचनात्मक आवाजों में से भी कई को 'देश की प्रतिष्ठा' के झूठे नारों से चुप कराने में, मोदी सरकार काफी कामयाब रही थी। इसके बावजूद, देश के मीडिया से बढ़कर विदेशी मीडिया के प्रमुख हिस्सों से यह छुपा नहीं रहा था कि किस तरह, इस आयोजन में साफ-साफ झलक रही मोदी राज की महत्वाकांक्षाओं पर, उसके वास्तविक प्रदर्शन समेत सचाइयां ने पानी फेरने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। इस वास्तविक प्रदर्शन में उस चौतरफा अव्यवस्था को तो एक छोटा सा हिस्सा ही कहा जाएगा, जिसके लिए बाद में

स्वयं इस आयोजन के प्रभारी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने विशेष रूप से देश के विभिन्न हिस्सों से ही नहीं, दूसरे अनेक देशों से भी आए आइटी और एआई के व्यवहारकताओं तथा इस क्षेत्र से जुड़े युवा उद्यमियों से "माफी" मांगी थी। यह बाकी दुनिया से छुपा नहीं रहा था कि जैसा कि मोदी राज में नियम ही बन गया है, दूसरे हरेक मंच की तरह, एआइ शिखर सम्मेलन के मंच को, सबसे बढ़कर ही नहीं, बाकी हर चीज की कीमत पर, प्रधानमंत्री मोदी की छवि चमकाने का एक और मौका बना दिया गया। इसी का नतीजा था कि अपनी जेब से काफी पैसा खर्च कर के और काफी उम्मीदें लेकर, इस क्षेत्र में अपने काम तथा उपलब्धियों का प्रदर्शन करने आए सैकड़ों स्टॉल लगाने वालों तथा हजारों प्रदर्शकों को, उद्घाटन के दिन ही इसका अहसास करा दिया गया कि उनकी भूमिका, एक शोरभरी बारात में शामिल बाराती से ज्यादा नहीं थी। इस बारात का दूल्हा तो जाहिर है कि इस अंतर्राष्ट्रीय आयोजन का मेजबान देश होने के नाते, भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ही थे। नरेंद्र मोदी ही छवि चमकाने के ही प्रयास में, राजधानी के लोगों को चाहे अपेक्षाकृत छोटे पैमाने पर ही, उस भारी ताम-झाम का दोहराव झेलना पड़ा, जो ढाई साल पहले जी-20 के मौके पर उसे झेलना पड़ा था। झेलना शब्द का प्रयोग यहां जान-बूझकर किया जा रहा है। जी-20 के लिए बड़े पैमाने पर राजधानी में की गयी सजावटों के पीछे, राजधानी में रहने वालों के लिए ट्रैफिक के पूरी तरह से अस्त-व्यस्त किए जाने से लेकर, पटरी-रेहड़ी आदि से लेकर रिक्शों व मजदूरी के अन्य साधनों से रोटी कमाने वालों को अदृश्य ही किए जाने से लेकर, आंखों को न सुहाने वाली बस्तियों को पर्दों के पीछे छुपाए जाने तक, चारों ओर खुशहाली का झूठा मंजर दिखाने के खेल तक, सब कुछ इस बार भी किया गया था। इसी सब का अगला कदम था कि पहले दिन, प्रधानमंत्री के विशाल भारत मंडपम में इस आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पहुंचने की तैयारी में, प्रधानमंत्री की सुरक्षा संबंधी तैयारियों के नाम पर, उनके पहुंचने से घंटों पहले से, सभी प्रदर्शकों को घंटों के लिए हॉलों से बाहर कर दिया गया, जहां उनके लिए न बैठने के लिए कोई जगह थी, न रुकने के लिए। बहरहाल, इस सबसे भी ज्यादा भारत की खिल्ली उड़वाई, एआई के क्षेत्र में भारत के अगुआ होने की झूठी शेखीबाजी ने, जिसका आंखें खोलने वाला उदाहरण गलगोटिया विश्वविद्यालय का प्रकरण था। इस निजी विश्वविद्यालय ने, जो मोदी राज की विशेष कृपा का पात्र ही नहीं रहा है और जो एक तरह से मोदी राज का उच्चतर शिक्षा का वह "मॉडल" भी रहा है, जिसके उदाहरण पर देश में समूची उच्च शिक्षा को ढाला जाना है, जिस तरह चीन की एक कंपनी द्वारा निर्मित और कुछ लाख रु. में ही खरीदे के गए तथा बाजार में अपेक्षाकृत आसानी से उपलब्ध, एक रोबो-डॉग को जिस प्रकार, 350 करोड़ रु. के निवेश से निर्मित अपनी एआई सामर्थ्य के साक्ष्य के रूप में और ओरियॉन का प्रभावशाली नाम देकर जोर-शोर से पेश किया, उसका किस्सा तो अब सभी जान ही चुके हैं। पर्ल्स चाइना से सोशल मीडिया हैंडल से इस रोबो-डॉग के चीनी मूल को उजागर करने के बाद, जब इसी विश्वविद्यालय द्वारा प्रदर्शित एक ड्रोन के कोरियाई मूल को भी बेनकाब किया, उसके बाद ही हड़बड़ी में गलगोटिया विश्वविद्यालय से, जिसे मोदी राज की कृपा से असाधारण रूप से बड़ा स्टॉल इस आयोजन में एलॉट किया गया था, यह स्टॉल खाली कराया गया और आयोजन से बाहर ही जाने के लिए कह दिया गया। जाहिर है कि इस प्रकरण ने एआई के क्षेत्र में भारत की वास्तविक स्थिति और मोदी राज में उसके बढ़े-चढ़े दावों के बीच की चौड़ी खाई को सारी दुनिया के सामने उजागर कर दिया। मोदी राज में सचाइयों से बहुत दूर और बहुत मामलों में तो सचाईयों से ठीक उल्टी झूठी शेखी बघारने को, नियम ही बना दिया गया है। सच्चाइयों से ठीक उल्टी शेखी बघारने का एक सबसे ज्यादा आंखों में गढ़ने वाला उदाहरण, देश में गरीबी का अनुपात बहुत तेजी से घटने का दावा है, जबकि सचाई यह है कि आहार की न्यूनतम आवश्यकताओं के पैमाने से भी, देश में गरीबी का अनुपात तेजी से बढ़ता जा रहा है। इस झूठी शेखी मारने की मोदी राज की इस प्रवृत्ति का दुनिया भर में डंका बज रहे होने का इससे बढ़कर सबूत क्या होगा।

वैश्विक सम्मेलनों में विरोध प्रदर्शन के साथ भारत जीना सीखे, असहिष्णुता अनुचित

के रवींद्रन

भारत में सार्वजनिक विरोध प्रदर्शनों की एक लंबी परंपरा रही है, भ्रष्टाचार विरोधी आन्दोलन से लेकर किसान आंदोलनों तक, जिनमें से कई मीडिया की कड़ी जांच के बीच सामने आए हैं। जबकि सरकारों को लोक व्यवस्था को नियंत्रित करने वाले कानूनों को लागू करने का हक है, हिंसा न होने पर गंभीर आरोप लगाने से इरादे और आनुपातिक कार्रवाई पर बहस होती है।

वैश्विक सम्मेलनों ने लंबे समय से न सिर्फ सरकार के प्रमुखों और कॉर्पोरेट के अगुवों के लिए बल्कि उनका विरोध करने वालों के लिए भी एक वैश्विक मंच दिया है। विरोध अभियानों ने सीखा है कि जहां टेलीविजन कैमरे, राजनयिक और नीति निर्धारक इकट्ठ होते हैं, वहां इकट्ठ होना, उच्चस्तरीय बैठकों को राजनयिकता के साथ-साथ असहमति का अखाड़ा बना देता है। व्यापार वाताओं से लेकर पर्यावरण सम्मेलनों तक, संगठित विरोध प्रदर्शन भद्रलोक के विचार-विमर्श के लिए एक उम्मीद की जाने वाली साथी बन गए हैं, जिन्हें ध्यान खींचने के लिए आयोजित किया जाता है जो अन्यथा हाशिये पर काम करने वाले आन्दोलनकारी अभियान चलाने वालों के लिए उपलब्ध नहीं होता। अन्तरराष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक की बैठकें इस रूझान को खास तौर पर साफ दिखाती हैं। दशकों से, उनकी

सालाना और वसन्त ऋतु में आयोजित होने वाली बैठकों ने मितव्ययिता नीतियों, व्यापार की ढांचागत शर्तों या स्थितियों और विकास को वित्तपोषित करने का प्राथमिकताओं की आलोचना करने वाले नागरिक संगठनों के गुटों को आकर्षित किया है। इनमें से कुछ ग्रुप को उन्हीं संस्थानों से अनुदान या तकनीकी समर्थन मिलता है जिनकी वे आलोचना करते हैं, जो बहुपक्षीय शासन के दिल में एक उलझन को दिखाता है। ब्रेटन वुड्स इंस्टीट्यूशन्स ने परामर्श तौर-तरीके विकसित किए हैं जो गैर-सरकारी संगठनों को अधिकारियों से जुड़ने, समानांतर फोरम में हिस्सा लेने और निर्धारित ढांचागत व्यवस्था में असहमति दर्ज करने की इजाजत देते हैं। असल में, वैश्विक वित्त की कोरियोग्राफी में विरोध और बातचीत एक साथ होते हैं। ऐसे प्रदर्शनों को अक्सर विनियमित किया जाता है, आयोजन के अधिकारियों के साथ समन्वित किया जाता है और बातचीत की गई जगहों से घिरा होता है। वे संस्थाओं को कार्यक्रम और नीतियों के विरोध का एक बैरोमीटर देते हैं, साथ ही आन्दोलनकारियों को वह सामने आने को अवसर देते हैं जो सिर्फ एक वैश्विक प्लेटफॉर्म ही दे सकता है। बहुपक्षीय एजेंसियां खुद इन विरोधों की निगरानी को नियंत्रित नहीं करती हैं; कानून लागू करना आयोजक सरकारों का खास अधिकार बना हुआ है। यहां तक कि उन इलाकों में भी जहां जनता के जमा होने के सख्त कानून हैं, वैश्विक बैठकों में किसी न किसी तरह की असहमति देखी गई है, चाहे वह तय जगहों तक ही सीमित हो या प्रतीकात्मक कामों के जरिए जाहिर की गई हो। इसलिए, विरोध का होना न तो नया है और न ही स्वाभाविक रूप से अस्थिर करने वाला। यह तो एक आपस में जुड़ी दुनिया में खुले राजनीतिक मुकाबले की एक खासियत है।

इस पृष्ठभूमि में, दिल्ली में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस समिट के दौरान यूथ कांग्रेस के सदस्यों का शर्ट उतारकर विरोध प्रदर्शन एक जाने-पहचाने तौर-तरीके में फिट बैठता है।

मंडल आयुक्त राजेश कुमार व डीएम कुमार हर्ष पहुंचे लम्भुआ तहसील, निरीक्षण से मचा हड़कंप

अखंड भारत संदेश

सुलतानपुर। राजेश कुमार मंडल आयुक्त, अयोध्या मंडल और कुमार हर्ष जिलाधिकारी, ने आज लम्भुआ तहसील पहुंचकर औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण की सूचना मिलते ही तहसील परिसर में अफरा-तफरी मच गई और कर्मचारी फाइलों को दुरुस्त करने में जुट गए।

निरीक्षण के दौरान राजस्व अभिलेखों, विकास कार्यों की प्रगति, जन शिकायतों के निस्तारण और कार्यालयी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा की गई। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कर्मचारियों से जानकारी ली और कई महत्वपूर्ण अभिलेखों की जांच भी की।स्थानीय स्तर पर यह चर्चा भी तेज रही कि क्या इस निरीक्षण में वास्तविक कमियां सामने आएंगी या फिर सब कुछ ह्लगुलाबी फाइलोंह्व में ही दबकर रह जाएगा। आमजन को उम्मीद है कि यह निरीक्षण सिर्फ औपचारिकता न बनकर जमीनी स्तर पर सुधार लाने का माध्यम बनेगा।मंडल आयुक्त और डीएम ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों का जल्द निस्तारण किया जाए और जनहित से जुड़े कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

आबकारी विभाग की बड़ी कार्रवाही 35 लीटर अवैध शराब बरामद

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर । आबकारी विभाग की संयुक्त टीम ने हलियापुर थाना क्षेत्र में छापेमारी कर 35 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद की है। मौके पर मिले करीब 250 किलोग्राम लहन को नष्ट कर दिया गया। मामले में दो अभियोग दर्ज किए गए हैं।आबकारी आयुक्त के आदेश पर चल रहे अभियान के क्रम में जिलाधिकारी के पर्यवेक्षण व उप आबकारी आयुक्त अयोध्या प्रभार के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई।आबकारी निरीक्षक नेहा श्रीवास्तव और निधि सिंह की टीम ने ग्राम मल्हन का पुरवा व

हलियापुर में दबिश दी।टीम ने अवैध शराब निर्माण में प्रयुक्त सामग्री को मौके पर ही नष्ट कराया। साथ ही क्षेत्र के ईंट भट्ठों और कबाड़ की दुकानों की भी जांच की गई।वलीपुर और हलियापुर की आबकारी दुकानों की सघन जांच में कोई अनियमितता नहीं पाई गई।

आबकारी निरीक्षक नेहा श्रीवास्तव ने लोगों से अपील की है कि अवैध शराब का सेवन न करें,यह जानलेवा साबित हो सकती है।

सरकण्डेडीह फुजैल हत्याकांड के मुख्य आरोपी को हाईकोर्ट से जमानत

अखंड भारत संदेश

सुल्तानपुर-जनपद के थाना धम्मौर क्षेत्र स्थित ग्राम सरकण्डेडीह में 8 जुलाई 2024 को हुए बहुचर्चित फुजैल हत्याकांड के मुख्य आरोपी यूसुफ उर्फ नय्यर बंगाली को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई है। मामले में आरोपी पर गोली मारकर हत्या करने का गंभीर आरोप है और उसे घटना का मुख्य अभियुक्त बताया गया था। प्राप्त जानकारी के अनुसार, इस हत्याकांड में कुल तीन लोगों को नामजद किया गया था, जिनमें नय्यर बंगाली की भूमिका प्रमुख बताई गई थी। आरोपी की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता सुखदेव सिंह ने अदालत में पक्ष रखा।

मामले की सुनवाई इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ में हुई,जहां न्यायमूर्ति सौरभ लवानिया ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद 25 फरवरी 2026 को जमानत याचिका स्वीकार कर ली। फिलहाल प्रकरण की सुनवाई निचली अदालत में जारी है।

खनिज निधि से विकास की नई पटकथा माइनिंग क्षेत्रों में स्वास्थ्य-शिक्षा पर फोकस

- खनिज निधि से बदलेगा चित्रकूट
- खनन क्षेत्र विकास को लेकर बैठक

समीक्षा बैठक लेते डीएम

चित्रकूट। कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित जिला खनिज न्यास निधि (डीएमएफ) की शासी परिषद एवं प्रबंध समिति की बैठक में विकास का व्यापक खाका खींचा गया। लगभग 29 करोड़ 95 लाख रुपये की लागत से शिवरामपुर और राजापुर में स्थापित चेक गेट्स व मिनी कमांड सेंटर के वार्षिक अनुरक्षण से लेकर डीएमएफ खातों के ऑडिट तक पारदर्शिता पर जोर दिया गया। स्वास्थ्य क्षेत्र में अस्थि एवं नेत्र सर्जरी उपकरण, सी-आर्म मशीन, लेबर रूम और ओटी के उच्चीकरण, पीएचसी-सीएचसी सुदृढ़ीकरण, मोटरसाइकिल एंबुलेंस सेवा तथा संयुक्त चिकित्सालय के नवीनीकरण जैसे प्रस्तावों को प्राथमिकता दी गई। शिक्षा और महिला सशक्तिकरण के तहत भरतकूप क्षेत्र की दस ग्राम पंचायतों में सिलाई केंद्र, 509 आंगनबाड़ी केंद्रों पर ईसीसीई सामग्री, विद्यालयों को स्मार्ट क्लास में परिवर्तित करने तथा कस्तूरबा गांधी विद्यालयों के निर्माण जैसे निर्णय लिए गए। कृषि क्षेत्र में गनीवा कृषि विज्ञान केंद्र के माध्यम से ग्रीन ग्राम्य योजना और मिलेट प्रोसेसिंग यूनिट को बढ़ावा देने की रणनीति बनी, वहीं मोहन नदी के 15 किमी पुनरोद्धार और चेकडैम निर्माण से जल संरक्षण पर बल दिया गया। स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेल सुविधाओं के विस्तार और स्विमिंग पूल निर्माण, कलेक्ट्रेट में नए हाल, मिलेट कैंटीन और सोलराइजेशन परियोजनाएं भी एजेंडे में रहीं। माइनिंग क्षेत्रों में बढ़ती अस्थमा और टीबी जैसी बीमारियों पर चिंता जताते हुए जिलाधिकारी ने क्रेशर संचालकों को नियमित पानी छिड़काव के निर्देश दिए और माइनिंग ऑफिसर को सीएमओ से समन्वय स्थापित करने को कहा। साथ ही श्रम विभाग के सहयोग से सभी मजदूरों का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी डी.पी. पाल, एडीएम चन्द्र शेखर व माइनिंग ऑफिसर रणवीर सिंह सहित अधिकारी उपस्थित रहे। डीएम ने स्पष्ट किया कि आगामी कार्ययोजना में स्वास्थ्य और शिक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

डीएम ने अल्ट्रासाउंड केंद्रों को दी सख्त चेतावनी लिंग जांच कराने वालों पर गिरेगी गाज

छिपे कैमरे से होगी निगरानी

अखंड भारत संदेश

समीक्षा बैठक लेते डीएम

चित्रकूट। जनपद में कन्या भ्रूण हत्या और लिंग चयन जैसी कुप्रथाओं पर निर्णायक प्रहार करने के लिए जिलाधिकारी पुलकित गर्ग की अध्यक्षता में गर्भधारण पूर्व एवं प्रसव पूर्व निदान तकनीक अधिनियम, 1994 के प्रभावी क्रियान्वयन हेतु गठित जनपद स्तरीय सलाहकार समिति की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिले के सभी सरकारी एवं निजी अल्ट्रासाउंड केंद्रों की अद्यतन स्थिति की गहन समीक्षा की गई। जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी केंद्रों के पंजीकरण, नवीनीकरण और संचालन से संबंधित विस्तृत कार्यवृत्ति तत्काल प्रस्तुत की जाए। उन्होंने दो टूक कहा कि किसी भी अल्ट्रासाउंड कक्ष में लड़का या लड़की दर्शाने वाले सांकेतिक चित्र या फोटो पाए जाने पर तत्काल कठोर कार्रवाई होगी। लिंग चयन पर रोक के लिए मुखबिर योजना को सक्रिय करने का भी निर्देश दिया गया। इच्छुक व्यक्तियों को हिडन कैमरा व अन्य तकनीकी संसाधनों से लैस कर तैनात करने की रणनीति पर जोर दिया गया, ताकि अवैध गतिविधियों का पदार्फाश किया जा सके। प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम- उप जिलाधिकारी व नोडल अधिकारी- को नियमित व औचक निरीक्षण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने स्पष्ट चेतावनी दी कि लिंग चयन, कन्या भ्रूण हत्या या अवैध गर्भपात में संलिप्त पाए जाने पर केंद्रों व चिकित्सकों के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर कठोर दंड सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में वरिष्ठ स्वास्थ्य अधिकारी व समिति सदस्य उपस्थित रहे और अभियान में सक्रिय सहयोग का संकल्प लिया।

रंग, जुलूस और नमाज के बीच प्रशासन एलर्ट जोनल-सेक्टर मजिस्ट्रेटों की होगी तैनाती

चित्रकूट। जिले में इस वर्ष होली और रमजान का संयोग प्रशासन के लिए संवेदनशील परीक्षा लेकर आया है। जिला मजिस्ट्रेट पुलकित गर्ग ने स्पष्ट किया है कि हिन्दू पंचांग के अनुसार 2 मार्च को होलिका दहन तथा 3 मार्च को होलिकोत्सव मनाया जाएगा, जबकि 19/20 फरवरी से पवित्र रमजान माह प्रारंभ होकर 21 मार्च को ईद-उल-फितर (चांद दर्शन अनुसार) मनाई जाएगी। रंग, जुलूस, होली मिलन और नमाज जैसे आयोजनों के मद्देनजर प्रशासन ने किसी भी प्रकार की अराजकता या साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए जोनल व सेक्टर मजिस्ट्रेटों की तैनाती कर कड़ा सुरक्षा कवच तैयार किया है। सभी उपजिलाधिकारियों को निर्देशित किया गया है कि वे अपने क्षेत्रों में भ्रमणशील रहकर पुलिस अधिकारियों से समन्वय बनाए रखें तथा मस्जिदों, ईदगाहों और होलिका दहन स्थलों पर सतत निगरानी रखें। विवादित स्थलों पर होलिका दहन की अनुमति नहीं दी जाएगी और धारा 163 सीआरपीसी का अनुपालन सुनिश्चित होगा। कर्वी के उटारखाना, कजियाना, पटेल तिराहा, बस स्टैंड, परिक्रमा मार्ग सहित भीड़भाड़ वाले इलाकों में विशेष चौकसी रहेगी। विद्युत और जल संस्थान को 2 से 4 मार्च तक निर्बाध आपूर्ति के निर्देश दिए गए हैं, वहीं नगर निकायों को साफ-सफाई व आवारा पशुओं पर नियंत्रण सुनिश्चित करना होगा। फायर ब्रिगेड, सरकारी अस्पतालों में 24 घंटे सेवाएं, एम्बुलेंस व चिकित्सकों की तैनाती भी तय की गई है। अवैध व जहरीली शराब पर आबकारी विभाग सतर्क रहेगा तथा होली पर शराब दुकानों के प्रतिबंध का कड़ाई से पालन होगा। खाद्य सुरक्षा विभाग को मावा व खाद्य पदार्थों की सघन जांच के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना अनुमति कोई अधिकारी मुख्यालय नहीं छोड़ेगा। फुट पेट्रोलिंग, होटल-सराय चेकिंग और ध्वनि मानकों का सख्ती से पालन कराया जाएगा। उद्देश्य एक ही है- रंगों और इबादत के इस दौर में चित्रकूट की फिजा में केवल सौहार्द और शांति की खुशबू बनी रहे।

रोजगार, महंगाई और भ्रष्टाचार पर घिरी सरकार सीपीआई ने सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

अखंड भारत संदेश

सीपीआई की त्रैमासिक बैठक में मौजूद सदस्य

चित्रकूट। जिले में 26 फरवरी को भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई) की त्रैमासिक बैठक पार्टी कैंप कार्यालय में का रामप्रसाद सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें केंद्र व प्रदेश सरकार की नीतियों पर तीखा प्रहार किया गया। जिला सचिव का अमित यादव ने कहा कि देश को चांद पर पहुंचाने के सपने दिखाने वाली सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसे बुनियादी मुद्दों पर विफल साबित हुई है। युवाओं के भविष्य पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि सरकार भर्तियां तो निकालती है, लेकिन पेपर लीक रोकने में नाकाम रहती है, जिससे नौजवान 10 से 12 हजार रुपये की निजी नौकरियों के लिए मजबूर हैं। तीन लेबर कोड बिलों को उन्होंने मजदूर हितों पर हमला बताते हुए कॉरपोरेट लाभ की नीति करार दिया। बैठक में बुंदेलखंड के किसानों की बदहाल स्थिति, बढ़ती महंगाई और गिरते रुपये की वैश्विक साख पर भी चिंता जताई गई। वक्ताओं ने आरोप लगाया कि जिले की सड़कें गड्ढों से पटी हैं, विभागों में भ्रष्टाचार चरम पर है और आम आदमी दफ्तरों के चक्कर लगाते-लगाते परेशान है, जबकि जनप्रतिनिधि कागजी उपलब्धियां गिना रहे हैं। पार्टी ने सरकार की नीतियों के खिलाफ सड़क से संसद तक संघर्ष जारी रखने का संकल्प दोहराया तथा आगामी पंचायत चुनावों में सक्रिय भागीदारी और संगठनात्मक मजबूती का निर्णय लिया। बैठक में सहायक सचिव का. संदीप पांडेय समेत कई जिला परिषद सदस्य उपस्थित रहे।

लोहे की रॉड से वार, नदी में सबूत मिटाने की कोशिश- अदालत ने सुनाई उम्रकैद

मोबाइल विवाद में हत्या, यमुना में फेंकी लाश

चित्रकूट। जिले में ट्रक चालक की निर्मम हत्या कर शव यमुना में फेंकने के सनसनीखेज मामले में जिला जज शेषमणि ने आरोपी ट्रक खलाशी रवि गौतम को आजीवन कारावास और 15 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। घटना 8 अगस्त 2023 की है, जब रायबरेली के ऊंचाहार थाना क्षेत्र निवासी शिवशंकर यादव मध्य प्रदेश के कटनी से चावल लादकर लखनऊ जा रहे थे। साथ में गांव का ही क्लीनर रवि गौतम मौजूद था। रास्ते में मोबाइल गुम होने को लेकर दोनों में विवाद हुआ, जिसकी जानकारी शिवशंकर ने ट्रक मालिक को फोन पर दी थी। आरोप है कि राजापुर के यमुना पुल पर पहुंचते ही रवि गौतम ने लोहे की रॉड से हमला कर चालक की हत्या कर दी और शव नदी में फेंक दिया। इसके बाद वह खुद ट्रक लेकर नवाबगंज, प्रतापगढ़ पहुंचा और वाहन खड़ा कर फरार हो गया। मोबाइल बंद होने पर ट्रक मालिक जीपीएस से गाड़ी तक पहुंचे, जबकि परिजनों के संदेह पर आरोपी पकड़ा गया। तीन दिन बाद यमुना से शव बरामद हुआ। मुकदमे के दौरान वादी शिव सिंह का सदमे से निधन हो गया, पर ट्रक मालिक और मृतक के भाई की गवाही निर्णायक साबित हुई। साक्ष्यों और दलीलों के आधार पर अदालत ने हत्यारे को उम्रकैद की सजा सुनाकर न्याय की मुहर लगा दी।

2027 की चुनावी जंग से पहले सपा की बड़ी चाल अजय राज ने शिवपाल को दिया चित्रकूट न्यौता

अखंड भारत संदेश

शिवपाल यादव से भेंट करते सपा नेता अजय राज

मऊ (चित्रकूट)। वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव की दस्तक के साथ ही समाजवादी पार्टी ने जमीनी हलचल तेज कर दी है। इसी रणनीति के तहत सपा यूथ ब्रिगेड के प्रदेश सचिव अजय राज त्रिपाठी ने लखनऊ में पार्टी के कद्दावर नेता और चाचा के नाम से लोकप्रिय शिवपाल सिंह यादव से शिष्टाचार भेंट कर संगठनात्मक गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। मुलाकात के दौरान अजय राज त्रिपाठी ने भगवान कामतानाथ की तपोभूमि चित्रकूट की ओर से उनका अभिनंदन करते हुए जनपद आगमन का औपचारिक निमंत्रण सौंपा। राजनीतिक गलियारों में इस भेंट को महज औपचारिकता नहीं, बल्कि बुंदेलखंड में सपा की नई सक्रियता के संकेत के रूप में देखा जा रहा है। शिवपाल यादव ने अजय राज के संगठनात्मक समर्पण और जमीनी पकड़ की खुले मन से सराहना की तथा युवाओं को अभी से बूथ स्तर पर सक्रिय होने का मंत्र दिया। उन्होंने स्पष्ट कहा कि 2027 की जीत का आधार आज की तैयारी में छिपा है। वरिष्ठ नेता ने निर्देश दिया कि जनसमस्याओं को प्रखरता से उठाते हुए पार्टी की नीतियों को घर-घर पहुंचाया जाए। शिवपाल ने कहा कि युवाओं का जोश और वरिष्ठों का अनुभव ही समाजवादी पार्टी की असली ताकत है। इस मुलाकात के बाद चित्रकूट में सपा कार्यकर्ताओं के बीच नई ऊर्जा और संभावित दौरे की चर्चाएं तेज हो गई हैं।

बरगढ़ पॉलिटेक्निक में रोजगार की दस्तक, 35 छात्रों को 2.28 लाख का पैकेज

बरगढ़/चित्रकूट। राजकीय पॉलिटेक्निक बरगढ़ में 26 फरवरी को रोजगार का उत्साह देखने को मिला, जब मानेसर, गुरुग्राम की कंपनी सुधीर पावर लिमिटेड ने कैंपस इंटरव्यू आयोजित किया। कंपनी से आए टेक्निकल सुपरवाइजर श्याम सुंदर ने पहले लिखित परीक्षा आयोजित की और इसके बाद चयनित अभ्यर्थियों का साक्षात्कार लिया। कुल 120 छात्रों ने पंजीकरण कराया, जिनमें से 35 छात्रों का चयन 2.28 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर हुआ। इस अवसर पर झांसी, प्रयागराज, बांदा, मानिकपुर, सीतापुर और मैनपुरी जनपद के विद्यार्थियों ने भी प्रतिभाग किया। प्रधानाचार्य संतोष कुमार वैश्य ने चयनित छात्रों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। प्रशिक्षण एवं प्लेसमेंट अधिकारी संजीव कुमार सिंह और सचिन कुमार मौर्य ने आयोजन की कमान संभाली। कार्यक्रम में अनंत प्रकाश, श्रीमती स्वाति खटनानी, अनुपम सिंह और अशोक कुमार सहित अन्य स्टाफ की उपस्थिति रही।

होली से पहले जागा खाद्य विभाग, 4410 रुपए की कचरी सीज कर विभाग ने दिखाई सख्ती

- बाजार ने ली राहत की सांस?
- मिलावट पर लग गया पूर्ण विराम?

जांच करते खाद्य विभाग कर्मी

चित्रकूट। होली पर्व को देखते हुए खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन ने चित्रकूट में विशेष अभियान चलाकर बाजार में हलचल मचा दी। आयुक्त, खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उप्र लखनऊ तथा जिलाधिकारी चित्रकूट के आदेश के अनुपालन में सहायक आयुक्त (खाद्य) शशांक त्रिपाठी के निर्देशन में 25 और 26 फरवरी को जनपद में सघन जांच अभियान चलाया गया। इस दौरान टीम ने कुल चार नमूने संग्रहित किए और 98 किलोग्राम कचरी, जिसकी अनुमानित कीमत 4410 रुपये आंकी गई, सीज कर दी। कार्रवाई के तहत गंगाजी रोड शंकर बाजार कर्वी स्थित प्रतिष्ठान से बेसन का एक नमूना लिया गया, जबकि मानिकपुर की चर्चित खोयामंडी में सत्यदेव और ज्ञान सिंह के यहां से खोया के दो अलग-अलग नमूने जांच हेतु भेजे गए। इसके अलावा शिवरामपुर कर्वी स्थित प्रतिष्ठान से कचरी का नमूना लेकर बड़ी मात्रा में सामग्री जब्त की गई। अभियान के दौरान सहायक आयुक्त शशांक त्रिपाठी के साथ खाद्य सुरक्षा अधिकारी रत्नाकर सिंह और विनय कुमार मौजूद रहे। विभाग का कहना है कि त्योहारों पर मिलावट रोकने के लिए यह कार्रवाई की गई है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

अब जमीन पर नहीं बैठेंगे नौनिहाल, 120 केंद्रों में आधुनिक फर्नीचर की सौगात

चित्रकूट। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा ने बताया कि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक समग्र शिक्षा उप्र के निदेशों के क्रम में जनपद चित्रकूट के चयनित 120 को-लोकेटेड आंगनबाड़ी केंद्रों में अध्ययनरत बच्चों के लिए बाल मैत्रिक फर्नीचर क्रय हेतु धनराशि आवंटित की गई है। जिलाधिकारी के 13 फरवरी 2026 के अनुमोदन के बाद जेम पोर्टल के माध्यम से चयनित न्यूनतम एल-01 फर्म के नमूनों का समिति द्वारा परीक्षण किया गया, जो मानक अनुरूप पाए गए। इसके उपरांत संबंधित फर्म को क्रयादेश निर्गत करने की अनुमति प्रदान कर दी गई है।

जिले में 492 आंगनवाड़ी पदों पर चयन अंतिम, गांव-गांव पहुंचेगी योजनाओं की नई रफ्तार

चित्रकूट। 26 फरवरी को जिलाधिकारी द्वारा जनपद चित्रकूट में आंगनवाड़ी सहायिकाओं एवं कार्यकत्रियों के बहुप्रतीक्षित चयन को अंतिम रूप दे दिया गया। 17 सितम्बर 2025 के शासनादेश की गाइडलाइन के अनुरूप ऑनलाइन प्राप्त आवेदनों के आधार पर यह प्रक्रिया पूरी की गई। सहायिकाओं के 542 रिक्त पदों के सापेक्ष 487 पदों पर तथा कार्यकत्रियों के 8 पदों के सापेक्ष 5 पदों पर चयन सुनिश्चित हुआ। परियोजनावार देखें तो कर्वी में 154 में 147, पहाड़ी में 118 में 112, मानिकपुर में 77 में 59, मऊ में 112 में 98, रामनगर में 71 में 64 और शहर क्षेत्र में 10 में 7 सहायिकाओं का चयन किया गया। वहीं कार्यकत्रियों में मानिकपुर, मऊ और रामनगर में कुल 5 पदों पर चयन पूर्ण हुआ। भर्ती प्रक्रिया पूरी होने से ग्रामीण स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन को नई गति मिलने की उम्मीद है। उच्च स्तर से निर्देश मिलते ही चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र सौंपे जाएंगे।

समग्र शिक्षा के तहत 180 छात्राएं झाँसी शैक्षिक यात्रा पर रवाना

अखंड भारत संदेश

बस को हरी झंडी दिखाते बीएसए

चित्रकूट। महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक कार्यालय समग्र शिक्षा लखनऊ के निदेशों के अनुपालन में जिलाधिकारी चित्रकूट द्वारा जनपद के समस्त कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालयों (केजीबीवी) की कक्षा 6 से 9 तक की छात्राओं को झाँसी स्थित ऐतिहासिक धरोहरों के शैक्षिक भ्रमण हेतु भेजने का अभिनव निर्णय लिया गया। इसी क्रम में 26 फरवरी को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी बीके शर्मा की देखरेख में मुख्य विकास अधिकारी ने 05 बसों में सवार 180 छात्राओं, वार्डेन, सहयोगी स्टाफ तथा प्रत्येक बस में एक महिला होमगार्ड और एक पुलिस कर्मी सहित कुल 230 सदस्यों के दल को झाँसी किला एवं संग्रहालय के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी चित्रकूट में गठित विशेष समिति इस शैक्षिक भ्रमण की पल-पल की लाइव लोकेशन व दूरभाष के माध्यम से निगरानी कर रही है, ताकि बेटियों की सुरक्षा और सीखकृदोनों सुनिश्चित रह सकें।

3डी मैपिंग से बदलेगी कदमों की तकदीर, दिव्यांगों को नई रफ्तार

चित्रकूट। भारत सरकार के उपक्रम एलिम्को कानपुर द्वारा खोह स्थित मातृ शिशु चिकित्सालय में संचालित प्रधानमंत्री दिव्यशा केंद्र में दिव्यांगजनों के लिए कृत्रिम अंग चिह्नांकन शिविर का ट्रायल आयोजन किया गया। शिविर में 27 दिव्यांगजनों का 3डी मैपिंग तकनीक से असेसमेंट किया गया, जिससे उनकी शारीरिक संरचना के अनुरूप कृत्रिम अंग तैयार किए जा सकें। इस पहल से चलने-फिरने और दैनिक कार्यों में आत्मनिर्भरता की नई राह खुलेगी।

आधी रात मंदिर में घुसे लुटेरे, 85 वर्षीय साधु पर बेरहमी से हमला

चित्रकूट। जनपद के कर्वी कोतवाली अंतर्गत सीतापुर चौकी क्षेत्र के चकमाली स्थित हनुमान मंदिर में आधी रात हुई वारदात ने सनसनी फैला दी। बुधवार और गुरुवार की दरम्यानी रात करीब तीन बजे लूटपाट के इरादे से मंदिर में घुसे दो अज्ञात बदमाशों ने वहां सो रहे 85 वर्षीय साधु बच्ची लाल पर हमला कर दिया। छीना-झपटी का विरोध करने पर हमलावरों ने उनके साथ बेरहमी से मारपीट की, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। गुरुवार सुबह परिजनों को घटना की जानकारी मिली तो हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल साधु को तत्काल जिला अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उनका उपचार जारी है। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है। घटना के बाद क्षेत्र में आक्रोश और भय का माहौल है।

डॉलर का खात्मा करने उतरा भारत का पेट्रो-रूपी, हिला पूरा अमेरिका!

अमेरिका

तेल की हर डील में उसी का सिक्का चलता है। लेकिन अब भारत ने आकर यह कह दिया है कि बस हो गया। हमारा पेट्रोल रुपया आ गया है। क्या भारत रूस की तेल खरीद में गिरावट को यह पेट्रोल रुपया रोक सकता है? क्या सच में भारत ने इसे ल्च कर दिया है? या यह सिर्फ कोई पॉलिसी है और सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सच में अमेरिकी डॉलर की मोनोपोली तोड़ देगी? दरअसल नाम से ही पता चलता है ना कि पेट्रो यानी कि तेल रुपया यानी हमारा अपना पैसा। भारत ने अब तेल की डील्स में डॉलर को साइडलाइन कर दिया है। जी हां, आप सही सुन रहे हैं। पेट्रो रूपी या पेट्रोल रुपया कोई अलग से ल्च होने वाली करेंसी नहीं है ना ही कोई क्रिप्टो है बल्कि यह एक व्यवस्था या मॉडल है जिसमें भारत तेल यानी क्रूड ऑयल के इंपोर्ट पेमेंट्स रुपए में करता है बजाय अमेरिकी डॉलर के। यह पेट्रो डॉलर सिस्टम को चैलेंज करने की कोशिश है। जहां दुनिया का

ज्यादातर तेल डॉलर में बिकता है। रूस से हो, यूएसए से हो या ब्राजील से तेल खरीदो, पेमेंट रुपए में करो और ऊपर से आरबीआई की वो स्मार्ट रिसाइक्लिंग स्ट्रेटजी जो रुपए को बाहर भेजती है और वापस लाकर इकॉनमी में डाल देती है। जैसे कोई जादूगर अपना सिक्का फेंके और वापस जेब में आ जाए। लेकिन यह जादू नहीं है दोस्तों। यह है स्मार्ट इकोनॉमिक्स। अब पहले थोड़ा बैकग्राउंड में चलते हैं। पिछले 50 सालों से दुनिया का तेल व्यापार डॉलर में होता आया है। इसे कहते हैं पेट्रो डॉलर सिस्टम। अमेरिका ने सऊदी अरब, कुवैत जैसे देशों से डील की कि तुम तेल बेचो लेकिन पैसे डॉलर में लो। अमेरिका को फायदा हुआ क्योंकि उसने बिना कुछ किए अपना पैसा सकुर्लेट कराया दुनिया में। उनकी ट्रेजडी बिल्स में इन्वेस्टमेंट आता रहा। लेकिन अब समय बदल रहा है। भारत जैसे देश कह रहे हैं कि क्यों भाई हमारा रुपया क्या कम है और इसी बीच एक बड़ा खेल हुआ। साल 2025 में आरबीआई ने एक साइलेंट लेकिन रिवोल्यूशनरी सर्कुलर जारी कर दिया। 12 अगस्त 2025 को आरबीआई ने स्पेशल रूपी वस्त्रो अकाउंट वाले फॉरेन होल्डर्स को इंडियन गवर्नमेंट सिक्योरिटीज और ट्रेजरी बिल्स में इन्वेस्टमेंट करने की परमिशन दे डाली। मतलब रूस जैसे देश जो हमें तेल बेचते हैं वो रुपए में पेमेंट लेते हैं और फिर वो रुपए, इंडिया में ही इन्वेस्ट कर देते हैं। कोई डॉलर बाहर जाता ही नहीं।

लोरा मिसाइल समेत बड़ी रक्षा सौदा पर लग सकती है मुहर

इजराइल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इजराइल के दो दिन के दौरे पर जा रहे हैं। दुनिया भर में अनिश्चितताओं और तेजी से बदलते जियोपॉलिटिकल हालात के बीच इस दौरे को बहुत जरूरी माना जा रहा है। इस हाई-स्टेक दौरे के दौरान, भारत के एडवांस्ड इजराइली वेपन सिस्टम की खरीद के लिए जरूरी एग्रीमेंट को फाइनल करने की उम्मीद है। नई दिल्ली लेजर-गाइडेड हथियार खरीदने के लिए बड़े डिफेंस डील कर सकती है, जिसमें लंबी दूरी की हाइपरसोनिक मिसाइलें भी शामिल हैं, जिनके बारे में माना जाता है कि वे ब्रह्मोस से भी ज्यादा खतरनाक हैं। भारत आयरन डोम एयर डिफेंस सिस्टम और एडवांस्ड ड्रोन खरीदने पर भी विचार कर सकता है। इनमें से कई सिस्टम मोदी के खास मेक इन इंडिया प्रोग्राम के तहत भारत और इजराइल मिलकर बना सकते हैं। पीएम नरेन्द्र मोदी की बुधवार से दो दिनों की इस्राइल यात्रा शुरू हो रही है। 2017 के बाद पीएम के दौरे को द्विपक्षीय संबंधों के लिहाज से बेहद अहम माना जा रहा है। दोनों देश रक्षा,

आर्थिक साझेदारी से लेकर अहम मुद्दों पर बात करेंगे। दिल्ली में तैनात इस्राइली राजदूत ने एक विडियो जारी कर इस दौरे को बेहद अहम बताया है। इसमें क्वॉंटम, साइबर क्षेत्र और अक जैसे अहम क्षेत्रों में सहयोग की बात की गई है। इसके अलावा कहा गया कि कृषि समेत कुछ अहम क्षेत्रों पर भी जोर होगा। हालांकि, पश्चिम एशिया में तनाव के हालात है। इस हालात के ज्यादा खराब होने पर पीएम की इस यात्रा पर संकट के बादल मंडरा सकते है।

सुदर्शन चक्र बनाने की टेक्नोलॉजी

भारत 2035 तक शहरी सेंटर्स और जरूरी इंफ्रास्ट्रक्चर को मिसाइल और ड्रोन हमलों से बचाने के लिए ह्यसुदर्शन चक्रह्व नाम का एक घरेलू, मल्टी-टियर एयर डिफेंस आर्किटेक्चर बनाने की दिशा में काम कर रहा है। इस कोशिश के तहत, नई दिल्ली आयरन डोम, एरो और डेविड्स स्लिंग सिस्टम जैसी टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करने के लिए इजराइल के साथ पार्टनरशिप कर रहा है। प्लान किया गया फ्रेमवर्क बराक-8 MR-SAM/LR-SAM प्लेटफॉर्म को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, एडवांस्ड सेंसर नेटवर्क और मजबूत साइबर-डिफेंस क्षमताओं के साथ मिलाकर एक इंटीग्रेटेड प्रोटेक्टिव शील्ड बनाएगा।

SPICE 1000 प्रिसिजन गाइडेंस बम

फोर्ब्स इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत हाल ही में मंजूर किए गए एक बड़े डिफेंस प्रोक्योरमेंट पैकेज के हिस्से के तौर पर इजराइल से रफ्एए-1000 प्रिसिजन-गाइडेड बम किट खरीदने की ओर बढ़ रहा है। रफ्एए का मतलब है स्मार्ट, प्रिसाइज इम्पैक्ट, कॉस्ट-इफेक्टिव। SPICE GPS और इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल गाइडेंस टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करता है और लंबी दूरी से टारगेट को हिट कर सकता है।

इन्हें खराब मौसम या GPS-जैमिंग माहौल में भी बहुत सटीकता से हमला करने के लिए डिजाइन किया गया है।

पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की आंखों की रोशनी जाने का खतरा

पाकिस्तान

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान को मंगलवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल से उनकी बिगड़ती नजर के इलाज के लिए बहुत ज्यादा सुरक्षा के बीच इस्लामाबाद के पाकिस्तान इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज ले जाया गया। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के जेल में बंद चीफ को सिग्नल जैमर और भारी सिक्योरिटी एस्कॉर्ट के साथ काली कारों के 15 गाड़ियों के काफिले में ले जाया गया। पीआईएमएस में डॉक्टरों ने दूसरा इंट्राविट्रियल एंटी-वीईजीएफ इंजेक्शन लगाया - एक विशेष थेरेपी जिसका उपयोग रेटिना की बीमारी का इलाज करने और दृष्टि को संरक्षित करने के लिए किया जाता है। हॉस्पिटल के एक ऑफिशियल बयान के मुताबिक, कार्डियोलॉजी और इंटरनल-मेडिसिन स्पेशलिस्ट वाले एक मेडिकल बोर्ड ने पहले खान की जांच की और उन्हें क्लिनिकली स्टेबल बताया, उनके कार्डियक टेस्ट नॉर्मल थे। इसके बाद,

PIMS और अल-शिफा आई हॉस्पिटल के रेटिनल सर्जनों ने डे-केयर सर्जरी के तौर पर आंखों का प्रोसीजर किया। अस्पताल ने कहा कि वह पूरे समय स्थिर रहे और प्रोसीजर के बाद उन्हें आगे की हिदायतों के साथ अदियाला जेल वापस भेज दिया गया। खान की बिगड़ती सेहत पाकिस्तान के पहले से ही अस्थिर राजनीतिक माहौल में एक बड़ा मुद्दा बन गई है। इस महीने की शुरुआत में, उनके बेटे कासिम खान ने आरोप लगाया कि लंबे समय तक अकेले रहने और मेडिकल लापरवाही की वजह से 1992 वर्ल्ड कप जीतने वाले पाकिस्तान के पूर्व कप्तान की दाहिनी आंख लगभग अंधी हो गई थी। उन्होंने कहा कि उनके पिता की ज्यादातर नजर चली गई थी, और रिपोर्ट्स बताती हैं कि उनकी नजर सिर्फ.15 परसेंट बची है। पीटीआई नेताओं और परिवार के सदस्यों ने अधिकारियों पर बुरे बर्ताव का आरोप लगाया है, जबकि सरकार का कहना है कि खान को हिरासत में सही मेडिकल देखभाल मिल रही है।

'मुझे नजरबंद रखा गया'- राष्ट्रपति

बांग्लादेश

बांग्लादेश के प्रेसिडेंट मोहम्मद शहाबुद्दीन ने मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार पर कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि वह लगभग 18 महीने तक घर में नजरबंद थे, और सेहत की वजह से भी उन्हें घूमने-फिरने की इजाजत नहीं दी गई। बांग्लादेशी अखबार कलेर कोंथो को दिए एक खास इंटरव्यू में शहाबुद्दीन ने कहा कि उनके घूमने-फिरने पर लगी रोक ने देश की आजादी के बाद से प्रेसिडेंट द्वारा निभाई जा रही परंपराओं में रुकावट डाली। शहाबुद्दीन ने प्रेसिडेंट के ऑफिशियल घर बंगभवन का ज़िक्र करते हुए कहा कि ऐसा लग रहा था जैसे मैं इस महल में हाउस अरेस्ट में हूँ। कलेर कोंथो ने बांग्लादेश के प्रेसिडेंट शहाबुद्दीन के साथ अपने एक्सक्लूसिव इंटरव्यू का दूसरा पार्ट पब्लिश किया। पहले पार्ट में शहाबुद्दीन ने यूनुस के गैर-संवैधानिक कामों के बारे में बताया, जिसमें उन्हें हटाने की साज़िश और वर ट्रेड डील के बारे में उन्हें अंधेरे में रखना शामिल था। शहाबुद्दीन ने कलेर कोंथो से कहा कि राष्ट्रपति नेशनल ईदगाह मैदान में पवित्र ईद-उल-फितर और ईद-उल-अजहा की नमाज में शामिल होते हैं, यह परंपरा देश की आजादी के समय से चली आ रही है। लेकिन डॉ. यूनुस की सरकार ने उस परंपरा में रुकावटें डालीं हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ईद की दो नमाजों में शामिल होने के लिए नेशनल ईदगाह मैदान जाने की इजाजत नहीं थी।

उन्होंने आगे कहा, मुझे सिक्योरिटी डिपार्टमेंट से साफ-साफ बताया गया था कि आप ईद की नमाज में शामिल होने के लिए नेशनल ईदगाह नहीं जाएँगे।

3 ड्रग तस्कर ढेर, मौत का आंकड़ा 151 पार

यूएस

यूएस मिलिट्री ने कहा कि उसने सोमवार को कैरिबियन सागर में एक कथित ड्रग-स्मगलिंग जहाज पर हमला करके तीन लोगों को मार डाला। यह ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन के कथित तस्करों के खिलाफ महीनों से चल रहे कैंपेन का हिस्सा है। हमले के साथ, सितंबर की शुरुआत में ट्रंप एडमिनिस्ट्रेशन द्वारा छोटे जहाजों में "नार्कोटेररिस्ट" कहे जाने वाले लोगों को टारगेट करना शुरू करने के बाद से मरने वालों की संख्या कम से कम 151 हो गई है। 40 से ज्यादा जाने-पहचाने हमलों पर मिलिट्री के ज्यादातर बयानों की तरह,

अमेरिकी सदर्न कमांड ने कहा कि उसने जाने-पहचाने स्मगलिंग रूट पर कथित ड्रग तस्करों को टारगेट किया। मिलिट्री ने इस बात का सबूत नहीं दिया कि जहाज ड्रग्स ले जा रहा था, लेकिन एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें आउटबोर्ड इंजन वाली एक छोटी नाव को नष्ट होते हुए दिखाया गया था। सदर्न कमांड ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि इंटेलिजेंस से कन्फर्म हुआ है कि जहाज कैरिबियन में नार्को-ट्रैफिकिंग के जाने-माने रास्तों से जा रहा था और नार्को-ट्रैफिकिंग ऑपरेशन में लगा हुआ था।" "इस एक्शन के दौरान तीन पुरुष नार्को-टेररिस्ट मारे गए। प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वर लैटिन अमेरिका में कार्टेल के साथ "हथियारबंद लड़ाई" में है और उन्होंने इन हमलों को यूनाइटेड स्टेट्स में ड्रग्स के फ्लो को रोकने के लिए जरूरी बढ़ोतरी बताया है। लेकिन उनके एडमिनिस्ट्रेशन ने "नार्कोटेररिस्ट" को मारने के अपने दावों को सपोर्ट करने के लिए बहुत कम सबूत दिए हैं।

आत्मघाती हमले में पुलिसकर्मी की मौत

मॉस्को

मॉस्को में एक अनजान हमलावर ने पेट्रोल गाड़ी के पास एक एक्सप्लोसिव डिवाइस में धमाका किया, जिसमें उसकी और एक पुलिस ऑफिसर की मौत हो गई, और दो दूसरे ऑफिसर घायल हो गए। मॉस्को के होम मिनिस्ट्री की ब्रांच के मुताबिक, यह हमला आधी रात के कुछ मिनट बाद रूस की राजधानी के डाउनटाउन में साव्योलोव्स्की ट्रेन स्टेशन के पास हुआ। इसमें कहा गया कि हमलावर एक ट्रैफिक पुलिस गाड़ी के पास गया और एक एक्सप्लोसिव डिवाइस में धमाका किया, जिससे एक ऑफिसर की मौके पर ही मौत हो गई और दो दूसरे घायल हो गए, जिन्हें हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। रूस की इन्वेस्टिगेटिव कमिटी ने कहा कि उसने हमले की जांच शुरू कर दी है। उसने हमलावर का नाम नहीं बताया, न ही उसके संभावित मकसद या कोई और जानकारी दी। यह हमला उस दिन हुआ जब रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के यूक्रेन में सेना भेजने के फैसले की चौथी सालगिरह थी।

ईरान के न्यूक्लियर प्लांट वाले प्रांत इस्फहान में एयरफोर्स का हेलीकॉप्टर क्रैश

ईरान

सेंट्रल ईरान में एक फल और सब्जी मार्केट में ईरानी एयर फोर्स का एक हेलीकॉप्टर क्रैश हो गया, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई। यह क्रैश इस्फहान प्रांत में हुआ, जहाँ देश का मुख्य न्यूक्लियर प्लांट है। यह घटना इस्फहान प्रांत में तेहरान से लगभग 330 किलोमीटर दक्षिण में दोरचेह शहर में हुई। ईरानी सरकारी टेलीविजन ने बताया कि हेलीकॉप्टर एक ट्रेनिंग फ़्लाइट के दौरान नीचे गिरा। इस्फहान प्रांत में एक बड़ा एयर बेस और एक न्यूक्लियर फैसिलिटी है, जिस पर जून में ईरान-इजराइल युद्ध के दौरान अमेरिका ने हमला किया था। स्टेट टीवी ने कहा कि क्रैश में पायलट और को-पायलट दोनों मारे गए, और फुटेज दिखाया जिसमें मार्केट एरिया में मलबा बिखरा हुआ था और साइट से धुआं उठ रहा था। सेमी-ऑफिशियल फार्स न्यूज एजेंसी ने बताया कि एयरक्राफ्ट के मार्केट से टकराने के बाद जमीन पर मौजूद 2 लोगों की भी मौत हो गई। यह क्रैश एक हफ़्ते से भी कम समय में दूसरी ऐसी घटना है। हाल ही में, पश्चिमी शहर हमेदान के पास एक फ्4 फाइटर जेट गिर गया था, जिसमें उसके 1 पायलट की मौत हो गई थी। ईरान में पिछले कुछ सालों में कई जानलेवा एविएशन एक्सीडेंट हुए हैं। पश्चिमी देशों के बैन ने एयरक्राफ्ट के पार्ट्स तक पहुंच को रोक दिया है, जिससे देश मिलिट्री और सिविलियन दोनों तरह के इस्तेमाल के लिए हेलीकॉप्टर और फिक्स्ड-विंग एयरक्राफ्ट के पुराने बेड़े पर निर्भर हो गया है।

इस्फहान न्यूक्लियर फैसिलिटी

इस्फहान न्यूक्लियर टेक्नोलॉजी सेंटर ईरान के मुख्य न्यूक्लियर रिसर्च और फ़्यूल प्रोडक्शन कॉम्प्लेक्स में से एक है। इसमें एक यूरेनियम

कन्वर्ज़न फैसिलिटी, फ़्यूल फैब्रिकेशन प्लांट और कई रिसर्च रिएक्टर शामिल हैं। 2025 में हवाई हमलों के बाद, साइट पर किलेबंदी का काम हुआ, जिसमें टनल के दरवाजों को मजबूत किया गया और कुछ मामलों में उन्हें दबा दिया गया, जिससे वहाँ तक पहुँचना काफी मुश्किल हो गया।

इब्राहिम रईसी चॉपर क्रैश

19 मई, 2024 को, ईरान के पूर्व राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी को ले जा रहा एक हेलीकॉप्टर ईरान के पहाड़ी पूर्वी अजरबैजान प्रांत में अजरबैजान के साथ बॉर्डर के पास एक दीर से लौटते समय क्रैश हो गया। यह एयरक्राफ्ट तीन हेलीकॉप्टरों के एक छोटे काफिले का हिस्सा था।

रईसी को ले जा रहा हेलीकॉप्टर घने कोहरे और खराब मौसम की वजह से विजुअल कॉन्टैक्ट खोने के बाद जमीन से टकरा गया और उजी गाँव के पास क्रैश हो गया। इसमें सवार सभी आठ लोग मारे गए, जिनमें रईसी, विदेश मंत्री हुसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन, पूर्वी अजरबैजान के गवर्नर मालेक रहमती, और दूसरे अधिकारी और क्रू शामिल थे।

अखंड भारत संदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक स्वामी श्री योगी सत्यम् फॉर योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा, प्रयागराज से मुद्रित एवं क्रियायोग आश्रम एण्ड अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

सम्पादक
स्वामी श्री योगी सत्यम्
RNI NO. UPHIN/2001/09025

प्रबन्धक
अनूप मिश्रा

ऑफिस मो.:
9565333000

Email:
akhandbharatsandesh1@gmail.com

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र प्रयागराज होगा

एक से बढ़कर एक हथियारों से भारत को लैस करने की तैयारी में पुतिन

फ्रांस

भारत अपनी वायु सेना की ताकत में इजाफा करने के लिए लगातार काम कर रहा है और हो सकता है कि आने वाले दिनों में वायुसेना के बेड़े में एक नया फाइटर इसमें जुड़ जाए और वो फाइटर ऐसा होगा जिससे दुश्मन के पसीने छूट जाए। वो फाइटर कौन है यह हम आपको बताते हैं और जिस फाइटर पर बात चल रही है उसमें भारत की पहली पसंद कौन है यह भी जान लीजिए। भारत की पहली पसंद है स्'ह 57। यह फिफ्थ जनरेशन का फाइटर जेट है। इसकी जरूरत क्यों पड़ी यह भी हम आपको बताएंगे। लेकिन उससे पहले आप जान लीजिए कि हाल ही में फ्रांस के साथ राफेल जेट डील को मंजूरी मिलने के बाद भारत अब पांचवी पीढ़ी के स्टिल्थ फाइटर जेट खरीदने को औपचारिक रूप देने के लिए तैयार है। और जैसा कि हमने आपको बताया कि इसमें रूस का Sukhoi 57 पहली पसंद के तौर पर उभरा है। सूत्र बताते हैं कि रक्षा मंत्रालय और भारतीय वायुसेना ने चीन के बढ़ते हवाई बेड़े को देखते हुए पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा तेज कर दी है। चीन के पास पहले से ही फिफ्थ जनरेशन के फाइटर जेट मौजूद हैं। चीन के पास फिफ्थ जनरेशन के फाइटर जेट चिंगू ख20 और ख35 जैसे विमान पहले से हैं और वो ऑपरेशनल है और चीन ने पाकिस्तान को ये जेट भी देने का वादा किया है। आपको याद होगा कि बीते साल मई में भारत और पाकिस्तान संघर्ष के बाद बीजिंग की ओर से इस्लामाबाद को दी गई यह पहली

रियायत थी। भारत को अपने स्वदेशी पांचवी पीढ़ी के फाइटर जेट उन्नत मध्यम लड़ाकू विमान एएमसीए के 10 साल में तैयार होने की उम्मीद है। ऐसे में रूसी सुखोई 57 को अंतरिम व्यवस्था के रूप में पहली पसंद बताया जा रहा है। लेकिन भारत के सामने एक दूसरा विकल्प भी है। दूसरा ऑप्शन भी है। अमेरिका की ओर से प्रस्तावित पांचवी पीढ़ी के जेट35 पर भी चर्चा हुई है। हालांकि इसके बारे में यह बताया जा रहा है कि इस पर बहुत ज्यादा विचार नहीं किया जा रहा क्योंकि भारत को ऐसे फाइटर के संचालन पर अमेरिकी प्रतिबंधों का डर है। इन प्रतिबंधों में भारतीय हथियारों को विमान में एकीकृत ना करना शामिल हो सकता है। सुखोई 30 एमटीआई की अगर बात की जाए तो इस बेड़े में ब्रह्मोस मिसाइलें भी शामिल है और इनका इस्तेमाल हमने देखा है कि ऑपरेशन सिंदूर में किया गया था। एकीकरण के बिना भारत पश्चिमी देशों से महंगे हथियार खरीदने के लिए मजबूर हो जाएगा। शायद यही वजह है कि अमेरिका के इस विकल्प पर ज्यादा विचार नहीं किया गया। अमेरिका की तरफ से अगर जेट F35 पर विचार किया गया तो उसमें जो प्रतिबंध अमेरिका की तरफ से लगाया गया है वो भी आप जान लीजिए, कि क्यों इस पर बहुत ज्यादा विचार नहीं किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि अमेरिका ने पाकिस्तानी वायुसेना पर F16 फाइटर के संचालन को लेकर कई प्रतिबंध लगा रखे हैं। इसके प्रत्येक उड़ान पर अमेरिका की निगरानी रहती है। यहां तक कि नियमित रखरखाव के लिए भी अमेरिकी इंजीनियर पाकिस्तान के हवाई अड्डों पर तैनात रहते हैं। यानी कि आप सोचिए, कि अगर इस विमान पर बातचीत आगे बढ़ती है तो इस जेट विमान के लिए अमेरिका पर हमें निर्भर रहना पड़ेगा और साथ ही साथ अमेरिका की जो शर्तें हैं जो प्रतिबंध है वो भी भारत को माननी पड़ेंगी। इसलिए यह पसंद पहली पसंद नहीं है भारत के लिए।